ग्रन्थ-नाभावलिः



धंतनं तक-प्रत्यापतन्दिमः **स्व** जे ब स्वरूपका-भक्षत



还在在中的市场中的市场中的市场中的市场上的市场中的市场中的市场的

श्री-ऐलक-पन्नालाल-दि०-जैन-सरस्वती-भवन भालरा-पाटन ।



Catalogue

Of

SANSKRIT MANUSCRIPTS AND OTHER BOOKS

SHRI-AILAK-PANNALAL-DIGAMBER-JAIN-SARASWATI-BHAWAN.

JHALRAPATAN

प्रकाशक—दोपचन्द्र असवाल—मंत्रा ।

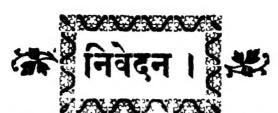


मृहकः-

ज्योनीप्रशाद गुप्त,

महावीर प्रेस, किनारी बाजार-स्थागरा।

वी. नि २४४६



साहित्यप्रेमी सज्जनवृन्द ! श्रापकी पुनीत सेवाने यह परिमल पुष्प समर्पित है। पूज्य १०४ श्री-ऐलक-पन्नालालजी महाराज के सतत श्रसीम परिश्रमसे श्रारोपित श्रीर दि० जैन समाज द्वारा प्रदत्त द्रव्य-जल से श्रमिषिक्त सरस्वती भवन रूप कल्प वृत्त का यह पुष्प है। इसके श्रन्तर्गत प्रन्थोकी सुगन्धिसे उन्मुख हो समाज श्रनुभव कर सकेगा कि उसके शास्त्रोद्धारार्थ प्रदत्त द्रव्य का कैसा सदुप्योग हुश्चा है।

प्रेमी पाठक, ऐसे प्रत्थ भी इस पुष्पमें देखेगे जिनका अन्यत्र मिलना अत्यन्त कठिन हैं। व बड़े ही परिश्रम और अर्थ-ट्यय के साथ सग्रह किये गये हैं। इन सब प्रन्थोंकं संप्रह और उद्धार करनेका श्रेय पुज्य श्री-ऐलकर्जी महागजको ही प्राप्त हैं। अर्थ-संप्रह और प्रंथ-संप्रह एवं दोनों प्रकारका सग्रह किस युक्तिमें किम चतुरता एवं परिश्रमसे किया गया है। इस बातका पूर्ण अनुभव तो पूज्य ऐलकर्जी महागज को ही है परन्तु इस सग्रह परसे हम यह अवश्य जानते हैं कि प्रत्थों क उद्धार करने में पूज्य महागजकी कितनी प्रवल भावना और उत्कट भक्ति है। इतने बड़े कार्य-भारका उठाने में उन्हें कितनी बड़ी शक्तिका सामन करना पड़ा होगा यह अनुमान लगाना भी सहज नहीं है।

प्रातः स्मराहीय पुज्य ऋषियोने ध्यान स्वाध्याय के समयमें से समय बचाकर भावी जैन सतानके हिनार्थ जिसतरह प्रन्थोकी रचनाएं की थी ठीक वही अनुकरण उन ऋषियो द्वारा प्राणीत प्रन्थों के उद्धार के लिए पूज्य ऐलकजी महाराजने भी किया है अन्यथा उत्तम स्वादिष्ट फलोंका फलनेवाला यह सरस्वती भवन रूप कल्प-वृत्त दृष्टिपथप्रस्थायी न होता।

यदि यह कल्प-वृत्त अन्य ममाजो या देशों में होता तो इसका कितना बड़ा गौरव होता। खंद हैं दि० जैन समाज अभी तक ऐसी अनुपम वस्तुओं का गौरव करना नहीं मीख सका है। अस्तु तो भी वि० सं० १९८८ कार्तिक तक सगृहीत प्रन्थोंकी यह व्योरवार नामावली इसलिए प्रकाशित की गई है कि समाज को माल्महा कि उसका एक बड़ा भारी साहित्य मन्दिर हैं और उसमें इस प्रकार साहित्योद्धार हो रहा है।

-पन्नालाल सोनी व्यवस्थापक।



	~			
१दिगम्बर-जैन-प्रन्थाः				पृष्ठ संख्या.
(१) सिद्धान्त ∙प्रन्थाः	•••		***	9-29-60.
(२) ऋध्यात्मापदेश-प्रन्था	:	•	•••	7-x8-E3.
(३) स्त्राचार-प्रन्थाः	•	•	•	१२-६०-१०१.
(४) इतिहास-प्रन्थाः	•••	• •	•••	२०-६४-१०६.
(४) नाटक-न्याकरण-कोष	य-छंदोऽ	लंकार-गरि	ति-मंथ	1.३०-६६-११२.
(६) न्याय-प्रन्थाः	•		•••	३१-६६-११३.
(७) म्तात्र-यन्थाः		• •	••	37-00 -99x.
(८) ऋभिषेक न्याग-पृजा	प्रन्था'	***		38-08-888
(६) प्रकीर्णक-ग्रन्थाः	•••	**	•	४०-७३-१२६.
(१०) गुच्छक-ग्रन्थाः		•	1.0	४१-७४-११९.
(११) सग्रह-ग्रन्थाः	•••		4 +	+ 45-180.
(१२) पट-त्रिलास-ग्रन्थाः	•		•	+ + ११=.
(१३) इ ग्लिश-जैनग्रन्थाः	•	•••		+ + १२५.
(१४) नालपत्र-ग्रन्थाः		•	•	¥0 + +
२श्वेताम्बर-जैन-प्रन्थाः				
(१) विभाग—स्व.	•			830 + +
(२) विभाग—क.				480 + +
३—ऋजैन-मन्थाः—				
(१) विभाग—ख,	•••	***	•	68x + +
(२) विभाग — क.	• •	٠	٠	878 + +

संकेताबरागां स्वष्टीकरणं।

ज. = जनरल नंबर.

क, =कम तंबर.

क. = क-विभाग.

ख. = ख-विभाग,

सं. = संस्कृत.

प्रा. = प्राकृत

म.= मराठी.

गु.=गुजराती.

प. = पत्रसंख्या.

ले. = प्रति का लेखन समय.

नि. स.= ग्रन्थ का निर्माण समय.

स्रो = प्रन्थ की ग्लोक सख्या.

वि. = विक्रम संवत

श.=शक संवम.

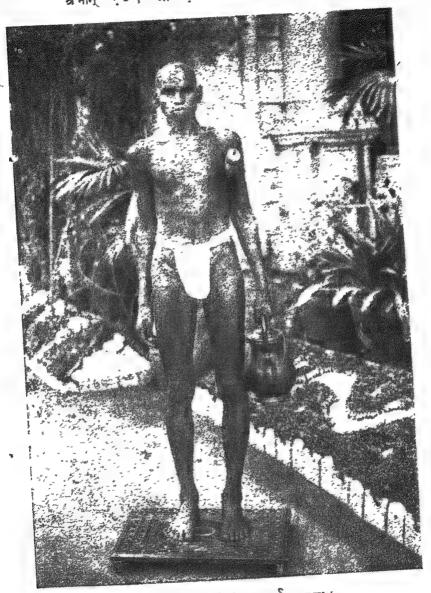
वी.=बीर निर्माण सवत.

श्र. म.= अनुवाद का समय.

मू. = मूलकर्ता.



श्रेमान् १०५ श्री ऐतक पनालानजी महाराज.



गुरवः पांतु वे। ित्यं ज्ञानदर्शननायकाः। चारित्रार्णवर्गमीरा मोक्षमार्गोपेटेशकाः ॥

nd Laxme Press, Kalbadeve Road, Bombay, Z.



भी-पेढक-पन्नालाल-दि०-जैन-सरस्वती-भन्नन-मालरापाटनस्थ.

प्रनथ-नामाविकः।

१-हस्ति बित-दि • जैन-संस्कृत-प्राकृतयन्थाः।

(विभाग-क.)

१---सिद्धान्त-ग्रन्थाः ।

श्रालाप-पद्धतिः देवसेनसूरिप्रणीता

(ज. १ क. १२६) पत्र ८, संस्कृत, लेखन काल. १६४०

(ज, २ क, १३०) प, मसं.

४(ज. ३ क.८१४४) प. ८ सं. + ३(ज. ४ क. ४२३) प. १० सं. + ३.४७३ (ज. ४ क. ४२४) प. १२ सं. ले. १६२४.

कर्ग-प्रकृतिः नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिरचिता

(ज. ६ क. १३१) प्राकृत. प. १८.

💢 (ज. ७ क. ३८६) ब्रा. प. १०. टिप्पणयुता.

कर्म-प्रकृतिटीका, समितिकीर्तियुग्ज्ञानभूपण्कृता,

(ज. म क्र. २०) सं., प. २६, ले १६४१,

(ज. ६ क. १३२) " प. ४८, ले. १६२७

(जा, १० का, १३३) ए प. ४१, ले. १६३१,

कर्ग-विपाकः सकलकीर्तिविरचितः

(ज. ११ क. ४४६.) सं. प. १३ गद्य, ऋो. स. ४४७. गोम्मट-सारः नेमिचन्द्रमैद्धान्तिसगृहीतः

> (ज. १२ क. १३४) प्रा प. ८७, ले. १७७१, काएडद्वय-युक्त दर्शनीयश्च.

★ (ज. १३ क. १३५) प्रा. प. ५३ ले. १८५२ काण्डद्वययुक्तः
गोम्मट-सार-जीवकाण्ड-टीका जीवतत्वप्रबोधिका नेमिचन्द्रकृता.

(ज. १४ क. ३८०) सं० प ३८७, ले. १७६३. गोम्मट-सार-टीका केशववर्णिरचिता.

(ज. १४ क. १३६) क. प. १०६ "त्रावित ऋसंखभाग" इत्यतः "सेढी सूई पक्षा" इत्यताना गाथानां कन्नडभाषायां टीका. नागराचरा।

जम्बूद्वीप-प्रज्ञप्तिः पद्मनन्दिविहिता.

(ज. १६ क. ६१) प्रा. प. ८८ ले-का. १८६३, वाराया निर्मिता.

तात्वार्थ-सूत्र उमास्वामिनिर्मित.

(ज. १७ क. ७०) स. प १४ सुवर्णाचरेषु

🗶 (ज. १८ क. ४४५) स. प. २२

🗡 (ज. १६ क. १३७) स. प २१ 🕒 +

⊁(ज. २० क. १३८) सं. प. ११ +

⊁(ज. २१ क. १३६) सं. प. ६ +

(ज. २२ क. ४४६) सं. प. १६ +

तत्वार्ध-तात्पर्यवृत्तिः श्रुतसागरमृरिकृता.

🗡 (ज. २३ क. ३) सं. प २०२, ऋो. ६००० ले. १८८१.

(ज. २४ क. ७) संप. ३१३, " तो. १६१०.

तत्वार्थ-रत्रप्रभाकरवृत्तिः धर्मचन्द्रशिष्यप्रभाचन्द्रप्रगीता.

(ज. २४ क. ४१७) संप. ६६ ऋते २७४० ले. १८१८.

तत्वार्थ-राजवार्तिकालकार. भट्टाकलङ्ककृतः

(ज. २६ क २) सं. प. २६४ ले. १८६६.

४ (ज. २७ क. ३८१) स. प. ७४० ले. १६३०. तत्वार्ध-वृत्तिः

(ज. २८ क. ३८७) सं. प. ४२. ले. १८०४. तत्वार्ध-श्रोकवार्तिकालकारः विद्यानन्दिसूरिविरचितः

(ज. २६ क १) स. प ४११ अपूर्ण.

तत्वार्थ-सर्वार्थिसिद्धिः द्वनन्द्यपगञ्हपुज्यपादप्रग्राता

(ज ३० क ७१) मं, प ११८ ले, १८६१,

火(ज ३१ क, १४०) म. प. ६० ले. १६२४. तत्वार्धसार, ठक्करामृतचन्द्रनिर्मित

(ज ३२ क १४१) मंप. २६. ऋरो ६२४.

तत्वार्थसारदीपकः सकलकीर्तिरचितः

🌱 (ज ३३ क्र ६७) सं. प ६६, श्लो. १८८३ ले १४४६.

(ज ३४ क, ३८८) मं प, ४४ ऋपूर्ण, ले १७८२,

त्रिलोक-प्रज्ञप्रि यतिष्रपभाचार्यविहिता.

(ज ३४ क ३८६) प्राप ४१८ ऋो ८००० ले. १७४४ वि. १६१० श.

त्रिलोकमारः नेमिचन्द्रमैद्धान्तिनिर्मितः

(ज ३६ क, ६८) प्राप ६४.

त्रिलोकसार-टांका सागरसेनकता

🗡 (ज ३७ क ३४) संप ६४ श्लो. २१४३

(ज, ३८ क, ३६०) सं. प, ३६ ॥

(ज ३६ क ३४८) स प. ४६ ं सहस्रकीर्तिनामांकि-

तेय टीका ले. १८८७ वि. १७४२ श.

द्रव्य-सप्रहः नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिप्रशीत.

大(ज ४० क रिक्टि) प्रा प. मले १७०७.

द्रव्य संग्रह-टीका ब्रह्मदेवविरचिता.

(ज. ४१ क. ६६) सं. प. ४४ ले. १७७१, वि. १६४६ श. श्लो. ३०००.

(ज. ४२ क. ४) सं. प. १२० श्लो. ३०००.

नयचक्रं देवसेननिर्मितं,

(ज. ४३ क. ३४६) प्रा. प. २३ ले. १८८६ सटिप्पणक.

(ज. ४४ क. ३५०) प्रा. प. ४६ + + पंच-संग्रह.

(ज ४४ क. ३४१) प्राप. १०६ ले. १४८४. पंचाध्यायी.

(ज. ४६ क. ३४२) स प ८४ श्लो. १६७४, ले. १७४८. लिंब्स्सार-टीका नेभिचन्द्रविर्याचता.

(ज. ४७ क्र. ३४३) स. प. ६६ ऋपूर्णा.

सिद्धान्तसार-दीपकः सकलकीर्तिप्रधित

(ज. ४८ क. ३४४) मं. प. २०२ श्लो ४४१६

(ज ४६ क. २४४) स प १६० " ले. १८१७ वि.

१६८२ श.

४ (ज. ४० क्र ३४६) स प २०६ " ले. १८३१ वि. १६६६ श.

(ज ४१ क. १३) संप २४६ " ले. १८८७

सिद्धान्त-गाथोद्धारः

(ज ४२ क. ३६१) प्राप. ४७

२--- अध्यात्मोपदेश-प्रन्थाः।

अध्यात्मतरंगिर्णी, सोमदेवसूरिप्रणीता.

ं (ज. ४३ क्र १११) स प ४४. श्राचार्य-गणधरकीर्तिविर-चितया टीकया सवलिता.. टीका. नि०—स वि ११६० ले. १४३३.

अष्ट-प्राभृत कुन्दकुन्ददेवकृत

(ज ४४ क ४४७) प्राप, ४८ ले १८१७

🍎 (ज ४४ क्र. ४१८) प्रा. प. ६० ले. १८४७.

त्रात्मानुशासन गुणभद्रभदन्तनिर्मित

(ज. ४६ क. ११२) स. प. ४६ अवतरिणकया युक्तं सिट-प्पण च. लं. १६३४.

श्रात्मानुशासन-टीका प्रभाचन्द्रविरचिता.

(ज ४७ क. ११३) स. प. ६२

(ज. ४८ के ४१६) स. प ४६ ले. १८६८

🦙 (ज. ५६ क. ४४८) स. प. १४०

श्राराधनासार देवसेनभूरिप्रणीत

(ज, ६० क. ३५) प्रा. प. ६

इष्टोपदेशः पूज्यपाद्विराचितः

(ज. ६१ क. ३६) स. प ३

इष्टोपदेश-टीका पडिताशाधग्कृता

(ज. ६२ क. ३६२) मंप १३

उपदेशरत्नमाला सकलभूषणविहिता

(ज. ६३ क ११४) मं प. १-६१, ६१-६७ श्लो ३३८३ वि सं. नि. स. १६२७ ले. १८७८ वि १७४३ श.

🗡 (ज. ६४ क., ११४) सं. प. ६८ शेषं पृत्रवन ले. १८२६.

ऋद्धिस्वरूप:

💢 (ज. ६४ क. ३७) प्रा. प. ७.

ध्यान-सारः पद्मनन्दिमुनिकृतः

★(ज. ६६ क. ३८) प्रा. प. ४ श्लो. ७४ वि. सं. १०८६
गा. ६३

(ज. ६७ क.) प्रा. प. ४ श्लो. ७४ गा. ६३ नि. स. १०८६ ज्ञानार्शवं शुभचन्द्राचार्यविनिर्मितं.

(ज. ६८ क. ३६३) सं. प १०४ ले. १४५४ श्लो. २७००

(ज, ६६ क, ११७) संप १४१ ले, १६०६ "

(ज. ५० का ११८) सं. प ११० +

🏏 (ज ७१ क. ३६४) स. प. २४६ + "

(ज. ७२ क. ५७) सं. प ६६ 🛨 🤫

ज्ञानार्णव-गद्य-टीका सिंहनन्दिकृता

(ज. ७३ क. ११६) म. प न् तत्वज्ञानतगंगिगी ज्ञानभृषग्विरचिता

(ज ७४ क ३६४) स. प ३२ रतो. ४३६ नि स ४४६०

४ (ज, ७४ क १२०) स. प. २६ ″

तत्वज्ञानतरंगिण्नि-पंचिका ज्ञानभूषण्कता.

(ज ७६ क्र १२१) मं प ३४ श्लो. ६२० सन्देहध्वान्तर्दा-पिकेति श्रास्या नाम

तत्वधर्मामृतं सुभाषितार्णवापरनाम

(ज. ७७ क्र. १७७) स. प. ८८ तत्वधर्मामृतं.

(ज. ७८ क. १४२) सं प. ३२ ले. १६४४.

तत्वसारः देवसेनसूरिप्रणीतः

(ज. ७६ क. १४३) प्रा. प. ४ ले. १६०२

💢 (ज. ५० क. ३६) प्रा. प. ४ 🛨

दशलक्लधर्म-जयमाला नक्तत्रदेवात्मज-भावशर्मविरचिता

(ज. ८१ क. १४३) प्रा. प. १० ले. १७६२ दर्शनमारः देवसेनप्रणीतः

े (ज. ८२ क. १०) प्रा. प. ३ नि. सं. ६६० धर्म-परीज्ञा ऋमितगतिप्रथिता.

X (ज. ६३ क्र. १७६) स., प ५२, श्लो. २१०० नि स. १०७० ले. १४३४

(ज. ५४ क १७६) सं. प. ५२ श्लो २१०० नि. स १०७० धर्मप्रश्नोत्तर सकलकीर्तिकीर्तितः

(ज. ५४ क १५०) संप ४० श्लो १४०० (ज. ५६ क १५१) संप ५० "

धर्मरत्नाकरः जयसेननिर्मित

(ज ८७ क. १४४) मंप ८१ ले १७०६ नि स. १०४४ ख्लो. २७००.

(ज मम क १२२) स. प १०६ ते. १म४म नि स. १०४४ ् श्लो. २७००

(ज. मध्क्र. १००) स. प १४० ले १म६१ वि १७२६ श. नि. १०४४ रखो. २७००.

(ज. ६० क. १०१) सं. प. १२१ तं १८६७ नि. म. १०४४ श्लो, २७००.

धर्मरसायन पद्मनन्दिमुनिकृतं,

Y- (ज. ६१ क. १०२) प्रा. प १¥

👉 (ज. ६२ क. ३६२) प्रा. प ११

(ज ६३ क ४१) प्राप. ६

धर्मामृतनामसूक्तिसम्रहः पंडिताशाधरविरचित

(ज. ६४ क. ४३०) स प. ६ योगोद्दीपनीयनामा द्वाव-शोऽध्यायः।

नियम-सारः कुन्दकुन्दर्षिनिर्मितः

(ज. ९४ क. २१) घा. प. ६ ४ (ज. ६६ क. ४२) घा. प. ६

/`(ज. ६५ मन. ४२ / प्रा. ५. ८ (ज. ६७ मन १०३) प्राप. २३ ले, १६०३.

नीतिसारः इन्द्रनन्दिनिर्मित

(ज. ६८ क. ६२) स. प. ६. ले. १७८५ श्लॉ. ११८ 🗡 (ज. ६६ क. ४३) सं. प ४ ले १८८८ श्लो ११८

पद्मनिद्पंचविंशतिका पद्मनिद्मुनिकृता

🕂 (ज १०० क ३६६) सं. प. १२४ ले १८०७

(ज १०१ क ३६७) संपाद ७ ले १७३२

(ज. १०२ क. ४४) म प ७२ ले १८८८ वि १७४३ श.

पद्मनन्दि-पंचविंशतिका-टीका

🗶 (ज. १०३ क्र. ७२) स प १०४ ले. १६४१ श्लो. ४०००

(ज. १०४ क. १०४) स प १३१ ले. १८८४ श्लो. ४०००

(ज. १०४ क. ६४) स प. १४० + श्लो. ४०००

पद्मनन्दि-पंचविंशतिका-टीका

(ज. १०६ क. १०५) म प ४१ अपूर्णा

परमात्मप्रकाश-सूत्र योगीन्द्रदेवहब्ध

(ज. १०७ क. १०६) प्रा. प. १४ ले १७७३

★ (ज. १०८ क. १०७) प्राप ६४ ले १८६१ छाययावतरएकिया च युता.

परमात्मप्रकाशसूत्र-वृत्तिः ब्रह्मदेवकृता.

(ज. १०६ क. ६३) स. प. १४६ ते. १४९८ श्लो, ४०००
 (ज. ११० क. १२३) म. प. ७६ + श्लो. ४०००

परमार्थीपदेशः ज्ञानभूषण्विरचित

(ज. १११ क. ३६८) स म १४

पंचास्तिकायप्राभृतं कुन्दकुन्दकृतं

(ज. ११२ क. २६६) प्राप ६

पंचाम्तिकायप्राभृत-तत्वदीपिका ठक्कुरामृतचन्द्रकृता.

(ज ११३ क. ४००) स. प ३३ ते १७४१ पर्चाम्तकायप्राभृत-नात्पर्याशृत्ति जयसेनसूरिविरचिता.

(ज. ११४ क. १४४) सं. प. १२८ ले. १४६६.

प्रवोधमारः यश कीर्तिकीर्तितः

(ज. ११४ क. ४२०) म. प. ३७ ले. १८६२ प्रवचनसारप्राभृतं कुन्दकुन्ददेवनिर्मिन

> 🗡 (ज. ११६ क. १४४) प्राप. १० ले. १म१४ (ज. ११७ क. १म२) प्राप. ३२ +

प्रवचनसार--तत्वप्रदीपिका असृतचन्द्रसूरिरचिना

★ (ज ११८ क १२४) स प. १०४ ले. १८६४.

(ज ११६ क ४५२) स. प ३४४ 🕒 🛨

प्रवचनम र-तान्पर्यवृत्ति जयसेनस्रविर्याचता.

(ज ४२० क्र ४२५) स प ११७ ले. १७६७ वि. १६६२ **श.** भावसम्रह-सृत्रं देवसेनसूर्गिर्नार्मन

(ज १२१ क. १८३) प्रा. प. ४६ ले. १४८८ वि. १३४३ श
(ज १२२ क १४६) प्रा. प. ४४ ले. १६०१

भावसम्रहः यामदेवकृत

(ज १२३ क १४७)स प. ३३ ले. १६६४
(ज. १२४ क १४६)स प २६ प्रथमपत्राभावः

योगसारः बृहदमितिगतिकृतः

(ज १२४ क. १४६) स. प २४

योगमार --योगीन्द्रदेवविहिनः

(ज १२६ क. २२) प्राप ४ दोधकरूप

🗡 (ज. १२७ क १४०) ग्रा. प. ४ "

श्रुतस्कन्धः हेमचन्द्रचर्चितः

(ज १२८ क. ४२१) प्राप. ७

🧡 (ज १२६ क ४०१) प्रा. प. ७

```
षट्कर्मोपदेशः अमरकीर्तिकृतः
```

४ (ज. १३० क. ३०००) प्रा. प. ८६

(ज. १३१ क. ३४७) प्रा. प. १४०

षट्प्राभृत-टीका भ्रतसागरमूरिकृता.

🗡 (ज. १३२ क. ३८४) मं. प. ३६० ले. १४७२

(ज. १३३ क. ४४६) सं. प. १६८ +

षट्प्राभृत-टीका.

(ज. १३४ क. ३४८) म प. ४६ ले. १८२४

🗡 (ज. १३४ क. ३२८) स. प ४२ +

(ज. १३६ क. ३२६) मं. प. ४३ ऋपूर्लीयं.

षोडशकारगजयमाला.

(ज. १३७ क. ३४६) प्रा प १७ ले १८६७ सज्जनचित्तवल्लभः मल्लिषेगाविरचितः

(ज, १३८ क. ४४०) स प. २

समयप्राभृतात्मख्यातिः ठक्कुरामृतचन्द्रकृता

★(ज. १३६ क ३३०) सं. प १०६ श्लो. ४२६४

(ज १४० क. १४४) सं प. १३० "

(ज. १४१ क १४६) संप ४६ "

समयप्राभृतकलशाः ठक्कुरामृतचन्द्रकृताः

(ज. १४२ क. १४१) स. प १६ ले. १४६४

🗡 (ज. १४३ क. ४२२) स. प. २६

(ज. १४४ क. १४७) स. प २६ श्रपूर्ण.

समाधिशतकं पूज्यपादापरनामदेवनन्दिरचितं

(ज. १४४ क. ४४१) सं, प, ६

सारसमुचयः कुलभद्रकृतः

(ज. १४६ क. १४६) सं. प. २८ श्लो, ३३२ ले. १६७०

(ज. १४७ क. ४२३) सं. प. १३ "+

सार-संप्रह. सुरेन्द्रभूषण्विरचित

(ज. १४८ क ३३१) सं. प. ४१

🗡 (ज. १४६ क. १२६) सं. प ७३

सुभाषितरत्रसन्दोहः श्रमितगतिसूरिकृतः

(ज. १४० क. १२७) सं. प. ३४ ऋपूर्णः

४ (ज. १४१ क. ३३२) सं. प. ३२ " सभाषितार्धावं

(ज. १४२ क १८४) सं प. ४४ ऋपूर्णं सुभाषितार्णवं सकलकीर्तिविरचिन

(ज १४३ क १४८) सं प. ६३ ले. १६०८ सुभाषितावली मकलकीर्तिकृता

(ज. १४४ क १६०) संप २७ श्लो ४७४

(ज. १४५ क. १६१) स. प. २४ " ले. १७२४

🗡 (ज १४६ क. १६२) सं. प. २३ " ले. १८८७

(ज १४७ क +) स. + "

्र (ज. १४८ क.६४८) सं. प्रा. ४९ % " सूक्तमुक्तावनी सोमप्रभविगविता.

(ज १४६ क्र १२६) स. प. १४ ले १७११

火(ज. १६० क 才長の म प १६

(ज १६१ क १३३) म प. २१ ले. १८३८ हिदीटिप्पण-महिता.

(ज १६२ क ४२४) स. प. १६ + हिंदी टिप्पण-महिता.

(ज १६३ क्र १८५) म प. ४३ ले. १४७६ हर्षकीर्तिकृत व्याख्यायुता

सूरा-प्रकाशः नेमिचन्द्रविरचितः

(ज. १६४ क. ४) स. प ८१ प्रथमोल्लाम्मात्रः नि.स.१६०६।

सम्बोधपंचाशिका गौतमकृता.

(ज. १६४ क्र. १८६) स. प. २६ संस्कृतटीकासहिता.

🏏 (ज. १६६ क. १८७) स. प. १६

77

(ज. १६७ क. ३३४) स. प. १२

77

स्वरूपसम्बोधनपंचित्रातिः भट्टाकलङ्ककृता

(ज. १६८ क. १८८) स. प. ८

**

३—श्राचार-ग्रन्थाः।



श्वनगारधर्मामृनं पडिताशाधरविरचित

(ज. १७० क्र ६४) स. प ३४४ स्वापज्ञभव्यकुमुदचन्द्रा-ख्यव्याख्यायुत. श्लो १२२०० नि स १३००.

श्राचारवृत्तिः वसुनन्दिसैद्धान्तिकृता

(ज १७१ क. १४) मं प. २६३ श्लो १०४६० ले. १८९० वट्टकेराचार्यप्रणीतम्लाचारम्य सम्कृतटीका.

(ज १७२ क्र =) सं. प १७७ श्लो १०४६० ले १७८६

(ज. १७३ क. ३६३) स. प ३१८ श्लो. १८४६८ ले १८७८

(ज. १७४ क. ३८४) म. प २६६ श्लो १०४६० 🕒

🗡 (ज. १७४ कृ. ४२४) सं. प २७१ श्लो. १०४६० 🕒

(ज. १७६ क. ३६४) मं. प २७१ श्लो, १०४६० ले. १४६३

त्राचार-सारः वीरनन्दिसैद्धान्निविरचिनः

🗡 (ज. फिर्फ्स्. ३६४) म. प. ७७ श्लो. १२४० ले. १६३३

(ज. १७८ क. १६०) स प. ८४ श्लो. १२४० ले. १८०४

्र (ज. १७९ क्र. ३३६) स. प. ६-४३ श्लो १२४० अपूर्णः इन्द्रनन्दिसंहिता इन्द्रनन्दियोगिर्याचना.

(ज.१८० क्र. ७३) प्रा.प.२६ ले.१६८९

उपासकाध्ययन वस्निन्दिसँद्वान्तिकृत

(ज १८१ क. ३६७) प्रा. प ४१ ले १६४४ वसुनिद्शाव-काचारेत्यपर नाम.

√ (ज १६२ क ३६६) प्रा. प. ३४
(ज १६३ क ४२६) प्रा प. ४४

उपस्काचार पुज्यपादविरचितः

Х (ज १८४ क ४४) स० प ४ को १०२
(ज १८४ क २४) स प ३ १०२ अप्रणीः

चरगासारः शोभारणबद्धचारिकृतः

(ज १८६ क २४) प्राप ४

चारित्रसार चाम्डरायमहाराजरचिनः

★ (ज १८० क ३६९) स प ६८ ले ६८६६ (ज १८८ क ४३१) स प. ५४ ले १४६८ (ज १८० क ४४२) स प ८६ ले १६३४.

ब्रेदपिड इन्द्रन-िटकृत

(ज १६० क्र. ४६) प्राप १७ श्रो ४०० ले १६७१

जिनसहिता काष्ट्रासघीर्याजनसन्पडितपर्गाता

(ज १६१ क उ४) स प ६० ले १६७८ जिनसेनित्र-वर्गाचारेन्यपरनामा

त्रिवर्णाचारः सोमसनविद्यात

(ज १६२ क्र. ६६) स प १०२ क्यों २७०० ले. १८८६ नि स १६६७ (ज १६३ क्र. ३६१) संप ११३ क्यों २७०० ले १८९,१

नि. स⁹⁸⁸⁹ त्रिवर्णाचार गुगभद्रभद्रारकविर्णाचन

(ज. १६४ क. ३७०) म. प. १२

धर्मोपदेशपीयृष-श्रावकाचारः नेमिदत्तकृतः

X (ज. १६५ क. ३७१) स. प. २२ ले. १७४८ श. १६१३ (ज. १६६ क. ४०२) स. प. ३२

धर्मसंग्रह-श्रावकाचारः पंडितमीहापरनाममेधावीविरचितः

义 (ज. १६७ क्र. ४०३) सं. प. ६४ श्लो. १४४० ले. १७६० नि. स. १४४१.

(ज. १६८ क. २२६) स. प. ६१ श्लो. १४४० ति. स. १४४१ (ज. १६६ क. ७४) सं. प. ७४ श्लो १४४० ले. १६६१ नि. स. १४४१.

पुरुषार्थसिद्ध्युपायः ठक्कुरामृतचन्द्रविरचितः

(ज. २०० क. ३७२) स. प. १२

प्रतीत्तरोपासकाचारः सकलकीर्तिकृतः

(ज २०२ क. ४२७) स प १८० श्रो ३००० ले १८२८ (ज. २०३ क. ४०४) स. प १४६ ७ ले १८६४

प्रायश्चित्तसमुचयः गुरुदासाचार्यकृतः

(ज २०६ क. २६) स प. १४

प्रायश्चितसमुचय-टीका श्रीनन्दिगुरुविरचिता

(ज २०७ क. मन) स. प. म३ प्रायश्चित्तचुलिका-टीका श्रीनन्दिगुरुगंफिला.

पूर्णका टाका आसान्द्युरस्याकता. (ज. २०८ क. ४०६) स. प. ६०

प्रायश्चित्तप्रन्थः श्रकलकनिर्मितः

(ज. २०६-२१०-२११-२१२ क. ३३४:३३६-३३७-४०७)सं. प. ४-२-४-६ ले. १८३६— × —१९७०-१८२४ ख्लो. ६०

भगवत्याराधनापंजिका.

(ज. २१३ क्र. ४०८) सं. प. १४६ ले. १४७० भद्रबाहुसंहिता. भद्रबाहुनामांकिता.

> (ज. २१४ क. १४) स. प्रा. प. ११८ (ज. २१४ क ३७४) स. प्रा. प. १४२

भव्यजनचित्तबल्लभश्रावकाचारः गुणभूषणगुंफितः

(ज २१६ क १६३) सं. प. २१

मृलाचार-प्रदीपः सकलकीर्निकृतः

(ज २१७ क २७) स प ११४ श्लो. ३३६४ ले १६६८ (ज २१८ क ४०६) स प १४८ " + (ज. २१६ क. ४३२) मं. प. ६८६ " ले १६२१ मलागधनादर्भणं पंडिताशाधगविग्चिनं

> (ज २२० क ६७) सं प १२४ श्लो ४०२४ मृलाराध-नायाः टीका

रत्नकरण्डश्रावकाचारटीका प्रभाचन्द्रविरचिता

├ (ज २२१ क ४४०) स. प म७ ले १८६६
(ज २२२ क २८) सं. प ४१ ले १६११

रयणसारः कुन्दकुन्दाचार्यविरचितः

(ज २२३ क. २३) प्रा.प. ५

⊁ (ज २२४ क. ३७६) प्रा. प १०

लाटी-संहिना पडितराजमलग्रथिता,

(ज २२४ क. ७६) स प ६२ ले १६७८ नि. सं १६४१
(ज. २२६ क. १९१) सं. प. ७—८८ + "

विजयोदया अपराजितसूरिविरचिता

🏏 (ज. २२७ क. ६) स. प. ४६६ ले १८८३ मूलाराध-नायाः बृहर्ट्रीका. (ज. २२८ क. ४०) मं. प ३८२ ले १८६० ॥ (ज. २२६ क. ४११) मं. प ११८ ऋपूर्णा ॥

व्रतसार-श्रावकाचारः

(ज २३० क. २६) संप १ ज्लो, २२ व्रतश्रावकाचार

(ज. २३१ क. १६४) स. प. ४

🗶 (ज. २३२ क. ६४) म प ३

व्रताद्योतनश्रावकाचारः अभ्रदेवकृतः

(ज. २३३ क्र. ७७) स. प. २२ १लो ४४२ ले. १६७० श्रावकाचारः योगीन्द्रदेवकृतः

🗡 (ज २३४ क ४३३) प्राप १४ लं. १८६६ हली २२४

(ज २३४ क ३७४) प्राप ११ श्लो २२४ ले १८६२ अस्यान्ते लदमीचन्द्र कृतमित्युल्लेखः

(ज २३६ क्र १६४) प्रा प[ँ] १६१लो २७० दोधकानि २२४ श्रावकाचारः पद्मनन्दिकृतः

(ज. २३७ क ४३४) म प क्व ले १६७०

श्रावकाचारः कुन्दकुन्द्रनामाङ्कितः

(ज. २३८ क. ४१४) म प ४० ले. १६७०

षट्कर्मश्रावकाचारवचनिका लक्समनरचिना

्र्र ज. २३६ क १६६) प ४८ ऋष्यं। कार्याप्त ग्रंटिकाकार्याकारिक

सागारधर्मामृत पंडिताशाधरविरचित

(ज २४० क. ३७८) स प ४० ले १७४६ नि म. १२६६ 🗴 (ज. २४१ क ३७६) सं प ४८ ले. १६३६ "

सागारधर्मामृत-भव्यकुमुद्चिनद्रका आशाधरविरिचना,

(ज. २४२ क. १७) सप १४४ ले १७६६ ,

र्भ (ज. २४३ क. १६) स प १२० ले १८६६ वि. १७६१ श. वि. स. १२६६

सारचतुर्विशतिका सकलकीर्तिकृता.

(ज २४४ क ६) स. प. म७ श्लॉ. २४२४ ले. १म४१ (ज २४४ क ११) स प. १०४ " ले. १५६२ वि १७४७ श.

🗶 (जन्ध्रदक ८६) संप ८३ " ले. १८६० स्वामिकार्तिकेयान्य्रेज्ञा. कार्तिकेयविरचिता

(ज. २४७ क. ४२८) प्रा. प. ४६ √ (ज. २४८ क १६७) प्राप. ३२
(ज. २४६ क. १६२) प्राप. ३६

स्वामिकार्तिकयानुप्रचा-टीका शभचन्द्रभद्रारकविरचिता

्र (ज २४० क २०)स प १६६ ऋो. ७२४६ ले १८४६ नि स. १६०५

(ज २४१ क ३१) स प २२२ ऋो ७२४६ ले १६४६ नि स. १६०८

(ज २४२ क १८)स प १७७ ऋो ७२४६ ले. १८३३ नि स १६०८

(ज २४३ क १६) संप. २२८ क्लो ७२४६ ले. १८६२ निस १६०८

(ज. २५४ क ४३५) स प. २७७ श्लो. ७२४६ ले. १८६१ निम १६०८

(ज २४४ क ४४३) स प ३३८ श्लो ७२४६ ले. १८६२ नि स. १६०८

(ज. २४६ क ४१३) स प १३६ श्लो. ७२४६ ऋपूर्ग.

(ज. २४७ क. ४१२) स. प. ध्द श्लो ७२४६ 🛨 नि. स. १६०८. *

क्रियाकाएड-ग्रन्थाः (२)।

प्रतिक्रमण्पाठः

(ज. २४८ क, ४२४) प्रा. प. ६

प्रतिक्रमण्पाठः (बृहन्), गौतमगण्धरकृत

🗡 (ज. २४६ क. ४ॢ) प्रा. प ४६ ले. १८०६ प्रभाचन्द्राचार्य-विरचितटीकायुक्तः । जु. ५५०

प्रतिप्रतिक्रमण्पाठः

(ज. २६० क. ४२६) स. प्रा. प. ६१ ऋो. २००० ले. १७२४ भावकप्रतिक्रमणपाठ

(ज. २६१ क. ४२७) प्राप. १३

(ज. २६२ क. ४२६) प्राप १४ लं १६४४

श्रावकप्रतिक्रमग्रपाठ

(ज. २६३ क. ४२८) प्राप ३

सामायिकमूलपाठः

(ज, २६४ क, ४६४) से-प्राप २८ ले. १६४४

火 (ज. २६४ क्र ४८१) सं−प्राप. ३६

सामायिक-टीका

(ज. २६६ कृ. ४८२) सं.-प्रा प ७४ श्रो १४०० सामायिकटीका, प्रभाचन्द्राचार्यकृता.

X (ज. २६७ कृ. ४७४) स.−प्रा. प. ४९ ले १८१८ सामायिकलघुपाठ

(ज. २६८ क्. ४८०) प्रा.

सामायिकलघुपाठ.

(ज. २६६ क. ४६६) स. प. २

🗡 (ज. २७० क. ४६७) सं. प. २

संध्याविधिः

(ज. २७१ क. ६१३) स. प. ४ ले १८७४

संस्कृतिकयाकाएडं 🗶 (ज. २७२ क्र. ४८३) सं. प ६६

(ज. २७३ क्र. ४८४) स. प १०-३१, ४६-७४,

त्राहं द्वितः. पंडिताशाधरविरिचना (ज. २७४-२७४ क्र. ४७८-४२६) सं. प. २-२

श्राचार्यभक्ति

🕂 (ज २७६ क. ४७) प. २ ऋो ३१ (ज. २७७ क. ४३०) प. २

चारित्रभक्ति

🕂 (ज २७८ क ४८) प २ (ज. २७६ क ४३१) प ४

निर्वाणभक्तिः

४ू(ज २८० क ४६)प ३ नन्दीश्वरभक्ति.

💢 (ज. २८१ क्र ४७७) प. ४

Y(可. マニマ あを粉し) いのを行.

योगभक्ति

🕂 (जञ्दरेक ४०)प २ (ज २५४ क ४३२) प ४

श्रुतभक्तिः

y. (ज २६५ क ४१) प. ४ (ज २८६ क ४३३) प. ७

मिद्धभक्तिः

🏋 (ज व्यक्त ४०)प व (ज २८८ क ४३४) प. ४

सिद्धभक्तिटीका श्रुतसागरसूरिविरचिता.

X (ज. २८६ क. ४३४) प. ७

४---इतिहास-ग्रन्थाः।

श्रजितपुराएं श्ररुणमणिविरचित

🗴 (ज २६० क्र. २०२) सं. प. ३४१ ऋगे प्रमध्य ले. १७४६ नि. स. १७२६

(ज. २६१ क. ६०) मं. प[्]र¥६ श्लो पप्पप्र ले १८७४ नि. स. १७२६

श्रादिपुराएं जिनसेनाचार्यविरचित

(ज. २६२ क. ६१) सं. प ३२४ ले १८६२

(ज. २६३ क्र. २०३) स प ४६६ ले. १६६६

(ज. २६४ क. २०४) सं. प ४६६ ले. १७६७

(ज. २६५ क्र. २०७) सं. प. ६०६ ले १७८६

🗴 (ज. २६६ क. २०४) स प. ११६–६३४ अप्रणी

🗴 (ज. २६७ क. ६४) संप. २२६ "

चादिपुरा**एं ऋभिमानमे**ककविपुपदन्तकृतं

(ज. २६८ क २६४) प्रा प ३७४ ऋपूर्णं श्रादिपुराण सकलकीर्तिकृतं

(ज. २६६ क. २६६) सं. प ७२ अपूर्णं.

उत्तरपुराणं गुणभद्रभदंतकृतं

(ज. ३०० क. २०५) सं प. ३६२ ले. १७५२

(ज. ३०१ क्र. २०६) सं. प. ४१२ +

(ज, ३०३ क, २८१) सं, प, ५३ ऋो, ४०००

करकंडुचरित्रं भट्टारकशुभचन्द्रविरचितं

(ज. ३०४ क. २८२) सं. प. १३६ श्रपूर्णं

गौतमचरित्रं मंडलाचार्यधर्मचन्द्रकृतं

(ज २०४ क्र २६४) सं प. ६४ ले. १८२६ नि. स. रस-युग-त्रद्रि-इन्द् १६४६

चन्दना-चरित्र भट्टारकवादिचन्द्रकृतं

(ज. २०६ क. २४२) सं. प ४४ क्षों ८०७ ले १६८४ नि. स. १६४१

चन्द्रप्रभ-चरितं श्राचार्यवीरनन्दिनिर्मित

🗶 (ज. ३०७ क. २११) मं, प. ७४ ले. १८६६

(ज. ३०८ क. २३५) सं. प १२३

चन्द्रप्रभचरितं भट्टारकशुभचनद्रप्रथितं

(ज. २०६ क. २२६)सं. प. ७६ श्लो १४६० नि. स. १४६६

X(ज. ३१० क. २१२) सं.प. ८४ " " ले.१७४१ (ज. ३११ क २१३) सं.प. ७७ " " +

चन्द्रप्रभचरित दामोद्रकविष्रगीत

(ज. ३१२ क्र. २३७) स. प. १६४ श्लो.४०१४ नि.स १७२७ ल. १८४२

जीवन्धरचरित भट्टारकशुभचन्द्रविहितं

(ज. ३१३ क्र. ३११) सं. प. ५१ श्लो. २२४० नि. स. १४७२ ले. १७०६ वि १४७१ श

(ज. ३१४ क २३८) मं. प १२६१लो, २२४० नि.स.१४७२ ले. १६१२ वि. १७१७ श.

जम्बूस्वामि-चरितं जिनदामब्रह्मनिर्मितं

🗡 (ज. ३१४ क. २१४) भं. प. ४६ श्लो. २२३० ले. १८८६ वि. १६६१ श.

(ज. ३१६ क्र. २२७) सं. प. ७८ श्लो. २२३० ले. १८२४ (ज. ३१७ क्र. २३६) सं. प. ३–६३ श्लो. २२३० +

जम्बूस्वामिचरितं

(ज ३१८ क्र. २३२) सं. प. ३० ले. १७४६, श. १६११ गद्ये त्रिषष्टिम्मृतिः पंडिताशाधरविरचिता.

> (ज. ३१६ क. २४०) सं. प. ३४ श्लो. ४०४ ले. १४८० नि सं. १२६२

त्रिषष्टिम्मृतिपंजिका पंडिताशाधरविरचिता.

(ज. ३२० क्र. २४१) स. प. ३६-४१ ले. १४८० नि स.१२६२ द्विसन्धानमहाकाव्यं महाकविधनंजयनिर्मित

> (ज. ३२१ क. ३१२) मं. प. २--३०० ऋपूर्ण, नेमिचन्द्रकृत-व्याच्यायुतं।

धन्यकुमारचरित गुणभद्राचार्यविरचितं

X (ज ३२२ क. ३१३) स. प. ४७ श्लो. ६०० ले १६०४
(ज. ३२३ क. ३१४) सं. प. ४७

"ले १६१६
धन्यकमारचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज ३२४ क २४२) स. प ३७ श्लो ८४० ले. १८४१ धन्यकुमारचरित नेमिदत्तब्रह्मरचित

(ज. ३२५ क २४३) स. प २१ क्लो. ४६५ ले. १८८२ (ज. ३२६ क. २८३) स प. ३० ७ ले. १७८३

(ज. ३२७ क. २५४) सं. प. २४ 🕛 👚 🛨

💢 (ज. ३२८ क. ४४४) सं. प. ३४ " ले. १८६६ नागकुमारचरितं उभयभाषाकविमक्षिपेणुद्रथित

(ज ३२६ क. ३१४ स. प. २६ श्लो. ४३४ ले. १८६१ नेमिपुरायां नेमिदत्तब्रह्मकृत

(ज. ३३० क्र. २४४) सं. प. १६२

(ज. ३३१ क. २२८) सं. प. १३४

(ज. ३३२ क. २२६) सं. प. १४२ ले. १८४९

भू (ज. ३३३ क. २६७) सं. प. २२६ ले १८६८

नेमिदूतकाव्यं मांगणाङ्गज-भांभणविरचितं

(ज. ३३४ क्र. २४४) सं. प. ४-११ श्लो. ३७४ नेमिदृतकाव्यं सांगणात्मज-विक्रमकृतं.

(ज. ३३४ क. २४६) सं. प. १३ श्लो. ३७४ ले. १८६६ नेमिनिर्वाणकाव्यं वाग्भटप्रणीतं

(ज. ३३६ क. २१४) स. प. ५२ श्लां. १३१७ ले. १८६० (ज. ३३७ क. २४७) सं. प. ४१ " श्रपूर्णं

पद्मपुरागं रविषेगाचार्यविरचितं

(ज. ३३८ क. २३०) सं. प. ४४४ श्लो. १८२३ नि. स १२०३॥ वी. नि.

(ज. ३३६ क. २६६) मं. प ४०८ श्लो १८२३ नि स. १२०३॥ वी. नि. ले. १४२२

पद्मपुराणं मोमसेनभट्टारककृतं

्रे (ज. ३४० क्र. २६७) संप. २४० श्लो. ७००३ नि स. १६४६ ले. १६७२

(ज. ३४१ क्र. २३१) सं. प. १४३ श्लो. ७००३ नि. स. १६४६ ले. १८८३

पांडव-पुरागां भट्टारकशुभचन्द्रप्रगीतं

(ज. ३४२ क. २४४) सं. प. १६७ श्लो. ६००० नि. स. १६०८ ले. १८६७

४ (ज. ३४३ क. २८४) सं. प. २१६ श्लो. ६००० नि. स. १६०८ ले. १६४१

पार्श्वनाथचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज. ३४४ क. ३१६) स. प. १०७ श्लो. २८४०

५ (ज. ३४४ क. २४८) सं. प. १०४ " ले. १८४४ (ज. ३४६ क. २४४) सं. प. १०४ " ले. १८४६ श. १७११

X (ज. ३४७. क. २४६) सं. प. ८३ श्लो. २८४० ले. १८६६
 X (ज. ३४७ क ४४४) सं प १६७ " ले. १८६७
 श. १७१७ १

पार्श्वनाथ-चरितं वादिचन्द्रमुनिकृत

(ज. ३४६ क. २४७) स. प ६६ श्लो. १४०० ले. १८६६ नि. स. १६४०

पुराग्सारसम्बह मकलकीर्तिकृतः

(ज. ३४० क. २१६) स. प १०७ ले. १८१८ प्रयुम्नचरितं सिद्ध-मिहकविभ्या कृतं (ज. ३४१ क. २१७) प्रा. प १२४ ऋपूर्ण

प्रद्यम्न-चरित सामकीर्तिविरचित

(ज. ३४२ क. २१८) सं. प. २०६ श्लॉ. ४८४० ले. १७७६
 (ज. ३४३ क. २६८) सं. प. १६२ " ले. १८२८
 (ज. ३४४ क. २४८) स. प १६६ " ले. १६७८

बाहुबलिचरितं धनपालनिर्मितं

X (ज. ३४४ क. २६६) प्रा. प. १६४ लं. १४८२ नि. स. १४४४

भविष्यदत्त−चरितं विबुधश्रीधरविरचित

४ (ज. ३४६ क. २४६) प. ७२

(ज. ३४७ क. २६०) प ६१

मिल्लनाथ-चरितं सकलकीर्तिरचितं

(ज. ३४८ क. २६१) स. प. ४२ श्लो, ६२४

८ (ज. ३४६ क. २७०) सं प ४४ श्लो. ६२४ ले १६१४ महीपालचरित चारित्रभूषगाम्रथितं

(ज. ३६० क. २७१) सं. प. २१ श्लो. ६६४ लं. १८४२

🗡 (ज. ३६१ क. २७२) सं. प. २६ " लं. १८७४ (ज. ३६२ क. २७३) सं. प. ४८ " ले. १८७१

यशस्तिलकचंपू. सामदेवसूरिप्रणीता

(ज. ३६३ क. २८६) सं. प. ३६४ श्लो. ८००० ले. १७१७ नि. सं. ८८१ श

यशोधरचरित अभिमानमेककविपुष्पदन्तकृत

(ज. ३६४ क २८७) प्राप ८८ ले. १६३३ श १४६८ (ज. ३६४ क २८८) प्रा. प. ४७ ऋपपूर्णं

यशोधरचरितं सकलकीर्तिविगचितं

💢 (ज ३६६ क्र २८६) सं प. ४१ श्लो. ६६० ले. १४४४

⊁ (ज. ३६७ क. २७४) स प. ५१ " ते. १८४०

🗴 (ज. ३६८ क्र. २७४) सं. प. ३७ " ले. १८२१

🕂 (ज. ३६६ क. २७६) मं. प. ४८ " ते. १८६२

🗡 (ज ३७१ क २७८) संप. ४७ " ते १८६६

(ज. ३७२ क्र. २१६) सं. प ३३ " +

यशोधरचरितं श्रुतमागरसूरिप्रणीतं.

(ज. ३७३ क. २२०) सं. प ४२ ले. १८०६

यशोधरचरित वामवसेनविरचितं

५ (ज. ३७४ क २७६) स. प. ६४

यशोधरचरित पूर्णदेवरचितं

(ज ३७४ क. २२१) स. प. १४ ले. १८२४ यशोधरचरित माणिक्यकविनिर्मित 💆

🟃 (ज. ३७६ क्र. २६०) सं. प ६८

वरांगचरितं वर्धमानकृत

★ (ज. ३७७ क्र. २६१) स. प. ५३ ले. १८४२
(ज. ३७८ क्र. २६२) सं. प. २–२० + अपूर्ण
वर्धमान~चरित हरिचन्द्रप्रथित

🗶 (ज. ३७६ क. २६३) प्रा. प. ४४८क. ४

वर्धमानचरितं सकलकीर्तिकृतं

(ज. ३८० क. २८०) स. प. २-१३६ श्लो, ३४००

(ज. ३८१ क. २४६) सं. प. २-७४

(ज. ३८२ क. २२२) म. प. १२४ श्लो. ३०३४, ले. १६०८ श. १७१३ ?

(ज. ३५३ क. २२३) स. प. ४०६ " ले. १८७८ श. १७४० ?

शान्तिपुराएं मकलकीर्तिविरचिन

(ज. ३८४ क २३३) स. प. १८० श्लो, ४३७४

(ज. ३५४ क. २३४) सं. प. ११४ " ले. १५०१

(ज. ३८६ क. २६२) संप १६३ " ले. १८६६

-(ज. ३८७ क. २६३) स. प. १५६ " ले १६००

शान्तिपुराण असगकविप्रणीत

(ज. ३८८ क २२४) स. प. ८६ ले १८७८

(ज. ३८६ क. २६४) सं. प. १२७ श्लो. २४०० ले. १७८६

(ज. ३६० क. २६८) म. प. ११० " ले. १७००

(ज. ३६१ क २६६) स प. ४३-१०७ श्लो. २४०० श्रपूर्ण

सुकुमालचरितं सकलकीर्तिप्रणीत.

(ज. ३६२ क्र. ३००) म. प ४२ ऋंग ११०० ले. १६२७

(ज. ३६३ क. २४०) स. प. ३६ " ले. १८४०

(ज. ३६४ क. ३०१) सप ७३ "+

(ज. ३६५ क. ३०२) सं. प. ३६ " + ऋपूर्णं सुदर्शनचरितं भट्टारकविद्यानन्दिकृतं.

(ज. ३६६ क. २४१) मं. प. ३८ क्रो. १६३२, ले. १८७६

(ज. ३६७ क. ३०३) सप. ६४ " ले. १६३४

सुदर्शनचरितं सकलकीर्तिविरचित.

(ज. ३६८ क. २०४) सं. प. ४० श्लो. ६०० ले. १६४१

(ज. ३६६ क्र. ३०४ सं. प. ३७ ""

संभवनाथचिंगतं तेजपालकविरचितं

(ज. ४०० क. ३०६) प्रा प. ६७ ले. १४८३ हनूमचरितं ब्रह्म-अजितकृत,

(ज. ४०१ क. २४२) संप ७३ श्लो. २००० ले. १९१६

(ज. ४०२ क्र. ३०७) सं. प. १२४ " ले. १६०२

्र.(ज. ४०३ क १२) सं. प. ६३ " लॅ. १८८७ हरिवशपुराण ब्रह्मजिनदामप्रणीत,

(ज. ४०४ क ५२) स प. २१४ ऋो ७२०१ ले. १८६४

(ज. ४०४ क. २६४) स प १६४ " ले. १८१०

(ज ४०६ क्र २०६) सं. प. ४०० " ले. १८४२

हरिवंशपुराण

(ज ४०७ क्र २०८) सं प ६३ 'गद्यात्मक' हरिवंशपुराग्। रङ्ग्रकविविरचित

(ज. ४०८ क. ३०६) प्रा. प १२६ ले. १४६४ होलिकाचरित ब्रह्मजिनदासनिर्मितं

> (ज. ४०६ क ३१०) स. प. ४२ श्रो. त्रि. वार्षि. वसु ८४३ १६७८ नि स १६०८

> (ज. ४१० क. ६३) स प ३० श्लो. त्रि बार्धि. बसु ८४३ नि. स. १६०८

* * *

कथा-ग्रन्थाः।

श्रनन्तव्रतकथा पद्मनन्दिकृता,

(ज. ४११ क. १६३) मं, प ४

(ज. ४१२ क. १६४) सप १०

श्चनन्तव्रतकथा श्रुतमागरसृग्रिरचिता

(ज. ४१३ क ४८४) स प ६

श्राराधनाकथाकोषः ब्रह्मनेमिदत्तप्रग्रीतः.

(ज. ४१४ क उद) स. प. १४४ श्लो ४४०० ले १८६०

(ज ४१५ क ६८) सप १६६ " ले. १८८६ श १५५१

कथाकोषः श्रुतसागरसूगिविहित.

(ज ४१६क ६६) सप १०१

कवलचन्द्रायग्वतकथा.

(ज. ४१७ क. ४६४) सं. प. ४ ले, १६७८

कौमुदी-कथा.

(ज. ४१८ क. ४६३) स प. ६२ पद्मात्मिका

(ज ४१६ क्र. ४८०) स प. ११७ ले. १६०० "

-(ज. ४२० क. ४०१) स. प १८३ ले. १८७४ "

(ज. ४२१ क. ४६६) स. प १४६ ले. १८३७ "

कौमुदीकथा.

(ज ४२२ क. ४८८) स. प. ४६ गदारूपा

(ज. ४२३ क. ५०२) स प. ६० ७

धमापदशकथानकं रत्नभूषण्विरचितं

(ज. ४२४ क. ४४१) सं. प. १४० ले. १८६७

नागकुमारपंचमीकथा मिल्लषेगसूरिविरचिता

(ज. ४२४ क. ४८६) सं. प. ३६

नागश्रीकथ , ब्रह्मनेमिटत्तकृता

. (ज. ४२६ क्र ४६०) सं प. २-१६ श्लो. ३७४ ले. १६४१

(ज ४२७ क ४६१) स. प. २८

पंचाख्यानं.

(ज. ४२८ क १०८) स. प. १६८

ब्रह्मचक्रवर्तिकथा

(ज. ४२६ क. ४९२) स. प. ३० ले. १६१७ ^१ भविष्यदत्तपंचमीकथा धनपालविरचिता.

(ज. ४३० क. ४९३) प्रा. प. १४८

मदनपराजयकथा जिनदेवरचिना

(ज. ४३१ क. ४६४) मं. प. ४६

(ज ४३० क. ४६४) म. प. ४३ लं. १८३६

मौनव्रतकथा गुणचन्द्रकृता.

(ज. ४३३ क. ४६१) स. प ४

रजाविधानकथा सकलकीर्तिनिर्मिता.

(ज ४३४ क ४४८) म प ६ ले. १८७६ श. १७४४ रोटतीजन्नतकथा गुरणनन्दिमथिता.

(ज. ४३५ क ४६६) मं. प ३

रोहिएात्रितकथा भानुकीर्तिविहिता.

(ज. ४३६ क. ४६७) स. प. ४

रैदन्नतकथा गिएदेवेन्द्रकीर्तिप्रणीता.

(ज. ४३७ क. ४६०) मं. प. ४ तो. १८६१ व्यक्तकथाकोष

ग्तकथाकाष . (ज. ४३८ क्र. ६१२) सं. प. १६८ ले. १७४७

षोडशकारणकथा विशालकीर्तिरचिता.

ं ज. ४३६ कृ. ४६८) प्रा. प. २८ ले. १४१६

सप्तव्यसनकथा सोमकीर्तिविरचिता.

(ज. ४४० क. ४६४) सं. प. ६४ ले. १७६४ नि. स. १४२६

(ज. ४४१ क. ४७०) स. प. ४०

सिद्धचककथा पद्मनिन्दशिष्यशभचन्द्रविर्गचना.

(ज. ४४२ क. ४६८) सं. प ७ ले. १८३३ सिद्धचक्रकथा नरदेवकृता.

(ज ४४३ क. १६६) प्रा. प ४२ ले. १४६४ सगन्धदशमीकथा

्ज. ४४४ क १६७) स. प. ४

* *

५---नाटक-च्याकरण-कोष-छन्दोऽलंकार-गणित-ग्रन्थाः।

ज्ञानसूर्योदयनाटकं वादिचन्द्रकृतं

(ज. ४४४ क. १०६) स प ३७ ले. १८६७ नि. म १६४८

(ज. ४४६ क ३१७) स प २६ + " प्राकृतलक्षण चडप्रणीतं,

ं (ज,४४७ क ३१८) प्राप ३

लिगानुशासनं,

(ज. ४४८ क. ३१६) स प. १२ सटीक । निघंदसमय धनजयविरचित

(ज. ४४६ क. ३२०) सं.प.१७ नाममालापराव्ह ले. १७८१ निघंदुसमयटीका श्रमरकीर्तिकृता.

(ज. ४४० क. ११०) स. प. ७२ छन्दः कोषः

(ज. ४४१ क. ३२) प्रा. प. ६ श्लो. १७४

वाग्भटालकार वाग्भटप्रणीत

(ज. ४४२ क. ३२१) सं. प. ७

सारसंप्रहः महावीरकृतः

(ज. ४४३ क. २२४) सं. प. ४०

*

६--न्याय-ग्रन्थाः।

300

अष्ट्रसहस्री स्वामिविद्यानद्विरचिता.

(ज, ४४४ क, ३३८) स. प. २१२ श्लो, ८०००

(ज. ४४४ क. ३२२) सं. प. ४१३ " ले. १७०१

. (ज. ४४६ क्र. ३२३) सं. प. २०८ " ले. १७७१

श्रष्टसहस्री-गृदपद्विवृतिः लघुसमन्तभद्रकृता.

(ज, ४४७ क्र. ३२४) मं. प. ४६ ले. १४७४ देवागमस्तुतिः बृद्धसमन्तभद्रप्रणीता.

> (ज. ४४८ क. ३३६) मं. प. २२ कारिका ११४ ऋाप्तमीमां-सिनमित्यपरनामा.

> (ज. ४४६ क. ३४०) सं. प. २३ कारिक। ११४ श्राप्तमीमां-सितमित्यपरनामा.

देवागमर्शनः वसुनन्दिसिद्धान्तचक्रवर्तिविहिता.

(ज. ४६० क. ३४१) सं. प. ३७ ले. १६१६

(ज. ४६१ क. ३४२) सं. प. ३८ ले. १८८३

न्यायदीपिका धर्मभूषणयतिविरचिता.

(ज. ४६२ क. ३२४) सं. प. ३६ ले. १८६०

(ज. ४६३ क. ३४३) सं. प. ३६ ले. १८६६

पत्र-परीचा आचार्यविद्यानन्दिप्रणीता.

(ज. ४६४ क. ४४६) मं. प. ४४ ले. १६७१ प्रमाणनिर्णयः वादिराजसुरिकृतः

(ज. ४६४ क. ३४४) स. प. ३१ ले. १४६६

प्रमेयरत्नमालो लघ्वनन्तवीर्यविरचिता.

(ज. ४६६ क ३४४) स. प. ११७ ले १६१८ परीक्रामुखम्य-लघटीका.

. (ज. ४६७ क. ३४६) स प. ७१

(ज. ४६८ क. ३२६) स. प ४१ + " ऋपूर्णा

विश्वतत्वप्रकाशः भावसेनशैविद्यदेवप्रसीतः

ज, ४६६ क. ३४७) स. प. ४८ अपूर्ण

सप्तभगी.

(ज. ४७० क ३२७) स. प. ३

ऋषिमंडलयंत्र-म्तोत्र

(ज. ४७१ क ४०३) म. प. ४

(ज ४७२ क ६१४) स. प ६

चिन्तामशिपार्श्वनाथस्तोञ

(ज, ४७३ क, ४०४) मं. प. २

एमोकारकल्पं सिहनंदिप्रणीत.

(ज. ४७४ क. ४७१) स प. ४७ श्लो. १००० ले. १९७८ ति. स. १६६७

पद्मावती-स्तोशं.

(ज. ४७४ क. ४०४) स. प. ४

पारर्वाष्ट्रकस्तोत्रं इन्द्रनन्दिरचितं.

(ज. ४७६ क. ४३) स. प. १

भैरवपद्मावतीकल्पं मिक्किषेणाचार्यविरचितं.

(ज. ४७७ क. ४०६) सं. प. १७

(ज. ४७८ क. ४०७) स. प. ४८ गुर्जर-श्रर्थसहितं श्रपूर्धं.

(ज. ४७६ क. ४०८) स. प. ४२ स्वोपज्ञटीकासिहतं.

ले. १६३३

(ज. ४८० क. ८०) स. प. ४७

" ले. १६७८

महाविद्याप्रन्थ

(ज. ४८१ क. ४७४) स. प. ११६

भ्रुतस्कन्धसारस्वतयंत्र-स्तुतिः श्रुतसागरस्रिकृता.

(ज. ४८२ क ४०६) सं. प. २

सुन्दरीयंत्रं

(ज, ४८३ क, ४१०) स. प. ६

+ -

अकलकाष्ट्रकरतीत्रं भट्टाकलककृत

(ज. ४८४ क. ६०६) स. प. १ ले १७११

(ज, ४८४ क, ४३६) स. प. ३

एकीभावस्तात्रं व।दिराजसूरिप्रशीत

(ज. ४८६ क्र. ४११) सं. प. ३

एकी भावस्तोत्रटीका नागचन्द्रविरचिता.

(ज. ४८७ क्र. ४३७) संप. ६ ले. १६७६

करुणाष्ट्रकस्तोत्रं पद्मनदिविहत

(ज. ४८८ क. ४४) स. प. १

च नुर्विशतिजिनभवान्तरस्तुति गुणभद्रभदन्तरचिता.

, (ज. ४८६ क. ४४) स. प. ३ ले. १६७८ नि. स. ८२० श. चतुर्विशतिजिनस्तुति कनककोर्तिकृता

(ज. ४६० क. ४३८) सं. प. ११

जिनसहस्रनाम जिनसेनरचितं

(ज. ४६२ क. ४६२) सं. प. ६

जिनसहस्रनाम (लघु)

(ज. ४६३ क. ४६०) सं. प. ४

परमस्थानस्तोत्रं

(ज. ४६४ क्र. ४६१) सं. प. २

पंचनमस्कारस्तोत्रं उमास्वामिविरचितं

(ज, ४६४ क, ४३६) स. प. २

पंचनमस्कारस्तोत्रं विद्यानन्दिसूरिविरचित

(ज. ४६६ क. ४६) स. प. ४ ले. १६७८

पचनमस्कारस्तोत्रटीका प्रभाचन्द्राचार्यकृता

(ज. ४६७ क. ६१४) सं. प. २-१३

भक्तामरस्तोञं मामतुगाचार्यप्रथित

(ज. ४६८ क. ४३६) सं. प. ६ ले. १६६२

(ज. ४६६ क. ४४०) सं. प. ६ ले. १९७६

भक्तामरस्तोत्रवृत्तिः रायमस्त्रबद्धचारिकृता.

(ज. ४०० क. ४४२) मं. प. ४८ रलो. १००० ले. १७७७ नि. स. १६६७

(ज. ४०१ क ४४१) स. प. ४२ श्लो. १००० ले. १७८१ नि. स. १६६७

मक्तामरस्तोत्रवृत्तिः रत्नचन्द्रकृता

(ज ४०२ क ४४२) सं. प. ४१ श्लो १००० नि स. १६६७ भक्तामरस्तोत्रटीका

(ज. ४०३ क. ४४३) सं. प. २६ भूपालस्तोत्र भूपालकविप्रणीत (ज. ४०४ क. ४३७) सं. प. ४

भैरवाष्ट्रकं

(ज. ४०४ क. ४७६) सं. प. १

यतिभावनाष्ट्रकं आचार्यपद्मनन्दिवरचित

(ज. ४०६ क ४४४) सं. प. ४ लें. १४२६

लक्मीस्तोञं पद्मप्रभदेवविरचितं

(ज. ४०७ क 🛨) स. प. ३

(ज ४०८ क. ४८) संप १

विषापहारस्तोत्रं धनंजयकविविहित

(ज. ४०६ क ४३८) स. प. ६

(ज. ४१० क. ४७६) सं. प. ४

्(ज. ४११ क. ४७२) संप ६

बन्दे तान्नुतिमाला माघनन्दिविरचिता

(ज. ४१२ क ४७) सं. प. १

शान्तिनाथाष्ट्रकस्तोत्रं

(ज. ४१३ क. ४३६) सं. ५. ४ सटीकं।

शारदास्तुतिः ज्ञानभूपण्कृता

(ज, ४१४ क, ६१०) स. प. १

सिद्धिप्रियस्तोत्रं ऋाचार्यदेवनन्दिप्रणीतं

(ज. ४१४ क. ४१२) सं. प. ३

(ज. ४१६ क ४१३) संप. ४

स्वयंभूस्तोत्रं समन्त्रभद्रस्वामिविरचितं

(ज. ४१७ क. ४४३) सं. प. ४० प्रभाचन्द्राचार्यविरचित-

व्याख्यायुतं ले. १८०६

(ज. ४१८ क. ४४४) सं प. ४७ प्रभाचन्द्राचार्यविरचितःं व्याख्यायुतं ले. १६६८

७-- अभिषेक-न्यासग्रन्थाः।

बृहत्स्नानविधिः.

(ज. ४१६ क्र. ४६२) मं. प. २३ ले. १८६२ महाभिषेकविधि पडिताशाधरकृतः.

(ज. ४२० क ४६३) स प ४–२३

महाभिषेकवृत्ति श्रृतसागरसूरिकृता

(ज ४२१ क ४६४) स प २ ऋपूर्णा.

जिनयज्ञकल्प सूरिकल्प-त्र्याशाधरविरचित

(ज. ४२२ क. ४६४) स. प १२८ १ली १८८८ नि स १२८४ ले. १८८६

(ज. ४२३ क. ४६६) स. प. १८० श्लो. १८८८ नि स. १२८४ ले. १४१७

(ज ४२४ क्र ४६७) स प ८३ श्लो १८८६ नि. सं. १२८४

प्रतिष्ठासारसंग्रहः वस्ननिन्दसैद्धान्तिरचित

(ज ४२४ क. ४६) सं. प. २६ श्लो. ४७६

(ज ४२६ क. ७६) सं. प. २५ "

(ज. ४२७ क. ४४४) सं. प. २४

, (ज. ४२८ क. ४६८) संप ३२ " ले. १८६४ जलहोमविधि.

(ज. ४२९ क. ४६६) स. प. ६

(ज. ४३० क. ३३) संप ११

तीर्थोदकादानविधानं.

(ज. ४३१ क्र ४४६) सं. प. १७ ले. १८१४ बृहत्पुरयाहवाचनं.

(ज. ४३२ क. ४७०) सं. प. ४ ले. १८६६

यागमंडलविधान उपाध्याय-व्योमरसप्रणीतं.

(ज. ४३३ क. ४१४) सं. प. १३६ तो. १८६४ शान्तिहोमविधिः.

(ज. ४३४ क. ६११) सं. प. ८ ले. १४३३, श. १३६७

८-पूजा-ग्रन्थाः।



ऋषिमडलयत्रपूजा-पजिका.

(ज. ४३४ क. ४४०) सं. प. २ श्लो. ८६ कलिकुंडस्तवनपूजा-स्तोत्रं.

(ज. ४३६ क ४१४) संप. ७

गराधरवलयपुजा सकलकीत्यीचार्यप्राणीता

(ज. ४३७ क ४४१) मंप ४

चितामिए।पार्श्वनाथपुजा,

(ज ४३८ क ४४७) संप. ४३

पद्मावतीपूजास्तोत्र

(ज. ४३६ क्र ४४८) संप ६

शान्तिकविधिः.

. ('্র. ৮४০ क्र. ৪৬१) स. प १४ अपर्णः

शान्तिनाथयंत्रपूजा पद्मनन्दिकृता

(ज. ४४१ क. ४७२) म प. ४ श्लो. १२०

(ज. ५४२ क, ५१६) संप. ६ " ले. १६३०

(ज. ४४३ क. ४१७) सं. प. ४ " ऋपूर्णी.

सप्तर्षिपूजा. सोमसेनप्रणीता.

(ज. ४४४ क. ४४२) सं. प. १०

मारम्बनयंत्रपृजा शुभचन्द्रविरचिता.

(ज ५४५ क ४४३) संप. १५ सिद्धचक्रपृजा.

(ज. ४४६ क ४७३) संप. १३

(ज. ५४% क. ६०) संप. १७

सिद्धचकाष्ट्रकपूजार्टीका श्र तसागरसृरिविहिता

(ज. ४४८ क ४४४) संप. ६-१४

श्रनन्तव्रतपजा श्रीभूषण्विर्यचना

(ज. ४४६ क ४४४) संप १० कवलचन्द्रायगादित्रनोद्यापनं देवेन्द्रकीर्तिकृतं.

(ज ४४० क्र ४८६) सं. प ४ नि स. नेत्र-सिडि-मुनि-चन्द्र. चतुर्विंशनितीर्धकरपुजा.

्री ज ४४१ का, ४७४) स. प. ४३ चतुर्विंशतितीर्थप्जाष्टकं.

(ज ४५० क ४१६) स प १८ ले. १६७०

चारित्रशुद्धिविधानं शुभचन्द्रप्रग्गीतं.

्र ज. ४४३ क. १८६ मं. प. ७४ श्लो १४१६ लं १८६ द (ज. ४४४ क. ४८६) स. प. २७ ७ +

नि स ऋब्देऽध्ववारद्वयके ?

जम्बूद्वीपाकृत्रिमजिनालयपूजा जिनदासब्रह्मकृता

(ज. ४४४ क्र. ४७७) सं. प. २७

त्रिलोकसारपूजा सुधासागरप्रणीता.

(ज. ४४६ क. ४७८) मं. प ७८ ले. १८६१

दशल चर्णोद्यापन सुमतिसागरविरचितं.

(ज. ४४७ क, ४४६) सं. प. १०

देवपूजाविधानं.

(ज. ४४८ क्र. ४४६) सं. प. २१ देवसिद्धपूजाविधानं.

(ज. ४४६ क. ४४७) सं. प. १०-२१ द्वादशत्रतीयापनं.

(ज. ४६० क्र. १६८) सं. प. ३ नवग्रहंविधानं भद्रबाहुप्रणीतं.

(ज. ४६१ क. ४४८) सं. प. ४

(ज. ५६२ क. १६४) सं. प १० ले १६४४ पुष्पांजलिविधानं.

(ज. ४६३ क्र १६६) मं. प. प मुक्तावलीव्रतोद्यापनं.

(ज. ४६४ क. १७०) सं. प ३

(ज, ४६४ क, १७१) सं. प. ४

रत्नत्रयपूजा

(ज. ४६६ क. १७२) मं. प ७ रत्नत्रयविधान सकलकीर्तिकृतं.

ज. ४६७ क. १७३) सं. प. १४

शुक्रपञ्चमीत्रतोद्यापनं वादिचन्द्रप्रणीतं

(ज. ५६८ क. १७४) सं. प. १० ऋते. ११७

(ज. ४६६ क, १७४) सं. प. ८ स्रो. ११७

शुक्तपंचमीव्रतोद्यापनं सारावागजीककृतं.

(ज. ४७० क्र.) भं. प. ७ ले. १७३२ षोडशकाररापूजा.

(ज. ४७१ क. ४७६) सं. प. २ सप्तर्षिपूजा श्रीभूषण्निर्मिता

(ज. ४७२ क, ४४७) सं. प. १०

मम्मेदाचलपूजा गंगादासविहिता.

(ज. ४७३ क्र. १७६) सं. प. २०

सिद्धपूजा पद्मनंदिकता.

'((ज. ४७४ क. ४८०) स. प ३

६-प्रकीर्णक-ग्रन्थाः।

とて 日本 は アー・

श्ररहंतपाशाकेवली.

(ज. ४७४ क ४८१) स. प ६ ते १६३८ जैनपाशाकेवली.

ै (ज. ४७६ क. १६८) स प ४

ू (ज. ४७७ क. १६६) स. प ६ लं. १६१७

(ज, ४७८ क. ४६६) स. प. ४ - अपूर्ण.

दश-दृष्टान्त .

ि (ज. ४७६ क २००) स. प. १५

दीचापटलं.

(ज. ४८० क ४१८) स. प. २ ले १८६६ धार्मिकचर्चा.

ॅं (ज. ४८१ क्र. ४६७) स. प. ८

प्रस्ताविक-श्लोकाः

(ज. ४५२ क. ४४६) स प ४४

प्रस्ताविकचर्चा.

(ज. ४८३ क. ४४६) स प ६३ पंचप्रकारमुनिः.

(ज. ४८४ क. ४७३) स. प २

राजीमतीविरह-भक्तामर.

(ज. ४८४ क. ४८२) सं. प. ४

(ज. ४८६ क्र. २०१) सं. प ६ ले. १५७०

(ज ४८७ क ४१६) सं. प ७

शास्त्रभेदः

(ज ४८८ क ४२०) स. प १ षोडशस्वप्रावली.

(ज ४८६ क ४००) स प ३ ले १८८६ सभातरागणी,

(ज. ५६० क. ५२१) स. प ४२ छन्द ४६४ सुभाषित श्लोकाः

(ज. ४६१ क. ४२२) स प. १०

* *

१०-गुच्छक-ग्रन्थाः।

१—गुच्छकः (क. <u>४०४</u>) ले १६३४

४६२-- त्राम्बवत्रभंगी, नेमिचन्द्र सैंडांतिकृता.

¥६३—स्तवत्रिभंगी

77

२—गुच्छकः (क ४८४)

¥६४—ञ्रास्रवत्रिभगी "

४६५—स्तवत्रिभगी "

४६६ सत्तापटश्ररूपग्ग "

३—गुच्छक (क्र. ४८६)

४६७—त्र्यास्त्रवत्रिभर्गा "

¥६८ स्तवत्रिभंगी, '

६०० स्तवत्रिभंगी.

४-गुच्छक (क. ६१६)

६०१-श्रागधनासारः प्रा. देवसेनसूरिकृतः

६०२-सम्बोधपञ्जाशिका.

६--गुच्छकः (क. ४८३) ले. १६६६

६०३-सारसमुश्चय कुलभद्रप्रथितः

६०४-तत्वानुशासन रामसेनपुज्यकृत

६०४—त्रिपञ्चाशत्क्रिया.

६०६—धर्मवर्णनगाथा.

६०७—सज्जनचित्तवह्मभः मह्मिपेणाचार्यकृतः

×

६०८-पट्त्रिशद्भावना विमलसेनयतिकृता.

६०६—नीतिसारसमृचयः इन्द्रनन्दिविरचितः

६१० निद्संघपट्टावली. +

६११--दर्शनसारः देवसेनसूरिकृतः अपूर्ण.

७—गुच्छकः (क. ६६)

६१२—तत्वार्थसूत्र उमास्वामिरचितं.

६१३—भक्तामरस्तोञं मानतुगाचार्यनिर्मित.

. म—गुच्छकः (क्र. ४६४)

६१४--भक्तामरस्तोत्रं

६१४—तत्वार्थसूत्रं

६-गुच्छकः (क. ४६३)

६१६--भक्तामरस्तोत्र

६१७-तत्वार्थसूत्रं

१०—गुच्छकः (क्र. ८१)

६१८—तत्वार्धसत्रं

६१६--जिनसहस्रनामलघु

६२०-भक्तामरस्तोत्रं

् ११--गुच्छकः (क. ८२)

६२१---भक्तामरस्तोत्रं

६२२--तत्वार्थसूत्रं

६२३--जिनसहस्रनामलघु

१२-गुच्छकः (क. ८३)

६२४—जिनसहस्रनामलघु,

६२४---तत्वार्थसूत्रं

६२६--भक्तामरस्तोत्रं

, १३—गुच्छकः (क. म४)

६२७--जिनसहस्रनामलघु.

६२८—तत्वार्धसूत्रां.

६२६-भक्तामरस्तोत्रं.

१४--गुच्छकः (क्र. ४८७)

६३०--श्रावकप्रायश्चित्तं त्रकलंककृत.

६३१—शुद्धिविधिः

•

६३२-- श्रावकप्रायश्चित्त वीरसेनमुनिविरचितं.

- १४—गुच्छकः (क्र. ४६८)

६३३-- श्रावकप्रायश्चित्तं अकलंकनिर्मित.

६३४--शुद्धिविधिः

+

६३४-- श्रावकप्रायश्चित्तं वीरसेनमुनिविहितं.

१६--गुच्छकः (क. ८४)

६३६--शन्तिभक्तिः सं.

६३७---निर्वागभक्तिः प्रा.

१७-गुच्छकः (क. ६०६)

६३८---निर्वाणभक्तिः

६३६--नन्दीश्वरभक्ति

१८--गुच्छकः (क. ५६६)

६४०--लन्मीस्तोत्रं पद्मप्रभवेवनिर्मितं ६४१--शान्तिनाथ-स्त्रोत्रं गुणभद्रप्रथित

१६—गुच्छक. (क्र. ६००)

६४२---दर्शनपाठ

६४३—लघुमामायिकपाठः

२०—गुच्छकः (क्र ६०७)

६४४—कल्याणमन्दिरम्तोत्रं कुमुदचन्द्राचार्यप्रणीत. ६४४—एकीभावस्तोत्रं वादिराजसृरिविरचित ६४६—विषापहारस्तोत्र महाकविधनंजयरचित.

२१--गुच्छक (क्र. ६१८)

६४७—लच्मीस्तोत्रं पद्मप्रभदेवकृत

६४८--परमानन्दस्तोत्रं

६४६-शान्तिनाथम्नोत्र गुगाभद्राचार्य विरचित.

६५०-वर्धमानम्नोत्रं.

२२--गुच्छकः (क्र. ६०८)

६४१—सिद्धिप्रियम्तोत्र देवनन्दिप्रणीत.

६४२-भूपालस्तात्र-टीका पडिताशाधरविहिता.

६५३ - लच्मीम्तोत्र पद्मप्रभदेवविहितं.

२३-गुच्छकः (क. ४९२)

६४४—भक्तामरम्त्रोत्रं (सावचूरि) मानतुगिवरचितं ६४४—कल्याणमन्दिरस्तोत्रं कुमुदचन्द्राचार्यकृत ६४६—एकीभावस्तोत्रं वादिराजसूरिप्रणीत ६४७—विषापहारस्तोत्रं धनंजयकविकृत. ६४५—भूपालस्तोत्रं भूपालकविप्रथितं. २४-गुच्छकः (क्र. ६०४)

६४६—भक्तामरस्तोत्रं.

६६०--एकीभावस्तोत्रं.

६६१-कल्याणमन्दिरस्तोत्र.

६६२—विपापहारस्तोत्र.

६६३--भूपालस्तोत्रं.

६६४--- सज्जनचित्तवल्लभः मिल्लवणकृतः

२४—गुच्छकः (क ६०१)

६६५—जिनयज्ञविधानं.

६६६—ऋईद्भक्तिः पंडिताशाधरकृता.

६६७—सिद्धभक्तिः

६६८—स्वस्त्ययनविधानं

६६६--महर्षिपर्युपासनविधान.

६७०-चृहत्स्नपनविधान

२६--गुच्छकः (क्र. ८६)

६७१—कल्याग्गमन्दिरपूजा.

६७२ -- भक्तामर पूजा.

६७३--विपापहारपूजा.

६७४-चौरासीजातजयमाला (हिडी)

२७-गुच्छकः (क्र. ६०२)

६७५-- ऋह्द्रचनाविधानं.

६७६-श्रुताष्ट्रकं.

६७७--पादुकाष्टकं.

६७८—सिद्धभक्तिः सिद्धपूजा च.

६७६-कितकुं डपूजा-स्तवनं.

६८०-ऋषिमंडलस्तवनपूजा.

```
२८--गुच्छकः (क. ४८८)
         ६८१-दशलचगापूजा.
         ६८२--रत्नत्रयपूजा.
         ६८३--नन्दीश्वरद्वीपपूजा.
         ६८४-सरस्वतीपूजा
२९—गुच्छकः ( क्र. ६१७ )
         ६८४--पंचपरमेष्ठीपूजा.
         ६८६--योगीन्द्रपूजा.
         ६८७-शास्त्रजयमाला
         ६८८--लघुसामायिक
३०—गुच्छक. (क्र. ४८६)
         ६८६-जिनसहस्रनाम जिनसेनाचार्यकृतं
         ६६०--देवसिद्धपूजाविधानं.
         ६६१--तत्वार्थसूत्रं उमास्वामिनिर्मितं.
         ६६२-सोलह्कारणपूजा, द्यानतरायकृता (हिंदी)
         ६६३--दशल च्राण्जा
          ६६४--रत्नत्रयपूजा.
          ६६५--पंचमेरपूजा
          ६६६-- आष्टान्हिकपुजा.
          ६६७-शास्त्रपूजा.
                                     99
 ३१--गुच्छक' (क. ४६०)
          ६६८—जिनसहस्रनाम. जिनमेनाचार्यविरचितं.
          ६६६--देवसिद्धपूजाविधानं.
          ७०० - तत्वार्थसूत्रं उमास्वामिप्रणीतं.
          ७०१-सोलहकारणपूजा द्यानतरायविहिता. (हिंदी)
          ७०२--दशलच्चगपूजा
          ७०३---रत्नत्रयपूजा.
```

(80)	
७०४—पंचमेरुपूजा.	"	"
७०५—ऋाष्टान्हिक-पूजा	77))
७०६—शास्त्रपूजा.	77	99
🕂 ३२—गुच्छकः (क. ४६१)		
७०७जिनसहस्रनाम जिनसेनाचार्यकृतं.		
७०⊏—देवसिद्ध-पूजाविधानं.		
७०६—तत्वार्थसूत्रं उमास्वामि		
७१०—सोलहकाररापूजा. द्या		त. (हिदी)
७११—दशलचग्ग-पूजा.	77	79
७१२	"	77
७१३—पंचमेरुपूजा.	27	79
७१४—ऋाष्टान्हिकपूजा.	"	"
७१४—जिनवार्णीपूजा.	23	77
३३—गुच्छक (क, ६०३)		
७१६—दर्शनस्तुतिः		
७१७—दर्शनस्तुतिः		
७१ ८ — त घ ुस्न पनं.		
७१६—देवपूजाजयमाला.		
७२०—वंदेतानजयमाला.		
७२१—सिद्धपूजाजयमाला.		
७२२—गुर्वावलीपूजाजयमा ल	π.	
७२३—पार्श्वनाथपूजाजयमाल	ना.	
<i>७</i> २४ — सुरापगादि पूजा		
७२ ४ —गंगादिपूजा.		
७२६—षोडशकारगण्यूजा–जय	ामाला.	
७२७—दशलत्तरणपूजाजयमार	ता.	

७२८-कलिकुं डपूजाजयमाला.

७२९—चेत्रपालपूजाजयमाला.

७३०—चितामिएपूजाजयमाला

७३१---चितामणिस्तात्र.

७३२-- रत्नत्रयपूजा-जयमाला.

७३३—नदीश्वरपूजाजयमाला

७३४—सरस्वतीपूजाजयमाला

७३४---पद्मावतीपूजा.

७३६—विहरमाणपूजाजयमाला

७३७—लब्धिविधानपूजाजयमाला.

७३८—कृत्रिमाकृत्रिमजिनालयस्तुति

७३६—शान्तिपार्टा.

७४० - लघुसामायिकं.

७४१—तत्वार्धसूत्र

७४२—जिनमहस्रनाम पडिताशाधग्कृत

७४३—विषापहारस्तोत्रं

७४४--भक्तामरस्तोत्र

७४४--कल्याणमन्दिरस्तोत्र

७४६—एकीभावस्तोत्रं.

७४७-- लच्चीस्तोत्रं.

७४८—निर्वाणकांडं.

७४६---पद्मावतीस्तोत्रं

३४--गुच्छकः (क्र. ४२४)

७५०—चाणिक्य-नीतिः

७४१—दर्शनस्तुतिः

७४२--शान्तिपाठः

७५३—जयजयेत्यादिदेवपूजापाठः

७४४—महर्षिपर्युपासनं.

७४४—गुर्वावली.

७४६--सिद्धपूजा-जयमाला.

७४७--पोडशकारणपूजाजयमाला.

७४८—दशलचरणपूजाजयमाला.

७५६—सुरापगादिपूजा.

७६०—कलिकुंडपूजास्तात्र.

७६१—कलिकुंडम्तवन.

७६२—चितामणिपार्श्वनाथपृजास्ते।त्र.

७६३—रत्नज्ञयपूजाजयमाला.

७६४—भक्तामरस्तोत्रं.

७६४—सिद्धिश्रियस्तात्र.

७६६---एकीभावस्तोत्र.

७६७--कल्यागामंदिरस्तोत्र.

७६८—विपापहारस्तांत्र.

७६६—ऋपिमंडलस्तात्र.

७७०--पद्मावतीस्तोत्रं.

७७१—ऋादित्यवारकथा (हिर्दा) भानुकीर्तिकृत.

७७२—दर्शनाष्ट्रक<u>ं</u>

७७३--- जिनसहस्रनाम आशाधरविरचित.

७७४--जिनयज्ञविधानं.

1

७७४—सिद्धपूजाविधान

77

७७६---पचपरमेष्ठीपूजा (त्र्रादि)

७७७---जिनगुग्गसम्पत्तिपृजा.

৩৩=—विनती. (हिदी) सुमतिकीर्तिकृत.

७७६--दर्शनपूजा.

७८०---ज्ञानपूजा.

७८१—चारित्रपूजा.

७८२--पंचमंगल. (हिदी)

७८३—तत्वार्थसूत्रं.

७⊏४—चौवीसतीर्थंकरस्तवन,

तालपत्रोपरि. मन्था

(可, UTX 死, 以及) 少,足20/

(ज. ७८६ क. ४२७) ६ २०१

(ज. ७८७ क. ४२८) ८,७७२

(ज. ७८५ あ. 大き) ミブラ

समाप्तेयं संस्कृतप्राकृतग्रन्थानां नामाबली।

भाषान्तर-ग्रन्थ।

(विभाग-ख)

१-सिद्धान्त ग्रन्थ।

श्रास्रवभेद.

(ज. ७८६ क. २४४) हिदी, प. २१ ऋो. २४० ले. १८८० कर्मप्रकृति नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

> ्(ज. ७६० क्र. ४९) मू. प्रा. प. ४६ श्लो. १६२० पांडे हेम-राजजी कृत हिदीसहित.

(ज. ७६१ क. २२२) मृ. प्रा. प. ६१ श्लो. १६२०, पांडे हेमराजजी कृत हिदीसहित. ले. १८१७.

(ज. ७६२ क. २२३) मू. प्रा. प. १२ ऋपूर्ण पाडे हेमराजजी कत हिंदीसहित

कर्मप्रकृतिविधान. पं. बनारसीवासजी कृत.

(ज. ७६३ क. २४०) हिंदी छुँद, प. ६ ऋपूर्ण.

चपणासार नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. ७९४ क. ८१) मू-प्रा. प. १३४ ले. १६४० टोडरमलजी कृत हिंदी.

गोम्मटसार-जीवकांड नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिप्रणीत.

(ज. ७६४ क. १४८) मू.प्रा.प. १३२, पं. खूबचदजीकृत हिंदी.

(ज. ७६६ क. १४३) मू. प्रा. प. २२२-४४७. ले. १६२४. पं. टोडरमलजी कृत हिंदी.

(ज. ७६७ क. १६६) मृ. प्रा. प. ४३ सिर्फ लेश्यामार्गणा पं. टोडरमलजी कृत हिंदी,

```
तत्वार्थसूत्र. पांडे जयवतकृत हिदी.
```

· (ज. ७६८ क. १३३) मू. उमास्वामी. प. १२२ ले. १६०४ (ज. ७६६ क. १४३) " प. १७३ +

तत्वार्थसूत्रा पं. सदासुखजी कृत हिंदी.

(ज. ५०० क. १४४) मृ. उमास्वामी प. १११ नि १६१०

(ज. ८०१ क २०६) "प.६१ " ले. १६३४

~ (जा. म०२ का ३४) "प¥४ "

तत्वार्थसूत्र हिंदी. नाम नही.

(ज. ५०३ क्र. १६)मू. उमाम्वामीप २१ ले. १६४६ तत्वार्थसर्वार्थसिद्धि पं. जयचन्द्रजी छावड़ा कृत हिंदी.

(ज. ५०४ क. ५२) मृ. पृज्यपातस्वामी. प. २९५ नि. १८६३

(ज. ८०४ क ८३) " प. २७३ "

ले. १६४०.

୮ (ज. ५०६ क्र. ५४) "प. २७७ "

त्रिलोकसार पं. टोडरमलजीकृत हिदी,

(ज. ५०७ क. १०१) मृ. नेमिचन्द्र सि० प ३७१ ले. १६४४

'(ज. म०म क. १०२) "प. ३६२ +

(ज. म०६ क. मध्र) "प ३६२ +

इन तीनो ही प्रतियो मे प्रशस्ति नहीं है तीसरी में सिर्फ ४ छंद है शेष नहीं।

द्रव्यसंग्रह पं. जयचन्द्रजीकृत हिदी

(ज ६१० क्र. ३६) मू. नेमिचन्द्रसि० प. ४२ नि. स. १८६३ इसमे हिदी छन्द भी है।

(ज. ८११ क. ३७) मू. नेमिचन्द्रसिव् प. ४७ नि. स. १८६३ द्रव्यसंग्रह प्रा. पं. बंशीधरजीकृत हिंदी.

(ज. ८१२ क्र. ३८) मृ. नेमिचन्द्रसि० प. ३१

.(ज. ⊏१३ क. ३६) " प. ४०

द्रव्यसंग्रह प्रा.

(ज ६१४ क. २४१) मू. नेमिचन्द्रसि० प. ४३

,(ज. ८१४ क. २४२) " प. १६ ले. १८८३

द्रव्यमंत्रह छुंदोबद्ध, पं. चानतरायजी कृत.

(ज, म१६ क्र २६२) प. २म ले. १६४०

नयचक्र (त्र्यालापपद्धति) शाह हेमराजजी कृत हिदी

(ज. ⊏१७ क. ४०) मृदेवसेनसृरि, प. १६ नि. स. १७२६ (ज. ⊏१⊏ क ४१) "प २१ " ले १६४¥

यह त्र्यालापपद्धति का अनुवाद है अनुवादक ने इसे नयचक्र के नाम से लिखा है।

बन्घोदयसत्वविचार.

(ज. ८१६ क. ४२) गुर्जर, प. ५२

भावदीपकहिदी

(ज. ५२० क १२१) प. १७७ श्लो. ४७४० ले. १६६६.

लव्धिमारनेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत

(ज. ५२१ क. १४६) प्रा. प. १४१ ले १६६१ पं. टोडरमल-जी कृत हिटीसहित

सिद्धान्तसारसंग्रह पं. देवीदासजीकृतहिदी.

सिद्धान्तसारदीपक नथमलजी व पाडे लालचन्द्जी कृत हिंदी.

(ज. দ२३ क १७०) मृ. सकलकीर्ति प. २१७ श्लो. ६८७२ त्रिलोकसार-चौपार्ड सुमतिकीर्तिकृत

(ज. प्रश्न क. २५३)प. २-१४ ले. १६६६नि.स.१६२७गुर्जर. त्रिलोकसाररास समतिकीर्तिकृत

(ज. ६२४ क. २४४) प. २१४ गुर्जर.

२-- अध्यात्मोदेश ग्रन्थ ।

श्रन्यमतसार जिनदामजी कृत हिंदी.

(ज, मरह क, २४४) प. ४१ ले. १६०६.

श्चनुभवप्रकाश दीपचन्दजी कृत.

(ज. ६२७ क्र. २४६) हि. प. ४३ ले. १६४७

श्रष्टपाहुड पं, जयचन्द्रजी कृत हिदी

(ज. ≒२≒ क. १६१) प. १६२ श्लो, ६४४० ले. १६४४ नि. स १≒६७.

(ज. ६२६ क. १६०) प. १४४ श्रो. ६४४० ले. १६२१

नि. स. १८६७. वन ४

(ज. ५३० क. १६४) प. १६२ लो. ६४४० ले. १६४४ नि. स. १८६७.

(ज. ८३१ क. ७) प. १४१ श्रो ६४४० ले. १८८७ नि. स १८६७.

(ज. ८३२ क. २०७) प. २०६ स्त्रो ६४४० ले. १६३६ नि. स. १८६७.

् (ज. ८२३ क्र. १८१) प. २४६ श्लो. ६४४० + नि. स. १८६७. मूलकर्ता-कुन्दकुन्ददेव.

श्रात्मानुशासन पं. टोडरमलजी कृत हिदी

(ज. ८३४ क. १६७) प. १३६ श्लो. ३४०० ले. १८८६ मूल. गुराभद्राचार्य.

(ज. ८३४ क. ११४) प. १०२ " ले. १९०६ मूल. गुराभद्राचार्य.

(ज. ५३६ क. १२२) प. ५६

" লৈ. १**८**८५

मूल. गुण्भद्राचार्य

(ज. ६३७ क. १७१) प. १४४ " ले. १६४१

मूल. गुराभद्राचार्य. ले. १६४१ (ज. ८३८ क. १७२) प. १३४ " मूल, गुणभद्राचार्य, (ज. ५३६ क. १५२) प. १०१ ले. १८४१ 2.7 मूल. गुणभद्राचार्य. (ज, ८४० क, १४४) प, १२३ ले. १८६४ मूल. गुणभद्राचार्य, (ज. ८४१ क. १६५) प. ११० ले. १८४४ " मुल, गुराभद्राचार्य, -(ज. १४३७ क. २४७) प. १३० ले. १६०६ "

श्रात्मावलोकन हिंदी.

मूल. गुराभद्राचार्य.

(ज. ५४२ क. १६६) प. ७७ ले. १६०६ (ज. ५४३ क. १५३) प. १०६ +

आराधनासार.

्ज. ५४४ क. १२५) प. २४ ले. १६३३ मू० देवसेनसूरि, इष्टोपदेश पं. पत्रालालजी कृत हिंदी.

(ज. ८४४ क. १२६) प. १२ ले. १६३४ नि स. १६३४ मृ० पूज्यपादस्वामी,

उपदेशसिद्धान्तरत्नमाला पं० भागचन्दजी कृत हिदी.

(ज. ८४६ क. ८८) प. ३४ नि स. १६१२ ले. १६४२ मूलकर्ता खेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ८४० क. १४) प. ३१ नि. स. १६१२ + मूलकर्ता श्वेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ५४६ क्र. ११) प. ३० नि. स. १९१२ ले. १६३७ मूलकर्ता खेताम्बर नेमिचन्द्र भडारी.

(ज. ८४९ क्र. २३८) प. ४३ नि. स. १६१२ +

मूलकर्ता खेताम्बर नेमिचन्द्र भंडारी.

(ज. ५४० क्र. २४७) प. ४० नि. स. १६१२ + मूलकर्ता खेताम्बर नेमिचन्द्र भंडारी,

चारध्यानका व्योरा, हिंदी

(ज. ६४१ क. २४६) प. १२ ले. १८६३

चेतनचरित्र हिंदी

(ज. ५४२ क. २४६) प १२ ऋपूर्ण.

ब्रहदाला. पं. बुधजनजी कृत

(ज. ५४३ क. १७३) प. १२ निस १५४६

छहडाला पं. दोलतरामजी कृत

(ज. ५४४ क. २०६) प २६ ले १६६४ नि स. १५६१ जैनशतक पं. भधरदासजी कत

े (ज. ⊏४४ क ४३) प. १८ ले. १६३६ नि. स. १७८१.

(ज. मध्द क ४४) प १२ ले १म७६ "

ज्ञानदर्पेग शाहदीपचन्दर्जा कृत

ं (ज. ८४७ क १८४) प २४ ले १८७०.

(ज. ८४८ क. १७४) प. २२ +

ज्ञानार्णव, पं. जयचन्दर्जा कृत हिंदी

(ज. ८४६ क. १६७) प. २६४ ले. १८६३ नि. स. १८६६ म० शभवन्द्राचार्य

(ज. ५६० क ११६) प ४४० ले. १८७८ नि. स. १५६८ मृ० शुभचन्द्राचार्य.

.(ज. ८६१ क. १) प १३१ त्र्यपूर्ण नि. स. १८६६ मू० श्रभचन्द्राचार्य.

एामोकारमंत्रांचे भेद.

(ज. ६६२ क. ११३) प. ७ मराठी.

तत्वज्ञानतरंगिणी भट्टारकज्ञानभूषणकृत,

(ज. ८६३ क्र. ८६) प. ४० अनुवादकका नाम नहीं (ज. ८६४ क्र. १२४) प. ६०

तत्वसार, पन्नालालजीचीधरीकृत हिंदी.

(ज. म्ह४ क. १८४) प. २८ ले. १६४२ नि. स. १६३१ मू० देवसेनसूरि.

धर्मपरीचा अमितगतिसूरिकृत

ज. ८६६ क, २८) प. १६६ अनुवादक का नाम नही । ज. ८६७ क १४६) प २४३ पं. दशरथजीकृत हिंदी.

धर्मप्रबोधिनी गोपालदामजी मोहितवालकृत

(ज, ८६८ क्र. ४४) प. ३१ ले. १६३३.

नरकस्वगवर्णन (हिंदी).

(ज महरू क. २०६) प. ४४ ले. १६११

नाटकसमयसार (छंदोबद्ध) पं. बनारमीटामजीकृत

(ज ५७० क २१०) प ६६ नि म १६६३

(ज ८७१ क. २२४) प. ४७ नि. स १६६३ ले. १८०४

(ज. ५७२ क. १६२) प १०५. सानुवाद, अनुवादक का नाम नहीं ले. १६४२.

नाटकसमयसारकलश अमृतचन्द्रसुरिकृत

(ज. ५७३ क १४७)प.२३४ ले. १७६० ऋनुवादक का नाम नहीं पद्मनिद्यंचिवशतिका. जोहरीलालजी व मुन्नालालजी कृत हिंदी.

(ज. ५७४ क. १४७) प. २४१ ले. १६६० त्रा. स. १६१४

(ज. ५७४ क. ६६) प. ३४२ ले. १६४४ "

(ज. ८७६ क. ६७) प. ३८३ ले. १६३३

परमात्मप्रकाश पं. दौलतरामजी कृत हिंदी

(ज. ८०० क ८) प २०७ श्लो ६८०० ले. १६०० मू. योगीन्द्रदेव. (ज. ८७८ क. २) प. २०४ श्लो, ६८६० ले. १६०० म्, योगीन्द्रदेव.

(ज. ५७६ क. १७४) प. २८८ " ले. १९६२ मृ. योगीन्द्रदेव.

(ज. ८८० क. २३३) प. २२४ " ले. १८६१ मृ. योगीन्द्रदेव.

पंचास्तिकाय पांडे हेमगजजी कृत हिटी.

(ज. ममश् क. १६म) प. ७म ले. १मम७ मृत्र कुन्दकुन्ददेव.

(ज. ममर क. २११) प १३४ ले. १६५७

(ज दद३ क. ११७) प. २२६ +

(ज. मम् अ. १म६) प्रथय ले १६१७

(ज, ६६४ क, १७६) प. ७४ +

प्रवचनसार पांडे हमराजजी कृत हिदी.

(ज. ८८६ क. ६०) प. १६२ ले. १८६६ ऋ. म. १७०६ म्. कुन्दकुन्ददेव.

(ज. मम् क. १) प १७३ ले १म१७

म्. कुन्दकुन्ददेव.

(ज. ८८५ क.) प. २३० मू. कुन्दकुन्ददेव.

मिथ्यात्वनिषेध

(ज. ८८६ क. ४१) प. ३१ कर्ता का नाम नहीं। मोत्तमागेप्रकाश (हिन्दी) प० टोडरमलजी कृत.

> (ज. ८६० क. १६६) प २३० ले. १६०६ नि. स. लगभग १८२४.

(ज. मध्र क. १२६) प. २१म ले. १६०६ लगभग १म२४

योगसार पन्नालालजी चौधरी कृत (हिंदी)

(ज. ८६२ क ४६) प. ३८ ले. १६३८ च्य. स. १६३२ मू० योगीन्द्रदेव.

षट्पादुड (हिदी छन्द) चितामणिकृत.

(ज. मध्३ क्र. ४७) प, २४

सज्जनचित्तवस्रभ. मल्लिषेणचार्यकृत.

(ज, ८६४ क्र. १२७) प. ४८ श्रनुवादक का नाम नहीं समयसार पं० जयचंदजी छावड़ा कृत हिन्दी.

(ज. ८६४ क. ३) प. ३२१ ले. १६४८ अ.स. १८६४

मू० कुन्दकुन्दर्षि

(ज. ८६६ क. ६८) प. २८८ ले. १६०६

मू० कुन्दकुन्दर्षि

(ज महर्फ क्र. १०६) प. २६६ ले. १महर्भ 😕

मू० कून्दकुन्दर्षि

समाधितंत्र पर्वतधर्मार्थकृत (गुर्जर).

🏏 (ज. मध्म क. १२म) प. १म२ ले. १६४४ मू० पूज्यपादस्वामी

समाधितंत्र माणिकचन्दजी श्रावककृत हिदी.

(ज. ६०० क. ४८) प. २६ मृ० पूज्यपादस्वामी. सर्विवशुद्धज्ञानाधिकार ऋमृतचंदसूरिकृत.

> (ज ६०१ क्र. २६०) प. ४१ क. ४४ श्लो. ६३१ समयसार-कलश के एक अधिकार का अनुवाद

सुभाषितार्णव पं० पत्रालालजी चौधरी कृत हिटी

(ज. ६०२ क. २६) प. २८७ त्र्य. स १६३० मृ० भट्टारक-सकलकीर्ति.

-}- (ज. ६०३ क. ११६) प. २०६ ऋ. स. १६३० मू० भट्टारक-सकलकीर्ति. मुभाषितावली पं० पत्रालालजी चौधरीकृत हिंदी.

(ज. ६०४ क. ६१) प. ६६ अ. स. १६३१

सूक्तमुक्तावली सुन्दरलालजी लमेचू कृत हिदी.

(ज. ६०४ क. ३०) प. १०६ ले. १६३८ आ. स.—रम युग ४—सराग ४— शशि १७४६

(ज. ६०६ क. २२६) प. ४० ऋपूर्ण

सूक्तमुक्तावली (छदोबड) बनारसीदामजी ऋत.

(ज. ६०७ क. २६१) प. ३१ ले. १७६१ नि स. १६६१ म्बानुभवदर्पण (छंटोबड) मुंशी नाथूरामजी कृत.

> (ज. ६०८ क्र. ४६) प २० नि.म १६४६ स्वकृत ऋनुवाद सहित।

> > +

हितोपदेश

(ज ६०६ क, २६२) प. २४

+ +

३--आचार-ग्रन्थ।

अमितगतिश्रावकाचार प० भागचन्द्जी कृत हिन्दी

(ज. ६१० क. ७४) प. १७६ ले. १६४६ त्र. स. १६१२ त्राचारसार पं० पत्रालालजी चौधरी कृत हिंदी

> (ज. ६११ क. ७६) प. १६१ ऋ. स. १९३४ मू० वीरनन्दी सैद्धान्ती.

उपासकाध्ययन दुलीचन्दजी कृत.

((ज. ६१२ क. ३१) प. २१२ मू० वसुनन्दी सैद्धान्ती उपासकाध्ययन पं० चंपालालजी कृत हिन्दी.

/ (ज. ६१३ क. ३२) प. ४७० ले. १६६४ नि. स. १६०६ मृ० वसुनन्दी सैद्धान्ती.

उमास्वामिश्रावकाचार पं० हलायुधजी कृत हिन्दी.

(ज. ६१४ क. १२९) प. ७६ श्लो. २२०० ले. १६६६ क्रियाकोष (छंदोबद्ध) प० दौलतरामजी कृत.

(ज. ६१५ क. १३०) प. ६६ ले. १९४२ नि. स. १७६५

(ज ६१६ क. २६१) प. १६६ ले. १८४१

X (ज. ६१७ क. १७) प. २८ ऋपूर्ण

गुरूपदेशश्रावकाचार (हिंदी) पं० डाल्रामजी कृत.

(ज. ६१८ क. ६०) प ३१ श्लो. ६३० गंगडुप्रायश्चित्त (गुर्जर) गंगडु कृत.

> (ज. ६२० क्र. २३२) प. ३६० ले. १६२४ श्र. स. १७८१ मू० चामुंडराय महाराज.

स्रेटपिड इन्द्रनन्टिकृत

🗡 (ज. ६२१ क. १३१) प. १४ ले. १६१७ गुर्जर अनुवाद युक्त

(ज. ६२२ क. २६३) प. २२ लं १६०७

(ज. ६२३ क. २६४) प. २४ ले. १८६६ "

(ज. ६२४ क. २६०) प. ४६ + ॥

त्रिवर्णाचार के श्लांक.

(ज ६२५ क. २४६) प. ५ (हिंडी) नित्यकृत्य

४ (ज ९२६ क १००) प. ७ ले. १६४८ धर्मसार पं० शिरोमिशकत

प्रश्नेत्र (ज. ६२७ क. १२०) प्र. ४६ ले. १६४६ नि. स. १७३२ धर्मसंप्रहश्रावकाचार उदयलालजी काशलीवाल कृत हिंदी.

> (ज. ६२८ क. ८६) प. १३० ले, १६७४ आ. स. १६१० ई० वि. १६६७. मृ० पं० मेधावी,

पद्मनिन्द्श्रावकाचार, (गुर्जर)

् (ज. ६२६ क. ६२) प. १३ ते. १६६६ मू० आचार्यपदा-नन्दी, पद्मनन्दिपंचविशतिका का छठा अधिकार.

पुरुषार्थसिद्धय पाय प० टोडरमलजी व पं० दौलतरामजी कृत हिंदी.

(ज, ६३० क, १०३) प. १०३ ले, १६२६

(ज. ६३१ क. १३२) प. १०४ ले १६४४

,(ज. ६३२ क. १८७) प. १११ ले. १६०१

(ज. ६३३ क्र १३४) प ८१ ले. १६०३

्र(जा. ६३४ क ६) प. ११६ +

नोट—प॰ टोडरमलजी के स्वर्गवाम के श्रनन्तर मं० १८२७ में पं॰ दौलतरामजी ने पूर्ण किया.

प्रश्नोत्तरोपासकाचार प० पत्रालालजी चौधरी कृत हिडी

(ज. ६३४ क. १०४) प. १६३ ले. १६४७ इत्र. स. १६३१ मू० सकलकीर्तिभट्टाग्क

वाईसम्बभस्य, दुलीचदजी कृत

,(ज. ६३६ क. २००) ए. १५

भगवतीश्चाराधना, पं० मदासुखजी काशलीवाल कृत हिदी.

(ज ६३७-३८ क ७२) प. ७८७ ले. १६२१ ऋ. स १६०८ मू० शिवकोटी.

मूलाचार पं० नन्दलालजी व पं० ऋषभचंदजी कृत हिन्दी

(ज. ६३६ क्र. १०८) प. ४६१ ले. १६३३ ऋ. स. १८८८ मृ० बट्टकेराचार्य

(ज. ६४० क. १४६) प. २७०-२५२ +

मृ० वट्टकेराचार्य

् (ज. ६४१ क्र. ७७) प. १–२३६ + "
मृ० वट्टकेराचार्य

(ज. ६४२ क. ७८) प. १-२३० + "
मू० वट्टकेराचार्य
(ज. ६४३ क. ७६) प. ३०१-४४४ ले. १६२० "
मृ० वट्टकेराचार्य

मुनिभाजन के दोष

(ज. ६४४ क. ६३) प. २१ ऋपूर्ण रत्नकरंड-आवकाचार पं० सदासखजी कृत हिंदी.

(ज. ६४४ क. १४४) प. २१३ श्लो. १३४०० श्र. स. १६२०.

्(ज, ६४६ क, ४) प. २३२

7

ले, १६२३. मू०-स्वामिसमन्तभद्र

रत्न-करंड-श्रावकाचार, पं. चम्पालालजी कृत हिदी

(ज. १४३६ क. २४५) व. ३७५ ले १६३०.

विवाह-पद्धति. पं. फतेलालजी कृत.

(ज. ६४७ क. ६२) प. ४३ ले. १९४६.

त्रतपत्र, (हिंदी)

(ज. ६४८ क्र. ६४) प. १८ ते. १६४८ व्रत-विधान.

(ज. ६४६ क. १४८) प. १० ले. १८६६

श्रावकाचार-त्रेपनिकया.

(ज. ६४० क १२) प. १२ ले. १६४१ श्रावकाचार-संग्रह.

(ज. ६४१ क ६३) प १६४

श्रावकाचाररास (गुर्जर) धर्मपालजी कृत.

जा. ६४२ का ३३) प. १३२ ले. १७१७

षोडशभावना (हिंदी)

(ज. ६४३ क. १३४) प. १३७ ले. १६४६

·(ज. ६४४ क. १८) प. ६३

(ज. ६४५ क. २१२) प. १२७ +

मागारधर्मामृत. पं० लालारामजी चावली कृत हिंदी

(ज. ६४६ क. १६३) प. १४६ ले. १६७४ मू० पं० त्राशाधरजी.

सारचतुर्विंशतिका पं० पार्श्वदासजी कृत हिंदी

(ज. ६५७ क. ६६) प. ३७७ श्लो १४७०१ ले १६५६

त्र. म. १६१८ मू० भट्टाारकमकलकोर्ति

स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्ता प० जयचन्दजी छावडा कृत हिदी

(ज. ६४८ क. १६४) प. २३० ले १६२२ ऋ म. १८६३

,(ज, ६४६ क, १३६) प, १६० +

(ज, ६६० क, २३४) प, २१० +

(ज. ६६१ क. १३७) प ११६ +

मू०-स्वामिकार्तिकंय

मृत्युमहोत्सव पं० मदामुखजी कृत हिदी

(ज ९६२ क. २१३) प १५ ले. १६३६ मू०-का नाम नहीं। श्रावकप्रतिक्रमण् प० पन्नालालजी चौधरीकृत हिंदी.

(ज. ६६३ क २६४) मं. प्रा०प १०१ ऋ स १६३० ममाधिमरण (हिदी)

् (ज. ६६४ क. ६४) प. १२ ले १६३६

समाधिमरण हिंदी पं. चानतरायजी.

(ज. ६६४ क. २८६) प २ ले १६६०

सामायिकपाठ. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी.

(ज. ६६६ क. ६४) प. ४४

(ज. ९६७ क. १६) प. ४६

(ज. ६६८ क. २०) प. ३४ ले. १९२९

सामायिकपाठ, पांडे जयवंत कृत हिटी.

(ज. ६६६ क. २१) प २० ले. १८४१

(\$1)

(ज ६७० क. १६८)।प. ४८ ले. १७६० (ज. ६७१ क. २६६) प. ७२ ले १८८६

*

*

४---इतिहास-कथा--प्रन्थ।

300

गौतमचरित्र प० पत्रालालजी चौधरीकृत हिर्दी.

(ज. १७२ क. १४१) प ११६ मू० मंडलाचार्यधर्मचन्द्र चन्द्रप्रभचरित. पं० बखताबरमलजी श्रयवाल कृत हिंदी.

(ज, १७३ क. १४०) प. १६० ले १६६४ ऋ. स. १६४३ नेमिपुराग्। पं. भागचन्दजी कृतहिदी.

> (ज. ६७४ क्र १४१) प २३८ इलो ६४४२ ले. १६३२ श्र. म. १६०७ मू०-नेमिटत्तब्रह्मचारी.

प्रद्युम्नचरित ज्वालानाथजी ऋादि कृत हिंदी

(ज. ६७४ क. १६४) प ३१६ श्लो ६४७० ले १६४१ अ. स. १६१६ मू०-भट्टारक सोमकीर्ति.

भद्रबाहुचरित. पं० चम्पारामजी कृत हिंदी

(ज. ६७६ क. २०१) प ४७ श्लो, १२२४ ले. १६६३ मू० भट्टारकरत्ननन्दी.

वर्धमानपुराण

(ज. ६७७ क. २३४) प. ३२३ श्लो. ७७०० मृ० भट्टारकसकलकीर्ति. वर्धमानपुराण

(ज. ६७८ क. ७३) प. १८० श्लो. २३३४ ले. १८७८ हरिवेशपुरास पं० दौलतरामजी कृत हिन्दी.

(ज. ६७६ क. १०४) प. ४४२ श्लो १६००० ले. १६०८ त्रा. स १८२६

4

+

+

कर्णामृत-पुराण (झंदोबद्ध) भट्टारकविजयकीर्ति कृत.

(ज. ६८० क. १०) प. १८२ ले. १६३० नि. स. १८२६ जीवंधरचरित (छंदोबद्ध) पं० नथमलजी विलाला कृत.

(ज. ६८१ क. ८०) प. १४३ श्लो. ४२०० नि. स. १८३४ पार्श्वनाथ-पुराण (छडांबद्ध) प० भृधरदासजी कृत.

(ज. ६८२ क. १७७) पं. ८४ ले. १८६४ नि. स. १७८६

(ज. ध्द३ क. १८८) प. ८६ +

(ज. ६८४ क्र. १८६) प. ८८ + "

् (ज. ६८४ क. १७८) प १०२ १६४८ हलो. २४००

श्रीपालचरित (झंदांबद्ध) पंट परमञ्जर्जा कत.

(ज ६८६ क. १७६) प. १२४ ले १६३४

श्रादिपुराण्यास ब्र० जिनदासकृत

(ज ६८७ क. २३६) प. २०७ ले. १६३२ गु० चन्द्रप्रभपुराणरास भट्टारकयश कीर्ति कृत

(ज. ६८८ क. २२७) प. १४४ ले.१८४४ नि. स.१८४४ गु० चन्द्रप्रभपुराणरास. ब्र॰ मेघराजकृत

(ज ६८६ क्र २१४) प. ४६ ले १७७० नि. स. १६०६ गु० जम्बुस्वामि-रास ब्र० जिनदासकृत

, (ज. ६६० क २६७) प ६४ ले. १७८४ गु.

नागपंचमीरास ब्र॰ जिनदासकृत

(ज. ६६१ क. र्री४) प ४२ गु.

पांडवपुराणरास भट्टारकयशःकीर्ति कृत

् (ज. ६९२ क. १३८) प. १६३ ले. १६३० नि. स. १८४४ प्रयुम्नप्रबन्ध. भट्टारकदेवेन्द्रकीर्तिकृत

ंज ६६३ क्र. ४६) प २८ नि. स. १७२२ गु

ग्वपालरास. सूरचन्दकृत

ृं (ज. ६६४ क. २६८) प. ४० ले. १८४६ नि. स. १७३२ गु. रत्नपालरास.

(ज. ६६४ क. २६६) प. ३६ श्लो. ७४२ गु. रुक्मिग्णाहरणरास. भट्टारकरत्रभूषणकृत,

(ज. ६६६ क. २७०) प. ६ ले. १७१० गु.

श्रीपालचरित्ररास. भट्टारकयश कीर्तिकृत

्रं (ज ६६७ क. २३१) प. ११४ नि. स. १८४४ गु. सुकुमालचरित्ररास ब॰ जिनदासकृत

(ज. ६६८ क. ६४) प. २६ ले. १६२४ गु. हनुमंतरास. वर्ण जिनदासकृत.

(ज. ६६६ क. २७१) प. २१-४६ ऋपूर्ण, गु.

श्राराधनाकथाकोष, (गुर्जग्छद) साकलचन्द्रकृत.

(ज्ञ. १००० क्र. १३६) प. २७३ ले. १९१० नि. स. १⊏६१ ऋाष्टान्हिकराम. (गुर्जर)

र्वे (ज. १००१ क. २७२) प ३४

पल्यविधानराम (गुर्जर)

(ज. १००२ क. २७३) प. ६ ले. १६४८

श्रुतपंचमीकथा. (गुर्जर)

(ज १००३ क. २८८) प १३८ अपूर्ण.

समकितरास-आर्या—रत्नमतीकृत.

(ज. १००४ क्र. २७४) प म्ह गु सातव्यसननु रास-वीरचन्द्रमुनिकृत.

(ज. १००५ क. २७५) प. १६ ले. १६७० गु.

श्रनतत्रतकथा. प० फतेलालजीकृत.

(ज. १००६ क्र. १४२) प. ४ ले. १६१४ (ब्रंदोबद्ध) दर्शनकथा. पं० भारामलजीकृत.

(ज. १००७ क. १३) प. ३० (छटोबड) टानकथा, पं० भारामलजीकृत.

(ज. १००८ क्र. २०२) प. ३० धन्यकुमारकथा (छुदोबद्ध)

४. (ज. १००६ क. ४२) प. १७ ले १६२३ धर्मबुद्धि मंत्री की कथा. बखताबरमलजीकृत.

★ (ज. १०१० क. २७६) प. ४३ ले १८९४ नि स. १८२३

हष्टान्तरूपव्याख्या. उदयलालजी गगवाल कृत.

★(ज. १०११ क. ७४) प. १४ ले १६४८
पुएयास्त्रवकथा. प० दौलतरामजी काशलीवाल कृत हिदी.

★(ज. १०१२ क. ८०) प. २४६ ले. १८६० इत्र. स. १७७७ ★(ज. १०१३ क. १४०) प २१३ ले १८६४ "

मू. रामचन्द्र. रविवारव्रत-कथा (सचित्र) गगादासकृत

🗡 (ज. १०१४ क. १४१) प. १६ लं १८६१ नि. स. १६१४ श

🗡 (ज. १०१४ क. २७७) प. ४ ले. १६१०

सम्यकत्त्वकौमुदी. जोधराजजी गोदीका कृत.

火 (ज. १०१६ क. ३४) प. ४० ले. १८४४

सिद्धचक्रकथा, प० नथमलजी कृत हिंदी,

⊁ (ज. १०१७ क्र. १०६) प. १० मू० भट्टारकशुभचन्द्र.

🗡 (ज. १०१८ क. १०७) प. १०

होलिकाकथा.

🗡 (ज. १०१६ क. २७८) प. ८ ले. १९१४

५--नाटक-प्रन्थ।

ज्ञानसूर्योदयनाटक. पं० भागचन्द्रजी कृत हिंदी.

५ (ज. १०२० क. २३७) प. १४१ ले. १६२६ श्र्य, स. १६०७ मू. वादिचन्द्र-भट्टारक

ज्ञानसूर्योदयनाटक प० पार्श्वदासजी निगोत्याकृत हिदी.

★ (ज. १०२१ क २२) प. ४८ आ. स. १९१७ मू. भट्टारकवादिचन्द्र

*

苓

*

६--त्याय-ग्रन्थ।

देवागमम्तोत्र, प० जयचन्दजी कृत हिंदी

परीचामुख. प० जयचन्द्रजी कृत हिदी.

(ज. १०२४ क्र. ६६) प. १२६ ऋ. स. १८६३
(ज. १०२४ क्र. २०३) प. ६२ ७ ले. १८८६
मृ. माणिक्यनन्दी.

सत्तानिश्चय (हिंदी)

🗡 (ज. १०२६ क. ६७) प. २२

💢 (ज १०२७ क. ४४) प. २६

७-स्तोत्र-ग्रन्थ।

-3046-

श्रकलंकाष्ट्रकस्तोत्र. प० सदासुखजी कृत हिदी

💢 (ज. १०२८ क. ६८) प. ८ ले. १६३० श्र. स. १६१४ मू. त्रकलंकदेव.

★ (ज. १०२६ क. ४७) प १६ ले. १६३५

म्. अकलकदेव

X (ज. १०३० क्र. २१६) प १२ +

/ -मू. श्रकलकदेव

ण्कीभावस्तोत्र, पं० पन्नालालजी चौधरी कृत हिंदी.

५ (ज. १०३१ क २३) प. १२ आ. म. १६३० मृ -वादिराजसूरि . एकीभावस्तोत्र (हिंदी छंद) पं० भूधरदामजी कृत.

(ज. १०३२ क्र. ४४) प ४

एकी<mark>भावस्ता</mark>त्र (हिंदी छंड) प० हीगलालजीकृत

(ज १०३३ क. २३६) प ४

श्रोकार की वनिका

🗡 (ज १०३४ क. २२६) प. ४ ले १६४१

कल्याग्मान्दरस्तोत्र (हिटी छंट) प० बनारसीटामजी कृत

🗡 (ज. १०३४ क. २७६) प. ३

चौबीसजिनस्तुति, प० ऋषभचन्दजी कृत (हिंदी)

📈 (ज. ६१०३६ क ४६) प. २ नि. स. १६३६

जिनोपकारस्मरणस्तोत्र

(ज. १०३७ क्र. ११२) प. म ले. १६४० पंचमंगल. पं० रूपचन्दजी कृत.

(ज. १०३८ क. २४०) प. १०

भक्तामरस्तोत्र. पं० जयचन्दजी कृत हिंदी.

🗶 (ज. १०३६ क. २४) प. २८ ले. १६६४ त्र. स. १८७०

火(ज. १०४० क. २५) प. ३३ + "

४ (ज. १०४१ क. २२८) प. ३४ ले. १८६० थ

भक्तामरस्तोत्र.

(ज. १०४२ क. २४६) प. २३ ले. १६२४

X(ज. १०४३ क्र. र्वेट्ट्र) प. १२ ऋद्धि-मंत्र-गुण-विधिसहित. भक्तामरस्तोत्र (हिटी पद्य) पं॰ हमराजजी कृत.

🗡 (ज. १०४४ क. २४१) प. ८ ले. १६२४

(ज. १०४४ क. २४२) प ७ +

भूपालस्तोत्र (हिदी पद्य) हीरानन्दजी कृत

(ज. १०४६ क्र. २४३) प. ३

विपापहारस्तोत्र (हिटी पद्य) अचलकीर्निकृत

🗡 (ज. १०४७ क. ४८) प ४

मिद्धिप्रियस्तोत्र (हिदी)

(ज. १०४८ क. २८१) प. २० ले. १७२६ मू. देवनन्दी. सकटोद्धरणस्तोत्र (हिटी पद्य)

(ज. १०४६ क. २८६) प. २१

*

द-पूजा-ग्रन्थ।

-30

कर्मदहनपूजा.

(ज. १०४० क्र. २८२) प. ३० ले. १८८२

चतुर्विशातिजिनपूजा कविवृन्दावनजी कृत

🗡 (ज. १०४१ क. २०४) प. ७४ ले १६४६ नि. स १८७४

(ज. १०४२ क्र. २१७) प. ८७ ले. १६४८ " चतुर्विशतिजिनपूजा. कविरामचन्द्रजी कृत.

(ज. १०४३ क. १६०) प. ४६ ले. १८८८ चन्द्रसागरमुनिपूजा,

(ज. १०४४ क. २८७) प. ६

पंचकल्याग्यकपूजा,

★(ज. १०४४ क. २०४) प. १७ ले. १६४८ नि. स. १८६२ पंचपरमेष्ठीमंडलपूजा.

(ज. १०४६ क. १६१) प ४३ रलो ६००

* * *

६—संग्रह-ग्रन्थ। अक्ट

चर्चासागर, प० चम्पालालजी मगृहीत.

. (ज. १०४७ क. १६६) प. २८१ ले. १६६४ नि. स. १६१० (ज. १०४८ क ७०) प. ३७६ ले. १६७६ " चर्चासारसंग्रह.

🗡 (ज. १०४६ क. ४) प. २७८

चर्चासमाधान, कविवर भूधरदासजी संगृहीत.

★ (ज. १०६० क. १४०) प ११३ ले. १६४६ नि. स. १८७६ ★ (ज. १०६१ क. १८०) प. १३३ " " चर्चानामावली.

(ज. १०६२ क. २१८) प. ४० ले. १६६२. चर्चापुस्तक.

🗡 (ज. १०६३ क. १६२) प. ३३

चर्चाफुटकर

(ज १०६४ क. २४४) प १३ ले १६७१ चौबीसठाणाचर्चा.

(ज. १०६४ क २८३) प ३३

(ज. १०६६ कर २६) प ६२
(ज. १०६७ कर १६३) प १७

🗡 (ज. १०६८ क्र २३०) प. ६२ ले १८६३

प्रश्नोत्तरमाला.

🗡 (ज १०६६ क्र १४४) प ३८ मार्गणागुणस्थानचर्चा

(ज १०७० क, २५४) प ह

विद्वज्ञनबोधक पंटपन्नालालजी सगृहित

🎢 (ज १०७१ क ११०) प. ३३४ ले १६४१ प्रथमभाग

★(ज १०७२ क. १११) प २३६ " दितीयभाग

१०-प्रकीर्णक-ग्रन्थ।

मोलहम्यानश्चादिक चित्र

🗡 (ज. १०७३ क्र २१६)

नरकांक चित्र

火 (ज. १०७४ क. २२०)

सुभाषित-श्लांक,

(ज. १०७४ क २५४) प. १४०

११--गुच्छक-ग्रन्थ।

् १—गुच्छक (क. ६६ ज. १०७६)

१—अनुभवके विषयमे २—पूजाप्रकरण, ३—तृष्णाके विषयमे, ४—सज्जनदुर्जनप्रकरण ४—धर्मके विषयमे, ६—सम्यक्त्वके विषयमे, ७—स्त्री-प्रकरण, ६—कामी पुरुष, ६—संसारकी दशाका वर्णन १०—नरक-वेदना, ११—नमस्कार-विषय, १२—मिध्यात्वनिषेध, १३—साधुके विषयमे, १४—ज्ञानके विषयमे, १४—दानप्रकरण, १६—निशिभोजन

८ २-गुच्छक (क. २२१)

१०७७--शान्तिप्रकाश (हिंदी)

१०७८—धर्मके विषममे (१) पडितके विषयमे (२) सज्जन दुर्जनके विषयमे (३) मिलनताके विषयमे (४) विद्याके विषयमे (४) ज्ञानके विषयमे (६) साधुके विषयमे (७) पर स्त्रीके विषयमे (८) पुत्रीके पैसे लेनेके विषयमे (६) निशिभोजनके विषयमे (१०) तृष्णाके विषयमे (११) कृपण्माया-संवाद (१२) मूर्खके विषयमे (१३) ज्ञिनती (१४) नमस्कार (१४) मिण्यात्वके विषयमे (१६) दानके विषयमे (१७) सम्यक्त्वके विषयमे (१८) ज्ञानुभवके विषयमे (१८) स्त्रीके विषयमे (२०) कामीके विषयमे (२१) ससारके विषयमे (२२) शुद्धिके विषयमे (२३) तीन वर्णके विषयमे (२४) खड़े आहार लेनेके विषयमे (२४) माला फेरनेके विषयमे पे (२६) निर्माल्यके विषयमे (२७) ज्ञात्माके विषयमे (२०) त्रात्माके विषयमे (२६) निर्मालयके विषयमे (२७) ज्ञात्माके विषयमे (२८) नरककथन (२६) फुटकर दोहे (३०)

(40)

१०७६ - वैराग्यपश्चीसी. भैया भगवतीदासजी कृत.

१०८०—परमात्मञ्जतीसी.

१०८१—दृष्टान्तपश्चीसी "

१०८२—मनबत्तीसी. "

१०८३—स्वप्रवत्तीसी.

१०८४—म्वानुभवदर्पण मुंशी नाथूरामजी कृत (स्वकृत हिंदी ऋर्थ महित)

१०८४—सज्जनचित्तवल्लभ. " मू मक्लिषेगाचार्य

१०८६—समयसारनाटक दोहे

३--गुच्छक (क्र. १६४)

१०८७-- छहढाला पं० बुधजनजी कृत

१०८८—नग्कके दोहे.

४—गुच्छक (क. ३६७)

१०८६—पल्यविधानरास.

१०६०-सोलहकारणरास्

१०६१—नागकुमारपंचमीफलरास. ब्र० जिनदास कृत.

५-गुच्छक (क्र. ३०२)

१०६२-चौबीसठाए॥ चर्चा.

१०६३--दर्शनपाठ (संस्कृत)

१०६४—सामायिकपाठ. (सं —प्रा०)

१०६५-योगदीपिका. (स)

१०६६—स्वप्राध्याय.

१०६७-भ्रमरलद्या. "

^{५०६⊏}च्यपनक्रिया. (हिंदी)

१०६६-शावकाचारविधि (गुर्जर)

६--गुच्छक (क. ३०३)

११००-पचमंगल.

११०१—देवपूजा.

११०२-तीम चौबीसीका ऋर्घ.

११०३-चीसविहरमानपूजा.

११०४--- ऋकुत्रिमचैत्यालयपृजा

११०४—त्रनोके ऋर्घ.

११०६—मिद्धपुजा

११०७—निर्वाणभूमिपृजा

११०=--शान्तिपाठ.

११०९—स्तुति.

१११०—विमर्जन.

११११—देवपूजा (हिंदी)

१११२---बीमनर्थकरपूजा

१११३---मरम्बतीपुजा

१११४—गुरुपृजा.

१११५—मिद्धपृजा.

१११६-पोडशकारगप्जा.

१११७—दशलच्रापूजा

१११८—रत्ननायपूजा

१४१६---दर्शनपूजा.

११२०--ज्ञानपूजा.

११२१--चारित्रपूजा.

११२२--नन्दीश्वरपूजा

११२३-सम्मेदशिखरपूजा

११२४--मुक्तागिरिपूजा.

११२४—सोनागिरिपूजा.

११२६—पंचमेकपूजा

११२७—तन्वार्थसूत्र.

११२८—जिनमहस्रनाम.

११२६-भक्तामग्स्तोत्र

११३०—पार्श्वनाथ.

११३१—शान्तिनाथस्तोत्र

११३२—वृषभाष्ट्रक

११३३—शान्तिनाथम्नोत्र

११३४--चन्द्रप्रभस्तोत्र.

११३४—सगस्वतीस्तोत्र

११३६-मगलाष्ट्रक

११३७---मुप्रभातस्तोत्र

११३८—हष्टाष्टकस्नोत्र.

११३९—ऋद्याष्ट्रकस्तोत्र,

११४०-परमानन्दस्तोत्र

११४१—चतुर्विशतिजिनयंत्रोद्धार

११४२-पचनमस्कारस्तोत्र

११४३—बीतरागस्तोत्र.

११४४—भूपालस्तोञ

११४४—मिद्धिप्रियस्तोत्र

११४६—अकलंकाप्टक

११४७—चैत्यवन्द्रना

११४८—सुप्रभातस्तोत्र.

११४९—दर्शनपाठ.

११५०-समवशरणाष्ट्रक

११५१—कल्यागमन्दिरस्तोत्र.

११४२--एकीभावस्तोत्र.

११४३—विषापहारस्तोत्र.

११४४—चितामणिपार्श्वनाथस्रोत्र.

११४४-- ऋहत्यवचन (सूत्र.)

११४६-लघुजिनसहस्रनाम.

११४७-पार्श्वनाथस्तोत्र.

११४८—घटाकर्णस्तोत्र.

११५६--जिनरचास्तात्र.

११६०--जिनपंजरस्तोत्र.

११६१—वजुपंजरस्तोत्र

११६२-अहशान्तिस्तोत्र

११६३ - लच्मीस्तोत्र.

११६४-शान्तिनाथस्तोत्र.

११६४-महावीराष्ट्रक.

११६६-मरस्वतीस्तोञ

११६७-भक्तामरभाषा.

११६८-कल्याणमन्दिरभाषा.

११६६—विषापहारभापा,

११७०-एकीभावभाषा

११७१-देवदर्शनभाषा.

११७२—निर्वाणकाडभाषा.

११७३—बारहभावनाभाषा.

११७४---श्रान्मपश्चीसी.

११७४—आलोचनापाठ.

११७६—लद्मीस्तोज.

११७७—स्वयंभूभाषा.

११७८—पार्श्वनाथस्तोत्र.

११७६-सामायिक-पच्चीसी.

११८०-सप्तव्यसनफल.

११८१--लुंपकपच्चीसी.

११८२—वजुनाभिबारहभावना.

११८३-सल्लेखनामरण,

११८४-ग्यारहप्रतिमा.

११८४—चौबीसदंडक

११८६—ऋईतदेवस्तृति.

११८७ नेमिनाथबहत्तरी

११८८—गुरुविनति.

११८६-विनति.

११६०-करुगाष्ट्रक

११६१—स्तुति

११६२—विनति.

११६३- सूरतवाराखड़ी.

११६४-तीर्थंकरविनति.

११६४-पचेन्द्रियकथा

११९६-नारीचरित्र

११६७--समाधिशतक

११६५—पद

११९६—लावनी.

१२००--राग-होरी-दुमरी-डाडरे

७--गुच्छक (क्र. २९३)

१२०१-पचमगल. रूपचन्दजी कृत.

१२०२—जिनसहस्रनाम. (सं.) जिनसेनाचार्यकृत (स्तुतिसहित)

१२०३—तन्वार्थसूत्र (मं.) उमास्वामिकृत.

१२०४-- द्रव्यसंप्रह (छंदोबद्ध) द्यानतरायजीकृत (मृलसहित)

१२०४—चौबीसठाएा (छंदोबद्ध) गोविन्ददासकृत

१२०६--बाईसपरीसह.

१२०७-भक्तामरस्तोत्र, मानतुगाचार्यविरचित

१२०८—कल्याणमंदिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्यविरचित.

१२०६-कल्याणमन्दिरस्तोत्र, बनारसीटामजीकृत.

१२१०—निर्वाणकांडभाषा. भैयाभगवतीटासजीकृत.

१२११--लघुसहस्रनाम. (इन्द्रस्तुति)

१२१२---एकीभावम्तोत्र, वादिराजसूरिकृत

१२१३—एकीभावस्तोत्रभाषा, भूधरदासजीकृत.

१२१४—निर्वागकाड (प्रा)

१२१४—विषापहारस्तोत्र, धनंजयकविकृत,

१२१६--भक्तामरस्तोत्र (भाषा) हमराजजीकृत

१२१७-- सुक्तमुक्तावली सोमदेवसुरिकृत

१२१८—चौबीमदंडक. दौलतरामजीकृत.

१२१६--समाधिमरण, द्यानतरायजीकृत.

१२२०-भूपालस्तोत्र, भूपालकविविरचित,

१२२१ — लघुसामायिक. (स.) (मंगृहीत)

१२२२—लघुसामायिक. (भाषा)भीमराजपडितकृत नि.स ४⊏६४

१२२३—सिद्धिप्रियस्तोत्र, देवनन्दीकृत,

१२२४ स्वयंभूभाषा. द्यानातरायजीकृत

१२२४—जीवसमास.

१२२६ - खेतीरासो कामतीचन्द्र चौष (पाड्या)

१२२७-बारहभावना. डालूरामजी कृत.

१२२८—श्रठारानाता.

१२२९—<mark>छहढाला</mark>. बुधजनजीकृत (नि. स. १८४६ १२३०—**बारहभावना**.

```
१२३१--बारहभावना.
१२३२—मोत्तपयड़ी.
१२३३--श्रालोचना-पाठ.
१२३४-प्रकृतिविधान, बनारसीदासजी कृत. (नि. स. १७००)
१२३४-- श्रकलंकाष्ट्रक, भट्टाकलंकदेवकृत.
१२३६—नामनिर्णय,
१२३७--ज्ञानपचीसी, बनारसीदासजीकृत.
१२३८-सुगुरुशतक, जिनदासगोधा कृत. ( नि. स. १८४२ )
१२३६—नित्यपूजाविधान.
१२४०—षोडशकारखपूजा. (सं.)
१२४१—दशलच्रणपूजा
१२४२-- रत्नत्रयपूजा, प्रत्येकपूजामहित (सं.)
१२४३—पंचमेरुपूजा.
१२४४—ऋाष्टान्हिकपूजा.
१२४४--सम्मेद शिखरपूजा. (स.) गगादासकत.
१२४६—बीसविहरमानपूजा. (सं.) वादिचन्द्रकृत. <sup>१</sup>
१२४७-षोडशकारणपूजा. द्यानतरायजी कृत.
१२४८—दशलचगपूजा.
१२४६-- रत्नत्रयपूजा.
१२४०-पंचमेरुपूजा.
१२५१—ऋाष्ट्रान्हिकपूजा.
१२४२—ऋनंतत्रतपूजा.
१२४३-सम्मेदशिखरपूजा ( भाषा ) जवाहरलालजी कृत.
        (नि. स. १८६१)
१२४४—सोनागिरिपूजा
                               सहसमझजी कृत.
                         22
१२४४--सूक्तमुक्तावली. कॅंवरपालजी-बनारसीदासजीकृत.
१२४६--कर्मछत्तीसी,
```

११५७--श्रध्यात्मबत्तीसी.

१२४८-गोरखवचन.

', प-गुच्छक (क. २६४)

१२४६-स्वयंभूस्तोत्र, समन्तभद्रस्वामिकृत.

१२६०—तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत.

१२६१--रत्नत्रयपूजा. द्यानतरायजी कृत.

१२६२-जिनाभिषेकक्रम.

१२६३--- ऋईदृष्टक.

१२६४—जिनसहस्रनाम. जिनसेनाचार्यकृत.

१२६४—श्रहत्पृजा. (सं.)

१२६६—सिद्धपूजा.

१२६७—कलिकुंडपूजा. "

१२६८—सरस्वतीपूजा. "

१२६६—गुरुपूजा.

१२७०—चतुर्विशतिजिनपूजा. कविवरवृन्दावनजी कृत.

८ ६—गुच्छक (ज. २९४)

१२७१-पदसंग्रह, हीराचन्दजी कृत.

१२७२---पद्संग्रह.

. १०—गुच्छक (क्र. ३०४)

१२७३--समाधिमरण, सूरचन्द्जी कृत.

१२७४--ऋषिमंडलस्तोत्र.

१२७४--प्रश्नोत्तरमाला.

१२७६--शुद्धणमोकारमंत्रादि. ६१

१२७७--शकुनावली.

१२७५-इष्टब्रत्तीसी. बुधजनजी कृत.

१२७६--पार्श्वनाथस्तोत्र. पं० द्यानतरायजी कृत.

११--गुच्छक (क. २६६)

१२८०—ग्रानेक चर्चाएं

१२-गुच्छक (क्र. २६८)

१२८१ - संशयवचन-विच्छेद. (गुर्जर)

१२८२—लु कामतनिराकरण. (गुर्जर)

१३--गुच्छक (क्र. २६६)

१२८३ - जिनसहस्रनाम. बनारसीवासजी कृत.

१२८४—सूक्तमुक्तावली.

१४--गुच्छक (क्र. ३००)

१२⊏४—दर्शनपाठ.

१२⊏६—हष्टाष्ट्रक.

१२८७—वर्ममानस्तोत्र. (हिदी छुँद्)

१२८८—अनादिनिधन.

१२८-मिश्यात्ववानी, कविवरबनारसीदासजी.

१२६०---प्रस्ताविक-कवित्त,

१२६१--गोरखनाथके वचन.

१२६२—परमार्थ-वचन.

१२६३-परमानन्दस्तोत्र (सं)

१२६४-योगपावडी.

१४--गुच्छक (क्र. ३०१)

१२६४-लच्मीस्तोत्र पद्मप्रभदेवकृत.

१२६६--नवकारपचीसी. विनोदीलालजीकृत.

१२६७ कृपग्गपचीसी.

१२६≒—बाईसपरीषह्.

१३००—भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.

१३०१—विषापहारस्तोत्र. धनंजयकविकृत.

१३०२—भक्तामरस्तोत्र-भाषा, हेमराजजी कृत.

१३०३ कल्यागमदिर-भाषा, बनारसीदासजी कृत,

१३०४—विषापहार-भाषा, श्रयलकीर्तिकृत, नि. स. १७१४

१३०४-भूपालपश्चीसी हीरानन्दजी कृत.

१३०६-एकीभाव भाषा.

१६-गुच्छक (क. ३०४)

१३०७-चर्चाशतक, द्यानतरायजी कृत,

१३०८—सुगुरुशतक. जिनदासजीगोधा कृत.

१३०९-भूधरशतकके दो बंद.

१३१०—चौवीसठाणाकी चर्चा.गोविद्कविकृत, नि. स. १८८१

१३११---पाँचो पर्वी की कथा. वेगुप्त्रह्मचारिकृत. नि. स. १००७

१३१२—पार्श्वनाथस्तुति.

१३१३—चौबीमदडक पं दौलतरामजी कृत.

१३१४—-सूरतकी बाराखडी.

१३१४—जोगीरासो. जिनदासजी कृत.

१३१६—मोच-पयड़ी, बनारसीदासजी कृत,

१३१७--कुवेरप्रियश्रेष्ठी की कथा.

१७-गुच्छक (क्र. ३०६)

१३१५--सकलीकरण.

१३१६--पंचमंगल.

१३२०--

१३२१---

१३२२---

१३२३---

१३२४--जिनदर्शनस्तोत्र (प्रा) पद्मनन्दिकृत.

```
१३२४—देवपूजास्तुति. ( सं० प्रा० ).
१३२६-पचपरमेष्ठीके गुण.
१३२७--देवपूजा ( सं-प्रा० )
१३२८—शान्तिपाठ. ( सं० ).
१३२६--
१३३०-- मुनीश्वरोकी जयमाला. जिनदासकृत.
१३३१—सिद्धपूजा जयमाला. ( मं० )
१३३२—सरस्वती-पद्य.
१३३३ -- मंत्राधिक्यसाधनसमृह "
१३३४—श्राष्टान्हिकपूजा-जयमाला ( सं०-प्रा० )
१३३४--दशलच्चणपूजा-जयमाला.
१३३६—रत्नत्रयपूजा-जयमाला.
                              ( सं० )
१३३७--भक्तामरभाषा.
                        पांडे हेमराजजी कृत.
१३३⊏—कल्याणमन्दिरभाषा बनारसीदासजी कृत.
१३३६-एकीभावभाषा, पं० हीरानन्दजी कृत.
१३४०--भूपालपचीसीभाषा
१३४१—विषापहारभाषा अचलकीर्तिकृत.
१३४२—एकीभावभाषा द्यानतरायजीकृत.
१३४३—निर्वाणकांड ( प्रा० ).
१३४४—निर्वाणकाडभाषा भैयाभगवतीदासजी कृत.
१३४४—जिनसहस्रनाम ( सं० ) जिनसेनाचार्यकृत.
१३४६—पंचपरमेष्ठिपूजा
                      " आचार्ययशोनन्दीकृत.
१३४७—करुगाष्ट्रक
                       " पद्मनिन्दकृत.
१३४८—पार्श्वनाथाष्ट्रोत्तरशतक ( सं० )
१३४६- लघुसहस्रनाम.
```

१३४०--दंडकस्तोत्र.

(写も)

१३५१—बजूपिंजरस्तोत्र. (सं)	
१३४२—गमोकारमंत्रर्द्धिस्तोत्र, "	
१३४३—पंचमेरुपूजाजयमाला भूधरदासजी कृ	व.
१३४४कर्मदहनविधान (सं०)	
१३५४—पचकल्याणकपूजा "	
१३४६—पंचकल्याग्गक-प्रत्येकपूजा (सं०)	
१३४७धर्मपश्चीसी द्यानतरायजी कृत.	
१३५८—व्यसनत्यागषोडशी "	
१३४६—जीवसरधाचालीमी "	
१३६०—तिथिषोडशी "	
१३६१—मंगल-त्रारती. "	
१३६२—वैराग्यषोडशी "	
१३६३—पद्चतुष्ट्य. "	
१३६४—जिनपूजाष्टक. "	
१३६४—ञ्चारतीजयमालाकी. "	
१३६६—देवपूजाष्टकत्र्यारती. "	
१३६७—पूजाष्टक.	
१३६⊏—छ्रयालीसबोल ऋारती. "	
१३६६—बीसविहरमानपूजा-जयमाला "	
१३७०—सिद्धपूजाष्टक पं० दौलतरामजीकृत.	
१३७१ —सिद्धोकी श्रारती. खुशालचन्दजी कृ	त.
१३७२—गुर्वेष्टक. द्यानतरायजी कृत.	
१३७३—साधुत्र्यारती. हेमराजजी कृत,	
१३७४—जिनवागी ऋष्टक-ऋारती. द्य	ानतरायजी कृत.
१३७४—पंचमेरुपूजा.	77
१३७६—ऋष्टान्हिकपूजा.	17
१३७७—सोलहकारगपृजा.	"

१३७५—दशलच्चापूजा.	चानतरायजी कृत.				
१३७६रत्नत्रयपूजाष्टक-श्रा	रती. "				
१३८०—सिद्धचेत्रपूजा.	77				
१३८१—सिद्धचकपूजा.	37				
१३⊏२—श्चच्तरबावनी.	77				
१३⊏३—नेमिनाथबहत्तरी.	77				
१३⊏४—धर्मचाहगीत.	71				
१३⊏४—च्रादिनाथम्तुति.	77				
१३⊏६—शिचापंचाशिका.	"				
१३८७—सहजाष्ट-श्रारती.	"				
१३८८—प्रतिमाबहत्तरी.	"				
१३⊏६—स्वयभूभाषा.	"				
१३६०—समाधिमरणभाषा.	"				
१३६१—द्रव्यसग्रहभाषा.	"				
[ॅ] १३६२—जोगीरासो. जिनदा	सजीकृत.				
१३६३—दोहरा. रूपचन्दजीकृत.					
१३६४द्वादशानुप्रेचा चाल्हूकृत.					
१३९४—जिनविनती. रूपचन्दजी कृत.					
१३६६—मुनीरवरोकी जयमाला.					
१३६७—द्वितीय-जयमाला (प्रा०)					
१३६८—तृतीय-जयमाला (हि०) मुमोहरकृत ^१					
१३६६—जिनभक्तिविनती.					
१४००—चारसौछह्जीवसमास. द्यानतरायजीकृत.					
१४०१—दसथान-चौबीसी "					
१४०२—बारहमावना. भगौतीदासजीकृत					
१४०३—जिनविनती. दीपचन्दजीकृत.					
१४०४—वर्धमार्नानर्वाण् कल्या <mark>ण्क (सं०) त्रसगकविकृत.</mark>					

```
१४०५-ऋषिमंडलपूजास्तोत्र (सं०)
१४०६ - सूर्यमंत्र (१) पद्मावतीमंत्र (२) चक्रेश्वरीमंत्र (३)
        शान्तिनाथमंत्र (४).
१४०७-भक्तामर ( सं० हि० ) ऋद्धि-मंत्र-गुण्युक्त.
१४०८—श्रीपालस्तुति. ( हि ).
१४०६—पार्श्वनाथस्तुति "
१४१०—वीतरागस्तुति " दीपचन्द्जी कृत.
१४११-सरस्वतीस्तुति (प्रथम) (सं०)
१४१२-सरस्वतीस्तुति (द्वितीय) "
१४१३ - लच्मीस्तोत्र पद्मप्रभक्तत. ( स० )
१४१४--जिनरज्ञास्तोत्र.
१४१५—सरस्वतीस्तोत्र.
 १४१६-पार्श्वजिनस्तुति. (हिंदी).
१४१७-पार्श्वजिनजन्मस्तुति.
                                     भूधरदासजी कृत.
 १४१८--जिनविनती.
                                     दीपचन्दजी कृत,
 १४१६--जिनस्तुति,
 १४२०--बीसतीर्थकरजखड़ी
                               99
 १४२१—तीर्थंकरस्तुति
                               "
 १४२२--परमानदस्तोत्र
                            (सं०)
 १४२३—जिनपंजरस्तोत्र.
 १४२४ — तीर्थंकरस्तृति.
                             (हिर्दा)
 १४२४—घंटाकर्णमहावीरमंत्र. (स०)
 १४२६—तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत.
 १४२७-भक्तामरस्तोत्र. मानतुंगाचार्यकृत.
 १४२⊏<del>—क</del>ल्याग्ममंदिरस्तोत्र. कुमुदचन्द्राचार्य प्रग्णीत.
 १४२६ - विषापहारस्तोत्र. महाकविधनजयकृत.
  १४३०--एकीभावस्तोत्र. वादिराजसूरिकृत.
```

(42)

१४३१--भूपालस्तोत्र. भूपालकविकृत.

१४३२—सर्वजिनस्तुति.

१४३३--पार्श्वनाथस्तुति (प्रा०)

१४३४---महाबीरद्वात्रिशत्का.

१४३४—सरम्बतीस्तोत्र, हेमराजजी कृत,

१४३६ —गौड़ीपार्श्वनाथस्तुति.

समाप्तेयं भाषाग्रन्थानां नामावत्ती ।



मुद्रित-दिगम्बर-जैन-ग्रन्थाः।

१--सिद्धान्त-प्रन्थ।

अर्थप्रकाशिका. परमेष्ठीदासजी व सदासुखजी कृत,

(ज. १४४० व	इ. ७ ख.) हि. श्लो.	११०००मु.च	१४४२वी,नि.१	१६१२
(ज. १४४१ व	F. ≒ ") "	77	"	77
(ज. १४४२ व	r. 37.a) "	77	99	"
(ज. १४४३ व	ह, २४ ″	" (17	71	77
(ज. १४४४ इ	ह. २६ <i>ग</i>) "	77	77	"
(ज. १४४४ इ	চ ২৩ গ) "	17	77	77

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४६ क. १ ख.) अभयचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत मन्दप्रबोधिनी टीका, नेमिचन्द्रकृत तत्वदीपिका टीका और टोडरमलजी कृत सम्यग्ज्ञानचन्द्रिका नामक हिन्दी टीका सहित.

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४७ क. २८१ क.)मूलमात्र,छाया और अवतरिएका युक्त. मु. १६६८

गोम्मटसारजीवकांड. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्तिकृत.

(ज. १४४⊏ क्र. १२२ क.) मु. २४४२, पं० खूबचन्दजी शास्त्री कृत हिंदी युक्त.

गोम्मटसारकर्मकांड. नेमिचन्द्रसैद्धान्तिकृत.

(ज. १४४६ क. २ ख.) नेमिचन्द्राचार्यकृत तत्वदीपिका ना-मक संस्कृतटीका और पं० टोडरमलजी कृत सम्यग्ज्ञानचन्द्रिका नामक हिंदी टीका सहित. (ज. १४४० क. १२३ क.) मृ.२४३८ वी., पं० मनोहरलालजी

```
कृत हिदी सहित.
         (ज. १४४१ क. १२४ क.)
जैन-सिद्धान्त-दर्पण, पं० गोपालदासजी वरैया कृत,
         (ज, १४४२ क. १४६ क.) मू, २४३४ वी, हिंदी.
         (ज. १४४३ क. १४७ ") "
         ( 玩. १४४४ 麻. १४८ " ) " "
जैनसिद्धान्तप्रवेशिका. पं० गोपालदासजी वरैया कृत.
         (ज. १४४४ क. ४४२ क.) हि, नि, मु, २४३४
        ( ज. १४४६ 新. ४४३ " ) "
         ( ज. १४४७ क. ४४० " ) म. जीवराजगौतमद्वारा अनुवा-
         दित. मु. २४३६.
         (ज. १४४८ क. ४४१ ") म.
तत्वार्थराजवार्तिकालकार. भट्टाकलंकदेवकृत
        (ज. १४४६ क. ६१ क.) मं, मृ, २४४१ वी.
        (ज. १४६० क. ६२ क) सं.
तत्वार्थऋोकवार्तिकालकार. विद्यानन्दम्ररिविर्चित.
        (ज. १४६१ क. ६३ क) स. म्-२४४४ वी.
तत्वार्थसर्वार्थसिद्धि, पुज्यपादस्वामी कृत
        (ज. १४६२ क. ३४ ख.) सं मू-१८२४ श.
तत्वार्शसर्वार्शसिद्धि. पं० जयचन्द्रजी कृत
        (ज. १४६३ क. ४२ ख.) हिंदी.
        (ज. १४६४ क ४३ ख.) "
        (ज. १४६५ क. ४४ ख.) "
तत्वार्धसार, अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत
        (ज. १४६६ क. ३ ख.) प० वंशीधरजी कृत हिटी युक्त.
        मु. २४४४ वी. अपूर्ण.
        (ज. १४६७ क्र. ६६ ख.)
                                                    पूर्ण
```

तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत, (ज. १४६८ क्र. ६७ ख.) पं सदासुखजी कृत हिंदी सहित. मू. १६४३ वि. नि. १६१० (ज. १४६६ क. ६८ ख.) (ज. १४७० क. १४६ ख.) (ज. १४७१ क्र. ६६ ख.) जयचन्द्रश्रावणे कृत मराठी यक्त म. १६०४ ई० (ज. १४७२ क.२८२ क.) पंट पञ्चालालजी वाकलीवाल कृत हिंदी यक्त. मू. २४३३ वी. (ज. १४७३ क.२⊏३क.) (ज. १४७४ क. २५४ क.) (ज. १४७४ क. २४८ क) मराठी टीका सहित त्रिलाकसार. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती विरचित. (ज. १४७६ क. २४१ क.) प्रा.माधवसेनत्रैविद्यदेवकृत संस्कृत टीका सहित. (ज. १४७७ क. २४६ क.) प्रा (ज. १४७८ क. ४२४ क.) पं० टोडरमलजी कृत हिदीसहित. दृष्यसंग्रह, नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती कृत. (ज. १४७६ क. १२६ क.) ब्रह्मदेवकृत संस्कृत टीका. श्रीर पं० जवाहरलालजी कृत हिदी सहित. (ज. १४८० क. १२७ क.) (ज. १४८१ क. १२८ क.) (ज. १४८२ क. १२६ क.) (ज. १४८३ क. १४० क.) बाबू मूरजभानु कृत हिंदी युक्त.

(ज. १४८४ क. ३६६ क.) पं० पन्नालालजी कृत हिंदी मराठी सहित. मु० १६०० ई०.

(ज. १४८४ क. १४१ क.)

(ज. १४८६ क. ३६७ क.) पं**०पत्रासासजी कृत हिंदी मराठी** सहित, मु० १६०० ई०.

(ज. १४८७ क. २८४ क.) पं० पन्नालालजी कृत हिंदीमराठी सहित. मु० २४४० वी.

पंचाध्यायी. पं० मक्खनलालजी कृत हिदी.

(ज. १४८८ क. १३० क.) सं०.

(ज १४८६ क. १३१ क.) सं०

लब्धिसार. नेमिचन्द्रसिद्धान्तचक्रवर्ती प्रशीत

(ज. १४६० क. १३२ क) प्रा. पं० मनोहरलालजी कृत हिटी सहित.

34

*

*

२--- अध्यात्मोपदेश-ग्रन्थ।

De 26

त्रनित्यपंचाशन्. पद्मनन्द्याचार्यकृत.

(ज. १४६१ क. २१३ क.) सं० संस्कृत श्रौर गुजराती टीका सहित.

श्रुतुभवप्रकाश, पं० दीपचन्दजी कृत.

(ज. १४६२ क. ७८ स्व.) हिंदी.

(ज. १४६३ क. ७६ ख.) "

श्रात्मानुशासन, गुणभद्राचार्यकृत.

(ज. १४६४ क्र. ७६ स्व.) सं०. ज्ञानचन्द्रजीकृत हिंदी सहित.

(ज. १४६५ क. १३६ क.) सं०. "

(ज. १४६६ क. १८७ क.) सं०. पं० बंशीधरजीकृत हिंदी युक्त.

(ज. १४६७ क. ७७ ख.) सं०. जीवराज गौतमकृत कृत मराठी सहित.

श्रात्मप्रबोध, कुमारकविकृत,

(ज. १४९८ क्र. ३६ ख.) मं०,पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४६६ क. ४० ख.) स०.पं० गजाधरलालजी कृत. हिंदी सहित.

श्राराधनासार. देवसेनसृरिकृत.

(ज. १४०० क ८६ ख.) प्रा पं० गजाधरलालजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४०१ क. ८७ ख) प्रा पंट गजाधरलालजी कृत हिती सहित.

(ज. १४०२ क. २४३ क.) प्रा. रत्नकीर्तिकृतमंस्कृत टीका सहित.

(ज. १४०३ क. २४४ क.) प्रा. रक्षकीर्तिकृतसंस्कृत टीका सहित.

इन्द्रियपराजयशतक.

(ज. १५०४ क्र. २८६ क.) बुद्धलालकृत हिटी पद्य सहित.

(ज. १४०४ क, २८७ क)

, (४०४ का, २५७ का)

इष्टब्रत्तीसी. पं० बुधजनजी कृत.

(ज. १४०६ क. २८८ क.) हिन्दी

उपदेशरत्रमाला जिनसेनपट्टाचार्यकृत.

(ज. १५०७ क्र. ४१ ख) मराठीछद्, नि. स १७४३ रा उपदेशसिद्धान्तरत्रमाला, नेमिचन्द्रभंडारीश्वेताम्बरकृत.

> (ज. १४०८ क. २१४ क.) प्रा. पं० पन्नालालजी बाकली-वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावर्ण कृत मराठी सहित.

> (ज. १४०६ क. २१६ क.) प्रा. प० पन्नालालजी वाकली-वाल कृत हिंदी श्रौर जयचन्द्र श्रावणे कृत मराठी सहित.

> (ज. १४१० क. २१७ क.) प्रा प० पन्नालालजी वाकली-वाल कृत हिंदी और जयचन्द्र श्रावरों कृत मराठी सहित.

छहढाला. पं० दौलतरामजी कृत.

(ज. १४११ क. २२१ क.) हिदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत हिन्दी सहित.

(ज. १४१२ क. २२० क.) हिंदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत हिन्दी सहित.

(ज. १४१३ क २१९ क.) हिदी. बाबू शीतलप्रशादजी कृत हिन्दी सहित.

(ज. १४१४ क. २१८ क.) हिंदी. मुंशी श्रमनसिंहजी कृत हिन्दी सहित.

छहढाला. पं० बुधजनजी कृत.

(ज. १४१४ क १४२ क.) हिदी. मुंशी नाथूरामजी कृत. हिदी युक्त.

ज्ञानार्णव शुभचन्द्राचार्यप्रणीत.

(ज. १५१६ क. १०७ क.) स प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त.

(ज. १४१७ क्र. १०८ क.) सं प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत. हिन्दी युक्त

(ज १४१८ क. १०६ क) स. प० पन्नालालजी बाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त

(ज. १४१६ क. ११० क.) सं. प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त

(ज. १४२० क्र १११ क.) सं. पं० पन्नालालजी बाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त.

(ज. १४२१ क. ११२ क) सं. पं० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिन्दी युक्त.

तत्वज्ञानतरंगिणी, भट्टारकज्ञानभूषणकृत. (ज. १४२२ क्र. ८२ ख.) सं.पं श्राजाधरलालजीकृतहिदीसहित (ज. १२२३ क. ८३ ") सं. (ज. १४२४ क. ५४ ") स. (ज. १४२४ क. ८४ ") सं. दशलच्चा्धर्म. पं० सदासुखजी कृत. (ज. १४२६ क. २२२ क.) हिंदी. दशलच्रणधर्मजयमाला. रइधूकविविरचित. (ज. १४२७ क. २८६ क.)प्रा.प० लालारामजी कृत हिदी युक्त. (ज. १४२८ क. २६० क.) प्रा. धर्मपरीचा. अमितगतिसरिकत. (ज. १४२६ क. २२३ क.) स० प० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिदी सहित. (ज. १४३० क. २२४ क.) (ज. १४३१ क. २२४ क.) नियमसार. कुन्दकुन्दर्षिप्रणीत. (ज. १४३२ क. २६१ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित संस्कृतव्याख्या और शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त, (ज. १४३३ क. २६२ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित संस्कृतव्याख्या श्रौर शीतलप्रसादजी कृत हिदीयुक्त. (ज. १४३४ क. २६३ क.) प्रा. पद्मप्रभमलधारी विरचित संस्कृतव्याख्या और शीतलप्रशादजी कृत हिदीयुक्त. पद्मनिद्धपंचशतिका. श्राचार्यपद्मनिद्विरचित.

(ज. १४३४ क. २८ ख.) सं. पं० गजाधरलालजीकृत हिंदी सहित. (ज. १४३६ क्र. २६ ख) सं. मराठीवृत्त, मराठीभाषा श्रीर हिंदी ऋर्थ सहित.

(ज. १४३७ क. ३० ख) सं,

77

परमात्मप्रकाश. योगीन्द्रदेवकृत.

(ज. १४३८ क. ११३ क.) प्रा. ब्रह्मदेवकृत संस्कृत टीका ऋौर पं∘ दौलतरामजी कृनहिदी सहित.

(ज. १४३६ क. १४३ क.) प्रा.सूरजभानू वकीलकृतहिदीयुक्त.

(ज. १४४० क. १४४ क.) प्रा.

(ज. १४४१ क. १४४ क.)प्रा सूरजभान् वकीलकृतहिन्दीयुक्त.

(ज, १४४२ क. १४६ क.) प्रा.

परमार्थजकड़ी.

(ज, १४४३ क. २६४ क.) हिंदी.

पंचास्तिकाय कुन्दकुन्ददेवकृत.

(ज. १४४४ क ११६ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका और पट पत्रालालजी कृत हिदी सहित।

(ज. १४४४ क. ११७ क.) प्रा. त्र्यमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका त्रोर प० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित ।

(ज. १४४६ क. ११८ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका श्रीर प० पन्नालालजी कृत हिंदी सहित।

(ज. १४४७ क्र. ११६ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिकृतसंस्कृत टीका श्रौर पं० पन्नालालजी कृत हिदी महित.।

प्रवचनसारप्राभृत. कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत.

(ज. १४४८ क ११४ क.) प्रा. अमृतचन्द्रसृरिप्रणीत तत्वप्र-दीपिका जयमेनाचार्यविरचित तान्पर्यवृत्ति और पांडेहेमराजजी कृत हिदी सहित । (ज. १४४६ क. ११४ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिप्रणीत तत्वप्र-दीपिका जयसेनाचार्यविरचित तात्पर्यवृत्ति श्रौर पांडे हेमराजजी कृत हिदी सहित।

प्रवचनसारपरमागम. कविवरबनारसीदासजी कृत.

(ज. १४४० क. २६४ क.) हिदीपद्य.

(ज. १४४१ क. २६६ क.) "

प्रश्नोत्तररत्नमालिका, राजर्षि-श्रमोघवर्षकृत,

(ज. १४४२ क्र. २६७ क.) सं. जिनवरदासजीकृत हिदी सहित.

बुधजनशतसई. पं० बुधजनजीकृत.

(ज. १४४३ क. ४४६ क.) हिंदीपद्य मु. का. २४३६ वी.

(ज. १४४४ क. ४४४ क.) हिदीपद्य " २४४३ बी.

भूधरशतक. कविवरभूधरदासजीकृत.

(ज. १४४४ क्र. १४७ क) हिदीवृत्त.

मकरध्यजपराजय, पं० गजाधरलालजी कृत हिर्दा.

(ज. १४४६ क. २६८ क.) जिनदेव कृत संस्कृतका अनुवाद,

(ज. १४४७ क. २६६ क.)

मोत्तमार्गप्रकाशक. प० टोडरमलजी कृत.

(ज. १४४८ क. ७० ख) हिंदी मु० १६४४ वि.

(ज. १४४६ क. १३७ क.) हिंदी "

(ज. १४६० क. ३०० क) हिंदी मृ० २४३८ वी

योगसार. वृद्ध-श्रमितगतिविरचित.

(ज. १४६१ क. ६ ख) सं. पं० गजाधरलालजी कृत हिटी सहित.

(ज. १४६२ क. १० ख.) सं०

(ज. १४६२ क. ११ ख.) संव्यंव्याजाधरलालजी कृत हिंदी. (ज. १४६४ क. १२० क.) संव्य

योगप्रदीप.

(ज. १४६४ क. २२६ क.) गुजराती.

रयणसार, कुन्दकुन्दाचार्यप्रशीत

(ज. १४६६ क. २२७ क.) प्रा. पं० कलापा भरमाप्पाकृत मराठीसहित.

शीलमाहात्म्य.कविवरवनारसीदासजी कृत

(ज. १४६७ क. ३६२ क.) हिन्दी छंद.

षट्पाहुड कुन्द्कुन्दाचार्य कृत.

(ज. १४६८ क. १८८ क.) प्रा. प० गौरीलालजीकृत हिंदी युक्त (ज. १४६८ क. १८६ क.) प्रा. "

सज्जनचित्तवल्लभ, मिल्लपेणाचार्यविरचित,

(ज. १४७० क. १४८ क.) स. प० मिहरचन्दजी कृत पद-च्छेद, संस्कृतटीका, श्रन्वय, हिन्दी ऋर्थ और हिन्दी छंद युक्त. (ज. १४७१ क. ३०१ क.) स. प० मिहरचदजी कृत पद्य हिन्दी ऋर्थ और पं० नयनानन्दजी कृत हिन्दी पद्य महित.

(ज. १४७२ क. ३०२ क) सं

समयसारप्रासृत, कुन्दकुन्दाचार्यप्रणीत.

(ज. १४७३ क. ४४ ख.) प्रा.प० जयचन्द्जी कृत हिदी सहित.

(ज. १४७४ क. ४६ ") प्रा.

(ज. १४७४ क. ४७ ") प्रा. "

(ज. १४७६ क्र. १२१ क.) प्रा. श्रमृतचन्द्रसूरिकृतात्मख्याति जयसेन कृत तात्पर्यवृत्ति और पं० जयचन्द्जी कृत हिन्दी सहित. (ज. १४७७ क्र. ९० क.) या. श्रमृतचन्द्रसूरि कृत श्रात्म-ख्याति श्रौर जयसेनाचार्यकृत तात्पर्यवृत्ति सहित समयसारकलश. श्रमृतचन्द्रसृरिकृत.

> (ज. १४७८ क. १२ ख.) सं. शुभचन्द्रभट्टारक कृत संस्कृत टीका और पं० जयचन्टजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४७९ क. १३ ख. सं. "

समयसारनाटक. कविवरवनारसीदासजी कृत.

(ज. १५८० क्र. १४ ख.) हिंदीपद्य, नानारामचन्द्रनाग कृत हिंदी युक्त.

(ज. १४८१ क. ८६ क.) " गुजराती ऋर्थ महित.

(ज. १४८२ क. १४६ क.) " मूलमात्र.

(ज. १४८३ क. १६० क.) "

(ज. १४५४ क. १६१ क.) ""

(ज. १४८४ क. ३६४ क) ""

सम्यग्ज्ञानदीपिका. जुल्लकधर्मदासजी कृत.

(ज, १४८६ क. ४ ख.) हिंदी,

(ज. १४८७ क. ४ ख.)

(ज. १४८८ क. १३८ क.) "

समाधिशतक. पूज्यपादस्वामिकृत.

(ज. १४८६ क्र. ४२७ क.)सं. प्रभाचन्द्राचार्यविरचित सस्कृत टीका श्रौर मराठी भाषान्तर सहित.

(ज. १४६० क. ४२८ क.) सं.

(ज. १४६१ क. ४२६ क.) सं "

सुभाषितरत्रसन्दोह. श्रमितगतिसूरिकृत.

(ज. १४६२ क. १६ ख.) सं. पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत हिंदी सहित.

(१०१)

(ज. १४६३ क. १७ ख.) सं. प० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत (ज. १४६४ क. १८ ख.) सं. "

सूक्तमुक्तावली, सोमप्रभाचार्यविरचित.

(ज. १४६४ क. ३०३ क.) सं. कविबनारसीदासजी कृत हिंदी पद्य श्रीर पं० लालारामजी कृत हिंदी सहित.

(ज. १४६६ क. ३०४ क.)

स्वानुभवदर्पण, मुंशीनाधृरामजी कृत.

(ज. १४६७ क. १६६ क.) हिटीपरा.स्वोपज्ञ हिंदी ऋथीं युक्त. (ज. १४६८ क. १६४ क.) ""

ak 4(†

३--म्राचार-प्रन्थ।

- CORDE

श्रनगारधर्मामृत सूरिकल्पश्राशाधरजीकृत.

(ज. १४६६ क. २४४ क.) मं., म्बोपज्ञ भव्यकुमुद्चिन्द्रका-ख्य टीका सिहत.

श्रमितगतिश्रावकाचार, श्राचार्य-श्रमितगतिकृत.

(ज. १६०० क. १६० क.) सं. पं० कलाप्पा भरमप्पा कृत मराठी अनुवादयुक्त.

त्राचारसार, वीरनन्दिसैद्धान्तिकृत.

(ज. १६०१ क्र. २४६ क.) सं

(ज. १६०२ क. २४७ क.) सं.

उपासकाध्ययन. वसुनन्दिसैद्धान्तिकृत.

(ज. १६०३ क. १६४ क.) प्रा. हिदी अर्थ सहित. वसुनन्दि-श्रावकाचारापरनाम.

(ज. १६०४ क. १६६ क.) प्रा. हिंदी ऋर्य सहित. वसुनन्दि-श्रावकाचारापरनाम.

चारित्रसार, चामुंडरायमहाराजकृत.

(ज, १६०४ क, २४८ क.) मं.

(ज. १६०६ क. २४६ क.) मं.

कियामंजरी.

(ज. १६०७ क्र. ४३६ क.) मराठी.

(ज. १६०८ क. ४४० क.) "

जिनाचारविधि. त्रार, त्रार, वोवड़े,

(ज. १६०६ क. ३६८ क.) मराठी.

ज्ञानानन्दश्रावकाचार, रायमञ्जजी कृत.

(ज. १६१० क. ३०४ क.) हिन्दी

त्रैवर्णिकाचार. भट्टारकसोमसेनमुनिकृत.

(ज. १६११ क्र. ३६ ख) म. कालापाभरमापानिटवे कृत मराठी युक्त.

(ज. १६१२ क. ३७ ख.) सं.

(ज. १६१३ क. २८ ख.) स.

द्वादशानुप्रेचा.

(ज. १६१४ क. ४३ ख.) हिन्दी.

(ज. १६१५ क. ५४ ख.) "

द्वादशानुप्रेचा. पं० कृष्णकृत.

(ज. १६१६ क. २४१ क.) गुजराती छंद, नि. स. १८६६

द्वादशानुप्रेचा. कुन्दकुन्दाचार्य कृत.

(ज. १६१७ क. ४४६ क.) प्रा. कालचन्द्रजिनदत्तकृत मराठी सहित.

(ज. १६१८ क. ३०७ क.) " नाथूरामजी प्रेमी श्रीर मनो-हरलालजी कृत हिन्दी युक्त.

धर्मसार. पं० शिरोमणिदासजी कृत.

(ज. १६१६ क. ३०६ क.) हिन्दी, नि. स. १७३२ धर्मसंप्रहश्रावकाचार. प० मोधाचीकृत.

> (ज. १६२० क. १६१ क.) सं. उदयलालजी कारालीबाल कृत हिन्दी सहित.

(ज. १६२१ क. १९२ क.) सं.

77

(ज. १६२२ क. १९३ क.) सं.

77

पुरुषार्थसिद्धय पाय, अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत

(ज. १६२३ क. १३३ क.) मं. नाथूरामजी प्रेमी कृत हिन्दी सहित

भगवती-श्राराधना शिवकाटिमुनिरचित.

(ज. १६२४ क. ४६ ख.) प्रा. प० सदासुखजी काशलीवाल कृत हिन्दी युक्त.

(ज. १६२४ क. ४० ख.) प्रा.

77

(ज, १६२६ क, ४१ ख.) प्रा.

77

(ज, १६२७ क्र. ४२ ख,े) प्रा.

77

रत्नकरंडश्रावकाचार, समन्तभद्राचार्यकृत.

(ज. १६२८ क. ६ ख.) स. पं० मदासुखजीकृतहिदी सहित.

(ज. १६२९ क्र. ४६ ख) मं०

"

(ज. १६३० क्र. ४७ ख) सं०

77

(ज. १६३१ क. ४८ ख.) संव

71

(ज. १६३२ क. ४६ ख.) सं० पं० सदासुखर्जाकृतहिंदी सहित. (ज. १६३३ क. ३०८ क.) सं० पं० पन्नालालजी वाकलीवाल कृत हिंदी सहित.

(ज. १६३४ क. ३०६ क.) स० "

(ज. १६३४ क. ३१० क.) सं० "

(ज. १६३६ क. ३११ क.) सं०

(ज. १६३७ क. ३१२ क.) स.

(ज. १६३८ क. ४४४ क) मं० हीराचन्दजी नेमचन्दजी कृत मराठीहिन्दीयुक्त.

(ज, १६३९ क्र. ४४४ क.) सं.

(ज. १६४० क्र. ४४६ क.) सं. "

(ज. १६४१ क. ४४७ क) सं० प्रेमचन्दजी मोतीचन्दजी कृत गुजराती सहित

(ज. १६४२ क्र. ४४⊏ क.) पं० गिरिधरशर्मा कुतहिदीपद्य.

श्रावकवनिताबोधिनी. जयद्यालमझकृत.

(ज. १६४३ क. ३१३ क) हिंदी.

(ज. १६४४ क. ३१४ क.) "

(ज. १६४४ क. ३१४ क.) हिटी.

(ज. १६४६ क. ३१६ क.) "

(ज. १६४७ क. ३१७ क.) "

सागारधर्मामृत सूरिकल्पत्राशाधर विरचित.

(ज. १६४८ क. १६४ क.) स. प० कलापा भरमप्पा कृत मराठी सहित,

(ज. १६४६ क. १६४ क.) सं० स्वोपश्चभव्यकुमुद चिन्द्रका टीका और कलापा भरमाप्पा कृतमराठी सहित,

(ज. १६४० क. २६० क.) स	i, स्वोपज्ञभव्यकुमुदन	बन्द्रिका-
ख्यसंस्कृतटीकायुक्त .		
(ज. १६५१ क. २६१ क.) स	"	
(ज. १६४२ क्र. २६२ क.) सं	27	
(ज. १६४३ क्र. २६३ क.) स	77	
(ज, १३५४ क्र. ३१८ क) स	. पं० लालारामजी इ	इत हिदी-
सहित, पूर्वार्ध.		
(ज. १६४४ क. ३१६ क.) १	" "	
(ज. १६४६ क. ३२० क.) '	7 77	
(ज. १६४७ क. ३२१ क.) "	77	उत्तरार्ध.
(ज १६४⊏ क्र. ३२२ क.) '	, 11	77
स्वामिकार्तिकेयानुप्रेत्ता. स्वामिकार्तिकेयक्त	त.	
(ज. १६४६ क. १३४ क.) इ	पा. प जयचन्द्रजी छ	ावड़ा कृत
हिन्दीयुक्त		
+ +	+	
त्रालोचनापाठ.		

(ज. १६६० क. २१४ फ.) हिदी-पद्म, ललिताबाईकृत गुजराती ऋर्ध सहित.

सामायिकपाठ, अमितगतिसूरिकृत.

(ज. १६६१ क. ३२३ क.) मं. शीतलप्रसादजी कृत हिन्दी सहित.

सामायिकपाठ. पं०महाचन्दजी कृत.

(ज. १६६२ क. ४३२ क.) हिदीपद्य. पं० नन्दनलालजी कृत गुजराती सहित.

(ज. १६६३ क. ४३३ क.) "

(108)

४-इतिहास-प्रन्थ।

आदिपुराण, जिनसेनाचार्य कृत.

(ज. १६६४ कृ. ४४ ख.) स०, प० लालारामजीकृत हिंदी युक्त.

चत्रचूड़ामणि. वादीभसिंहसूरिकृत.

(ज. १६६¥ क्र. ३२४ क.) सं० लाला मुशीलालजी कृत हिन्दी सहित.

चन्द्रप्रभचरित. रूपनारायग्रापांडेयकृत.

(ज. १६६६ क. ३२४ क.) हिंदी वीरनन्दी कृत संस्कृतका श्रनुवाद.

(ज. १६६७ क. ३२६ क.) "

चारुदत्तचरित, पं० भारामलजी कृत.

(ज. १६६८ क. १८४ क.) हिर्न्दापरा

जिनदत्तचरित, गुणभद्रभदन्तकृत,

(ज. १६६६ क. २६४ क.) मं०

(ज. १६७० क. २६५ क.) "

जिनदत्तचरित. श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत.

(ज. १६७१ क. ३२७ क.) हिन्दी गुराभद्राचार्यकृतसंस्कृत का अनुवाद.

तीर्थंकरचरित्र, नेमिनाथपांगलकृत.

(ज. १६७२ क. १६६ क.) मराठी.

नेमिचरित विक्रमकविकृत.

(ज. १६७३ क. ३२८ क.) सं० उदयलालजी काशलीवाल कृत हिन्दी सहित.

(ज. १६७४ क. ३२६ क.) सं०

```
नेमिपुराण, उदयलालजी कृत.
        (ज. १६७४ क. ३३० क) हिन्दी नेमिदत्त कृत संस्कृतका
        अनुवाद
पद्मपुराण, पं० दौलतरामजी कृत,
        ( ज. १६७६ क्र. ६० ख. ) हिन्दी मृ०-रविषेणाचार्य.
        (ज. १६७७ क. ६१ ख.) "
        (ज. १६७८ क. ६२ ख.) "
                                              "
पांडवपुराण्, पं० घनश्यामदासजी कृत.
        (ज १६७६ क. १३५ क.) हिन्दी भट्टारकाचार्यशुभचन्द्र-
        प्रणीतका अनुवाद.
पार्श्वप्राण, कविभूधरटासजी विरचित
        (ज. १६८० क १६६ क.) हिंदी छन्द. नि. स. १७८६
पार्श्वनाथचरित, वाटिराज सूरिकृत.
        (ज. १६८१ क. २६६ क.) सं० नि. ६४७ श.
        (ज १६८२ क. २६७ क.) "
        (ज. १६८३ क. २६८ क.) "
प्रदान्तचरित, महासेनाचार्यप्रणीत.
        (ज. १६५४ क. २६६ क) "
         (ज. १६८४ क २७० क.) "
प्रद्युम्नचरित, नाथूरामजी प्रेमी कृत
         (ज. १६८६ क. १६ ख.) हिर्दा आचार्यसोमकीर्तिकृत-
         संस्कृतका अनुवाद.
         ( ज. १६८७ क. २० ख. ) "
         (ज. १६८८ क. २१ ख) "
प्रागाप्रियकाव्य, रबसिहम्निकृत.
         (ज. १६८६ क. ३६६ क.) सं० नाथुरामजी प्रेमी कृत हिन्दी
```

सहित.

(ज. १६६० क्र. ४०० क.) म० नाथूरामजी प्रेमी कृत हिन्दी सहित,

भद्रबाहुचरित. रब्ननन्दिकृत.

(ज. १६६१ क्र. २०० क.) स० उदयलालजी काशलीवाल कृत हिन्दी सहित.

महापुराणामृत. रावजी नेमिचन्द्र कृत

(ज् १६६२ क्र. ३३१ क.) मराठी.

महावीरपुरागा. पं० मनोहरलालजी कृत.

(ज. १६९३ क ३३२ क) हिटी, सकलकीर्तिविरचितसंस्कृत का अनुवाद

महावीर-चरित. प्रेमचंद मोनीचंद कृत.

(ज. १६६४क २२६ क) गुजराती.

मुनिसुव्रतकाव्य, ऋहंदासप्रणीत.

(ज. १६९४ क. २३० क) सं० कृष्णजी नारायणकृत मराठी युक्त, दो सर्गमात्र.

यशस्तिलक. चम्पूसोमदेवसूरिप्रणीत.

(ज. १६६६ क. २०१ क.) सं० पृर्वभाग नि. स. ८८१ श.

(ज. १६६७ क्र. २०२ क) सं.

"

(ज. १६६८ क. २०३ क.) सं. उत्तरभाग

(ज. १६६६ क्र २०४ क.) सं. "

यशोधर-चरित, अभिमानमेरुकविपुष्पटन्तविरचित.

(ज. १७०० क्र. १७० क.) प्रा. मूलघत्तामात्र., हिदी ऋर्थ.

(ज.१७०१ क.१५१ क.) प्रा. ""

(ज.१७०२ क.१७२ क.) प्रा. ""

यशोधरचरित उदयलालजी काशलीवाल कृत.

(ज. १७०३ क्र.३३३ क.) हिदी, वादिराजसूरिप्रग्गीत संस्कृत का सार

(ज. १७०४ क. ३३४ क.) हिदी.

(ज. १७०४ क. ३३४ क) हिन्दी "

श्रे शिकपुरास. जनार्वनकृत.

(ज १७०६ क. १३ ख) मराठी छंद नि स. १६६७ श.

श्रे शिकचरित, पं० गजाधरलालजी कृत.

(ज. १७०८ क्र. ३३७ क.) हिंदी सकलकीर्त्तिकृत संस्कृत का अनुवाद

श्रीपाल-चरित, दीपचन्दजी परवार कृत.

(ज १७०७ क ३३६ क.) हिन्दी, परिमल्लजीकृत हिंदी पद्यों का ऋर्थ.

मुकुमाल-चरित, पं० नाथुराम जी दोशी कृत.

(ज १७०६ क. २२८ क.) हिन्दी, सकलकीर्तिवृतसंस्कृतका अनुवाद.

हनुमानचरित. सुखचन्द्र पद्मशाह पोरवाड कृत

(ज. १७१० क्र. ३३७ क.) हिन्दी

हरिवंशपूराण, प० दौलतरामजी कृत,

(ज. १७११ क्र. ६४ ख.) हिन्दी.

(ज. १७१२ क्र. ६६ ख.) "

(ज. १७१३ क्र. ६७ ख.) "

हरिवंशपुराखः पं० गजाधरलालजीकृत.

(ज. १७१४ क. ६४ क.) हिन्दी

(ज. १७१५ क. ६५ क.) "

कथा-ग्रन्थ।

त्राराधनाकथाकोष नेमिटत्तब्रह्मचारी कृत.

(ज. १७१६ क्र. ३३६ क.) मं. उदयलालजीकृत हिंदी श्रनुवादसहित प्रथमभाग.

(ज १७१७ क. ३४० क) मं "

(ज. १७१८ क. ३४१ क) सं

द्वितीयभाग,

(ज. १७१६ क. ३४२ क.) स. "

(ज. १७२० क्र ३४३ क.) सं "

तृतीयभाग

(ज. १७२१ क्र. ३४४ क.) सं

99

(ज. १७२२ क्र. ३४४ क.) सं

पूर्ग

जैनकथामंग्रह. हीराचन्द्रजी नेमिचन्द्रजी कृत्

(ज. १७२३ क २३४ क.) मराठी जैन-कथासंग्रह.

(ज् १७२४ क १७३ क) हिन्दी

(ज. १७२५ क १७४ क.) हिन्दी

(ज. १७२६ क १७४ क) हिंदी

जैनकथासुमनावली,

(ज. १७२७ क. २३३ क.) मराठी

ेजेनत्रतकथासंघहः दीपचन्द्रजीपग्वारकत

(ज १७२८ क ४०२ क.) हिटी

दर्शनकथा. कविभारामस्त्रजीकृत

(ज. १७२६ क. १७७ क.) हिंदी मु० २४३३ वी०

```
( १११ )
```

```
(ज. १७३० क. २३१ क.) " मु० १८६८ ई०
दानकथा, कविभारामल्लजीकृत,
        (ज. १७३१ क. १७६ क.) हिन्दी मु० २४३३ वी०
निशभोजनकथा. कविभारामन्नजीकृत्
        ( ज. १७३२ क्र. १७≍ क. ) हिन्दी
पुष्यास्त्रवकथा नाथुरामजी प्रेमी कृत
        (ज् १७३३ क्र. ३१ ख्) हिन्दी
        (ज्रथ्ये४ क्रा ३२ ख्रा) "
        (ज १७३५ क्र. ३३ स्त्र.) "
        (ज.१७३६ क ३४ ख.) "
भक्तामरकथा. उदयलालजी काशलीवालकृत्
        ( ज. १७३७ क. ३४६ क. ) हिदी,प० रायमहाजी कृत संस्कत
        का अनुवाद
        (ज् १७३८ क्र ३४७ क्) "
                                                 77
        (ज्रध्धेश्क ३४८क) "
त्रतकथासंप्रह्
        (ज १७४० क. ४८ ख. ) गुजराती,
शीलकथा. पं० भारामल्लकृत
        (ज् १७४१ क १७६ क) हिन्दी छुंद
        (ज़ १७४२ का ३४६ क) "
शीलकथा
        (ज्र१७४३ क्र२३२ क्) हिन्दी.
सम्यक्तवकौमुदी.
        (ज्राप्थिप्र क्रा ३४० क्रा) सुपं तुलसीरामजी कृत हिंदी
        सहित्
```

(११२)

(ज. १७४४ क. ३४१ क.) सं तुलसीरामजी कृत हिन्दी सहित,

(ज् १७४६ क् ३४२ क्) स्

*

५-नाटक-च्याकरण-कोष-म्रलंकार-ग्रन्थ।

मैथिलीकल्याएा. हस्तिमल्लकविकृत.

(ज. १७४७ क. २७४ क.) स.

(ज. १७४८ क्र. २७६ क.) सं.

विक्रान्तकौरव. हस्तिमल्लकविकृत.

(ज. १७४६ क २७३ क.) स.

(ज. १७४० क. २७४ क.) सं.

जैनेन्द्रप्रक्रिया. श्राचार्यगुणनन्दिकृत.

(ज. १७४१ क. ३४३ क.) मं.

(ज. १७४२ क. ३४४ क.) सं.

शब्दार्णवचन्द्रिका. सोमदेवसूरिकृत.

(ज, १७४३ क. ६६ क.) स

(ज. १७५४ क ६७ क.) "

शाकटायनचितामणि. यत्तमवर्मकृत

(ज. १७४४ क. ६८ क.) सं अपूर्ण.

शाकटायनधातुपाठ. शाकटायनाचार्यकृत.

(ज. १७४६ क. ४३४ क.) सं

संस्कृतप्रवेशिनी, पं० श्रीलालजी काव्यतीर्थ कृत.

(ज. १७५७ क. २०६ क.) सं प्रथमभाग.

(ज. १७४८ क. २०७ क.) सं.

"

(ज. १७४६ क. २०६ क.) सं. हितीयभाग. (ज. १७६० क. २०६ क.) सं. "

कातंत्रव्याकरण्. सर्ववर्मकृत्

(ज. १७६१ क्र. २०५ क.) स. भावसेनकृतप्रक्रियासहित. विश्वलोचनकोष, श्रीधरसेनाचार्यविरचित.

> (ज. १७६२ क ३४४ क.) सं नन्दलालजी शर्मा कृत हिन्दी सहित

(ज़ १७६३ क्र ३४६ क) स " वाग्भटालकार. वाग्भटप्रणीत

> (ज १७६४ क्र. २४० क.) स. मुरलीधरशर्मा कृत संस्कृत टीकायुक्त.

६--न्याय-ग्रन्थ।

300

श्रष्टसहस्री. विद्यानंदसूरिप्रणीत

(ज १७६५ क. ६६ क) सं

त्राप्तपरीचा. विद्यानदसूरिप्रणीत

(ज. १७६६ क्र. १०० क.) स. स्वापज्ञायाख्यायुक्त.

(ज. १७६८ क १०१ के.) "

पत्रपरीचा, विद्यानदसूरिप्रणीत.

(ज. १७६७ क १०० क.) "

(ज. १७६६ क. १०१ क.) "

श्राप्तमीमांसा. समन्तभद्राचार्यप्रणीत

(ज. १७७० क. १०२ क.) सं. त्राकलंकदेवविरचित श्रष्ट-शती श्रौर वसुनंदी कृत वृत्तिसहित.

(ज. १७७१ क. १०३ क.)

77

प्रमाणपरीचा. विद्यानंदसूरिप्रणीत

(ज. १७७२ क. १०२ क.) स.

(ज. १७७३ क. १०३ क.) "

श्राप्तमीमांसा. समन्तभद्राचार्यप्रणीत

(ज. १७७४ क. २११ क.) स. वसुनंदीसैद्धान्तीकृत वृत्ति श्रीर मराठी अनुवाद सहित्

(ज. १७७४ क. ३७० क.) सं. मूलमात्र.

न्यायदीपिका. धर्मभूषणयतिविरचित.

(ज. १७७६ क. ८० ख.) सं.

(ज १७७७ क ६१ ख) "

(ज्१७७८ क् २४९ क.) सं

(जा १७६६ का ३६८ का) "

(जा १७८० का ३६६ क.) "

(ज १७८१ क ३६४ क) " पं० खुबचंदजी कृत हिंदी सहित्

परीचामुख. माणिक्यनन्दिप्रणीत.

(ज. १७८२ क ३६६ क) सं. पं०गजाधरजी कृत हिन्दी श्रीर सुरेन्द्रकुमारजी कृत बंगला सहित.

(ज. १७⊏३ क्र. ३६७ क.) सं.

77

भमाण्निर्णय. वादिराजसूरिप्रणीत.

(ज. १७८४ क. २७१ क.) सं.

(ज.१७५४ क.२७२ क.) "

प्रमेयकमलमार्तंड. प्रभाचन्द्राचार्यविरचित.

(ज. १७८६ क. ७४ ख.) सं.

(牙, १७८७ 新, 少义 祠,) "

सप्तमंगीतरंगिएी, विमलदासप्रएीत.

(ज. १७८८ क. १०४ क.) सं.ठाकुग्दासशर्मा कृत हिंदी सहित

(ज. १७८६ क. १०४ क.) सं.

77

(ज. १७६० क. १०६ क.) सं.

"

37.45

अकलंकस्तोत्र, अकलंकदेवकृत,

(ज. १७६१ क. ४३४ क.) स पं पन्नालालजी बाकलीबाल कृत हिन्दी सहित.

कल्याणमन्दिरस्तोत्र. कुमृदचन्द्राचार्यकृत.

(ज. १७६२ क्र. ४२३ क.) मं. गुजराती गद्य-पद्यसहित.

(ज. १७६३ क. ४२४ क.) स.

77

(ज. १७६४ क. ३७१ क.) सं. बुद्धलाल श्रावक कृत हिन्दी गद्य-पद्य सहित.

कल्याग्मिन्दरस्तोत्र (परमज्योति) बनारसीदासजी कृत.

(ज. १७६४ क. ३७१ क.) हिन्दी पद्य.

जिनसहस्रनाम. जिनसेनाचार्यकृत.

(ज. १७६६ क. ४३७ क.) सं. कलापाभरमापाकृत मराठी सहित.

(ज. १७६७ क. ४३८ क.) सं.

जिनेन्द्रपंचकल्याण (पंचमंगल) रूपचन्द्रजी कृत.

(ज. १७६८ क. ३७२ क.) हिन्दीपद्य.

पंचामृताभिषेक.

(ज १७६६ क. ३७२ क.) "

भक्तामरम्तोत्र. मानतुंगाचार्यप्रणीत.

(ज. १८०० क. ४३६ क) सं.

(ज. १८०१ क. ४३६ क.) हिन्दीपद्य हेमराजजी कृत.

म्वयंभ्रस्तोत्र. समन्तथद्राचार्यविरचित.

(ज. १८०२ क २१२ क.) स प्रभाचन्द्राचार्यप्रणीत संस्कृत टीका और जिनवासशास्त्री कृत मराठी सहित.

हिदीभक्तामर. गिरिधरशर्माकृत.

(ज. १८०३ क. ३७३ क) पदा

(ज. १८०४ क. ३७४ क) "

7°

28

-31

८—पुजा-ग्रन्थ।

1090020

जिनयज्ञकल्प, स्रिकल्पत्राशाधरविरचित.

(ज. १८०४ क.३७४ क.) सं.पं० मनोहरलालजी कृत हिंदी युक्त. ऋषिमंडलयंत्रपूजा. त्राचार्यगुणनन्दिकृत.

> (ज. १८०६ क्र. ३७६ क.) सं. पं०मनोहरलालजी कृत हिन्दी सहित.

तेरहद्वीपपूजाविधान. लालजीकृत.

(ज. १८०७ क. १६८ क.) हिन्दी नि. स. १८७७.

मत्यार्थयज्ञ. मनगंगलालजीकृत.

(ज. १८०८ क. ४४१ क.) हिदी.

-8c

*

恭

६-संग्रह-ग्रन्थ।

37 46

चर्चाशतक. कविवरद्यानतगयजी कृत

(ज. १८०६ क्र ७१ ख) हिटीछंट नानागमचन्द्र नाग कृत हिन्दी अर्थ सहित

(ज.१८१० क. ७२ ख) "

(ज १८११ क ७३ ख) "

(ज. १८१२ क ३७७ क) " नाश्रगमजी प्रेमी कृत हिन्दी सहित.

चौबीसठाणाचर्चा. चुल्लकधर्मदासजी कृत

(ज. १८१३ क्र. ८८ क.) हिडी मृ. १६४८.

(ज. १८१४ क ४६० क) "म २४३२ वी

चौबीसठाएगादि. (क्र. ४६१ क)

१८१४—चौबीमठागाचर्चा चुन्नकधर्मदासकृत

१८१६—चौबीसठाना हिन्दीपद्य

१८१७—चौबीसटंडक हिदीछंद पं० दौलतरामजी कृत.

चौबीसठागादि (क. ४६२ क.)

(ज १८१८-१८२०) क्र. ४६१ वन.

चौबीसठागादि. (क्र. ४६३ क.)

(ज. १८२१-१८२२-१८२३) क्र. ४६१ वत्.

娄

#

(११८)

१०--पद-वितास-ग्रन्थ।

जिनवासीमाताकी पुकार. परमेष्टिटासजी कृत.		
(ज. १५२४ क. ३६३ क.)	हिन्दी छन्द.	
जैनपदसंब्रह, पं० भागचन्दजी कृत.		
(ज. १८२४ क. ३८० क.)	13	
जैनपदसंप्रह. पं० द्यानतरायजी कृत.		
(ज. १८२६ क. ३८१ क.)	17	
जैनपदसंग्रह. बुधजनजी कृत		
(ज. १८२७ क्र. ३८२ क.)	77	
ज्ञानानन्दरत्नो कर, मुंशीनाथूरामजी कृत.		
(ज. १८२८ क. २८६ क.)	77	
दौलतविलास. दौलतरामजी कृत		
(ज. १८२६ क. ३८३ क.)	99	
प्रभुविलास. प्रभुदयालजी कृत.		
(ज. १८३० क. २४० क.)	77	
वनारसीविलास. बनारमीदासजी कृत.		
(ज. १८३१ क. ३८६ क.)	51	
ब्रह्मविलास, भैया भगवनीटामजी कृत.		
(ज. १८३२ क. ३८४ क.)	"	
(ज. १८३३ क. ३८५ क.)	77	
वृन्दावनविलास. वृन्दावनजी कृत.		
(ज. १८३४ क. ३८७ क.)	27	
(ज. १८३४ क. ३८८ क.)	77	
गोपालभजनमाला. गोपालसाव कृत.		
(ज १८३६ क. ३७८ क.)	99	

चर्चासमाधान. भूधरदासजी कृत.

(ज. १८३७ क. २२ ख.) हिन्दी.

जिनपद्यरबावली, दत्तात्रयभीमाजी कृत.

(ज, १८३८ क. ४४२ क.) मराठी.

११-गुच्छक-मन्थ।

ब्रन्थत्रयी (क्र. ३८६ क.) पं लालारामजी कृत हिदी.

१८३६—तत्वानुशासन (सं.) नागसेनाचार्यविरचित.

१८४०—वैराग्यमणिमाला (सं.) श्रीचन्द्रकविकृत.

१८४१-इष्टोपदेश (सं.) पूज्यपादस्वामिकृत.

तत्वानुशासनादि (क्र. २७७ क.)

१८४२—तत्वानुशामन. नागसेनाचार्यविरचित.

१८४३ —इष्टोपदेश, पूज्यापाटस्वामिप्रणीत.

१८४४—नीतिसार इन्द्रनन्दिकृत.

१८४४-मोद्यपंचशिका.

१८४६—श्रुतावतार (पद्य) इन्द्रनन्दिकृत.

१८४७—ऋध्यात्मतरगिर्णा. सोमदेवसूरिकृत.

१८४८—पचनमस्कारस्तात्र.विद्यानन्दिविरचित.प्रभाचन्द्राचार्य विरचित संस्कृत टीकायुक्त.

१८४९—ऋध्यात्माष्ट्रक. वादिराजसूरिप्रणीत.

१८४०—द्वात्रिशत्का. अमितगतिसूरिकृत.

१८४१—वैराग्यमणिमाला. श्रीचन्द्रकविष्रथित.

१८४२—नत्वसार (प्रा.) देवसेनसूरिप्रणीत.

१८४३--अ तस्कन्ध (प्रा.) ब्रह्महेमचन्द्रविहित.

१८४४--ढाढसीगाथा (प्रा.).

१८४४-- ह्यानसार (प्रा.) पद्मसिह्मुनिकृत.

तत्वानुशासनादि (क. २७८ क.)

(ज. १८४६ से १८६६)

लघीयस्त्रयादि (क. २७६ क.)

१८७०--लघीयस्त्रय, भट्टाकलकदेवप्रणीत अभयचन्द्रसूरि-विरचित स्याद्वादभूषणाख्यतात्पर्यवृत्ति सहित.

१८७१—स्वरूपसम्बोधन पंचविशति. भट्टाकलंकदेवप्रणीत. + १८७२—लघुसर्वज्ञसिद्धि. ऋनन्तकीर्तिकृत.

१८७३—बहत्सर्वज्ञमिद्धि.

लघीयस्रयादि (क. २८० क.)

(ज. १८७४ में १८७७)

सनातनजैनप्रन्थमाला. प्रथमगुच्छक (क्र. ४३० क.)

१८७८—स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्राचार्यप्रशीत.

१८७६ — रत्नकरडश्रावकाचार,

१८८०—पुरुपार्थसिद्धयुपाय. अमृतचन्द्रसूरि विरचित.

१८८१-- त्रात्मानुशासन, गुणभद्रभद्तकृत.

१८८२—तत्वार्थसूत्र. उमास्वामिरचित

१८८३—तत्वार्थसार, अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत.

१८८४-ऱ्यालापपद्धति, देवसंनसूरिविहित.

१८८४-समयसारकलश. अमृतचन्द्रसूरिप्रणीत.

१८८६—परोत्तामुखसूत्र. माणिक्यनन्दिविरचित.

१८८७—श्राप्तपरीज्ञा. विद्यानन्दिकृत.

१८८८ — आप्तमीमांसा. समन्तभद्रमथित-वसुनन्दिसैद्धान्तिकृत वृत्ति सहित.

१८८६--युक्त्यनुशासन

१८६०—नयविवरण, विद्यानन्दिस्वामिप्रणीत.

१८६१—समाधिशतक. पूज्यपादस्वामिकृत.

सनातन जैनग्रन्थमाला-प्रथमगुच्छक.

(ज. १८६२-१६०४)

भक्तामरस्तोत्रादि (क. ३६० क.)

१६०६—भक्तामरस्तोत्र. नाथूरामजी प्रेमी कृत हिदी गद्य-पद्य युक्त.

१६०७—रत्नकरंडश्रावकाचार. पं० पञ्चालालजी कृत हिंदी अथेसहित. सान्वय.

१६०८—तत्वार्थसूत्र, उमास्वामिकृत.

१६०६-- त्रालाचनापाठ (हिन्दी पद्य)

१६१०-सामायिक-पाठ. महाचन्द्रजीकृत. (हिंदी पद्य).

१६११-भक्तामरस्तोत्र, मानतुंगाचार्यकृत.

१६१२--भक्तामरभाषा. हेमराजजी कृत. (हिन्दी पद्य.)

१६१३- छहढाला, प० टौलनरामजीकृत

१६१४-- द्रव्यसग्रह, पञ्चालालजी बाकलीबालकृत हिदीसहित.

पचामृताभिषेकादि (क. ३६४ क.)

१६१४—लघुपचामृतभिषेक (मं.)

१६१६—बृहद्देवशास्त्रगुरुप्जा. (स०-प्रा०)

१६१७-द्वशास्त्रगुरुपूजा (हिटी) द्यानतरायजीकृत.

१६१८—बिशतिविद्यमान तीर्थकर पूजा.

१६१६—सिद्धपूजाष्ट्रक (सं.) विमलसेनाचार्यकृत.

१६२०—सिद्धपूजाजयमाला (सं.) पद्मनिन्दकृत.

१६२१—सिद्धपूजाभावाष्ट्रक. (सं.)

१६२२-पंचमहागुरुभक्ति (प्रा.)

१६२३--शान्तिपाठ, (मं)

१६२४-स्तुति (हिदी)

(१२२)

मुनिवंशदीपिकादि. (क्र. ३६४ क.)

१९२४-मुनिवंशदीपिका, यतिनयनसुखजी कृत. (हिन्दी)

१६२६ - गुरुस्तुति. कविवृन्दावनदासजी ""

१६२७—गुर्वष्टक " "

१६२८—प्रकीर्णकञ्चंद "

स्याद्वार्मंजर्यादि (क. ३६४ क.)

१६२६ स्याद्वादमंजरी (हिन्दीपः) तिलोकचन्द्रजी कृत.

१६३०—पुरुषार्थसिद्धयुपाय. "

पुरुषार्थसिद्धय पायादि (क्र. १६७ क.)

१६३१-पुरुषार्थसिद्धय पाय. हिन्दी ऋर्थ सहित.

१६३२—छहढाला. बुधजनजी ऋत. नाथूरामजी लमेचू ऋत हिन्दी ऋर्थ सहित.

१६३२--भूधर-जैन-शतक. भूधरदासजी कृत. मुंशी अमनसिहजी कृत हिन्दी अर्थ युक्त.

स्वानुभवदर्पणादि. (क्र. १६२ क.)

१६३४ स्वानुभवदर्पण. मुंशी नाथूरामजी कृत. (हिन्दी पद्य) स्वकृत हिदी ऋर्थ सहित.

१६३४ — सज्जनित्तवस्नभ. मिस्रपेणाचार्य कृत. मुंशीनाथृरामजी कृत हिन्दी ऋर्थ सहित.

सुभाषितावल्यादि (क. २३६ क.)

१६३६ - सुभाषितावली. सकलकीर्तिप्रणीत. (मराठी ऋर्थ-सिहन)

१६३७—सज्जनचित्तवल्लभ. मल्लिषेणाचार्यकृत. "

१६३८—स्वयंभूस्तोत्र. समन्तभद्राचार्यकृत. "

१६३९-पुरुषार्थसिद्धयुपाय. ऋमृतचंद्रसूरिप्रणीत. "

१६४०-द्रव्यसंग्रह्, नेमिचन्द्रसैद्धान्तिप्रणीत. "

मुभाषितावल्यादि. (क्र. २४० क.)

१६४१-सुभाषितावली सकलकीर्तिकृत.

१६४२—सज्जनचित्तवल्लभ मक्क्रिषेणाचार्य कृत.

सामायिक-पाठादि. (क्र. १६६ क.)

१६४३-सामायिकपाठ (सं०-प्रा.) गुजराती ऋर्थ सहित.

१६४४--श्रावकप्रतिक्रमण् "

१६४५-जीवाजीवादितत्वम्बरूप (गुजराती) हर्षकीर्तिकृत.

१६४६—सिद्धपूजा.

"

मामायिकपाठादि.

(ज. १६४७-४० क. १६७ क.) क्र. १६६ वत्. सामायिकपाठादि.

(ज. १६४१-४४ क्र. १६८ क.) १६६ वन्. सामायिकपाठादि.

(ज. २१७६–६० क्र. ३६७ क.) १६६ वत. सामायिकपाठादि (क्र. ४१७ क.)

> १६५५—द्वात्रिंशत्का. श्रमितगतिकृत. रावजी नेमिचन्द कृत मराठी श्रर्थ सहित.

१६४६-सामायिक (स.)

77

१६५७-सामायिक (हिटी) पं० माहचन्द्रजी कृत. "

सामायिकपाठादि.

(ज १६४५-६० क्र. ४१८ क) ४१७ वत्. सामायिकपाठादि.

(ज. १६६१-६३ क. ४१६ क.) ४१७ वत्.

मामायिकपाठादि. (ज. १६६४-६६ क्र. ४२० क.) ४१७ वन.

सामायिकपाठादि.

(ज. १६६७-६६ क्र. ४२१ क.) ४१७ वन.

सामायिकपाठादि,

(ज. १६७०-७२ क्र. ४२२ क्.) ४१७ वन्.

नित्यपाठ-संघह. (क. ४६४ क.)

१६७३ - सुप्रभातस्तोत्र. (स.)

१९७४-- दृष्टाष्टकस्तोत्र (सं.) सकलचन्द्रकृत.

१६७४-श्रद्याष्ट्रस्तोत्र (सं.) गुरानन्दिकृत.

१६७६-नमस्कारस्तोत्र (सं.)

१६७७--जिनमहम्रनाम (सं.) जिनसेनाचार्यकृत.

१६७८—भक्तामरस्तीत्र (सं.) मानतुगाचार्यकृत.

१६७६ - कल्याणमन्दिग्स्तोत्र (सं.) कुमुद्चन्द्राचार्यकृत.

१६८०-एकीभावस्तोत्र (म.) वादिराजसूरिकृत.

१६८१-विषापहारम्तोत्र (सं.) धनंजयकविकृत.

१६८२ - भूपालचतुर्विंशतिका. (सं.) भूपालकविकृत.

१६८३—तत्वार्थसूत्र (मं.) उमास्वामिकृत.

१६८४-सामायिकपाठ (हिदी पदा) माहचन्द्रजी कृत.

१६८४—महाबीराष्ट्रक (मं.) पं० भागचन्द्रजी कृत.

नित्यपाठसंप्रह.

(ज. १६८६-१६६८ क. ४६४ क.) ४६४ वन.

नित्यपाठसंप्रह.

(ज. १६६६-२०११ क्र. ४६६ क.) ४६४ वत.

नित्यपाठसंग्रह.

(ज २०१२-२०२४ क. ४६७ क.) ४६४ वत.

हिदीनित्यपाठसंप्रह. (क्र. ४६८ क.)

२०२४ -- नमस्कारस्तवन, बनारसीदासजी कृत.

२०२६--सुप्रभाताष्ट्रक.

२०२७--दर्शनदशक. द्यानतरायजी कृत.

(१२४)

२०२८—दर्शनपाठ दौलतरामजी २०२५--दर्शनपाठ, भूधग्दासजी २०३०-प्रातःस्मरगीयपद, दौलनरामजी २०३१--भक्तामरस्तोत्र. नाथुरामजी प्रेमी २०३२--भक्तामरस्तोत्र, हेमराजजी २०३३—विषापहारस्तोत्र. नाथृरामजी प्रेमी " २०३४-कल्यागमिन्दरस्तोत्र, बनारसीदासजी कृत, २०३४-- एकीभावस्तोत्र. भूधरदामजी कृत. २०३६—भूपालचतुर्विंशति २०३७-- ऋालोचनापाठ. २०३८-सामायिकपाठ माहचन्द्रजी कृत २०३६—वैराग्यभावना. २०४०—निर्वाणकाड, भगवनीटामजी कृत २०४१--गुरुम्तुनि. भृधरदासजीकृत २०४२--बारहभावना २०४३--सरम्बतीम्तवन

जैनमिद्धान्तसंग्रह्.

(ज. २०४४–२११० क ४०१ क.) अनेक पृजा स्तोत्र आदि. ७४ पाठ.

चतुर्विशतिजिनपूजा. (क्र. २३ ख.)

२१७०—चतुर्विंशतिजिनप्रजासंस्कृत,

२१७१—चतुर्विशतिजिनपूजा. रामचन्द्रजी कृत.

२१७२- " वृन्दावनजी कृत.

२१७३— " बखतावरमलजी कृत.

१२—मकीणक-मन्य।

TO DE

श्रन्यमतसार,

(ज. २११८ क. १८० क.) हिंदी.

श्रनुभवानम्द् शीतलप्रशादजी कृत.

(ज. २११९ क. ४०३ क.) हिदी.

कर्मचरित्रसार.

(ज. २१२० क. ४४६ क.) हिदी.

जैनधर्मतत्वसम्रह्.

(ज. २१२१ क. ४२४ क.) गुजराती

जैनधर्मादर्श, रावजीनेमचन्द कृत.

(ज. २१२२ क. २३८ क.) मराठी.

जैनधर्मामृतसार. नेमचन्द नारायण चवड़े कृत

(ज. २१२३ क. २३७ क.) मराठी.

जैनधर्मामृतसार, नेमचन्ड मीनाराम भागवतकर व पत्रालालजी बा० कृत,

(ज. २१२४ क. १८१ क.) हिदी-मराठी.

जैनबालगुटका, ज्ञानचन्द्रजी कृत,

(ज. २१२४ क. १८२ क) प्रथमभाग.

(ज. २१२६ क. १८३ क.) द्वितीयभाग.

एमोकारमत्र का ऋर्थ.

(ज. २१२७ क. ४४७ क.) हिदी.

तत्वमालाः शीतलप्रशादजी कृत.

(ज, २१२८ क, ४०४ क.) हिंदी.

दशलचराधर्म, कंकुबाई कृत.

(ज. २१२६ क. ४४८ क.) मराठी

धर्मप्रबोधनी. भाईलालकपृर्चन्द्रजी कृत.

(ज. २१३० क. ४४३ क.) गुजराती.

(ज, २१३१ क, ४४४ क.)

धर्मचर्चासंग्रह, धर्मचन्द्रहरजीवनदास कृत' (ज, २१३२ क, ४०५ क,) हिंदी. धर्मामतस्वात्मबोध (ज. २१३३ क. २४२ क.) हिंदी. नर्कदुःखचित्रादर्श. (ज. २१३४ क. २४३ क.) हिन्दी. (ज. २१३४ क. २४४ क.) " बालबोधजैनधर्म, बाबू द्याचंदजी व लालारामजीकृत. (ज. २१३६ क. ४०६ क.) हिन्दी १ भाग. (ज. २१३७ क ४०७ क.) " (ज. २१३८ क. ४०८ क.) "२ भाग. (जा. २१३६ का. ४०६ का.) " (ज २१४० क. ४१० क.) " ३ भाग. (ज. २१४१ क ४११ क) "४" मनोमतिखंडन. (ज. २१४२ क १३६ क.) हिन्दी. (ज. २१४३ क. १४० क.) " (ज. २१४४ क. १४१ क.) " षोडशकारणभावना, हीराचन्द नेमचन्द्र कृत (ज, २१४४ क. २४७ क.) मंशयतिमिरप्रदीप, उद्यलालजी काशलीवाल कृत. (ज २१४६ क १८५ क.) हिन्दी १ भाग. (ज. २१४७ क. १८६ क.) " (ज.२१४८क.४१२क.) " २ भाग (ज. २१४६ क. ४१३ क.) " 77

(ज. २१४० क. ४१४ क.) "

77

```
( १२८ )
```

हिदी की दूसरीपुस्तक. पन्नालालजी बाकलीवाल कृत.

(ज. २१४१ क. ४२६ क.)

जिनमतदर्पण्.

(ज. २१४२ क. ३७६ क.) हिन्दी. जैन डिरेकरी.

(ज. २१४३ क. १४४ क.) "

दिगम्बरजैनमन्थकर्ता. नाथूरामजीप्रेमीकृत.

(ज. २१५४ क. ४१५ क.) "

निर्माल्यद्रव्यचर्चा, हीराचन्द्रनेमिचन्द्रकृत.

(ज. २१४४ क. २४४ क.) हिन्दी.

(ज. २१४६ क. २४६ क.) "

विद्वद्रत्नमाला. नाथूरामजी प्रेमीकृत.

(ज. २१४७ क. ४१६ क.)

१३—इंग्लिश-प्रन्थ।

श्राउटलाइन्स ऑफ जैनिज्म. बाबू जुगमन्धरलालजी कृत.

(ज. २१४८ क. ४७१ क.)

की श्रॉफ नॉलेज. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज २१४६ क. ३६१ क.)

जैनिज्म हर्वर्टवारनकृत.

(ज. २१६० क. ४७२ क.)

डिक्सनरी.

(ज. २१६१ क. ४७३ क.)

तत्वार्थाधिगमसूत्रः बाबू जुगमन्धरलालजीकृत.

(ज. २१६२ क. ३४७ क.)

द्रव्यसंग्रह. शरबन्द्रघोषालकृत,

(ज. २१६३ क. ३४८ क.)

```
परमात्मप्रकाश. बाबू चम्पतरायजी वैरिस्टर ऋत.
```

(ज. २१६४ क. ३४६ क.)

पंचास्तिकाय. शरचन्द्र घोषालकृत.

(ज. २१६५ क. ३६० क)

प्रेक्तिकलपाँथ. बाबू चम्पतरायजी कृत.

(ज. २१६६ क्र. ३६२ क.)

रत्नकरंड-श्रावकाचार, बाबू चम्पतरायजी वैरिम्टर कृत.

(ज, २१६७ क्र. ४६९ क.)

द्वात्रिशत्का.

(ज. २१६८ क. ४७४ क.)

स्किंग आफ थांट. बाबू चम्पनरायजी कृत.

(ज. २१६६ क. ४७० क.)

,

नैनसिद्धान्तभास्कर बावृ पद्मराजजी सम्पादित.

(ज. २१७४ क ^{१४२} क.) प्रथम किरण.

(ज. २१७४ क १४^२ क) द्वितीय-तृतीय किरण

(ज २१७४ क. १४३ क.) प्रथम किरण.

(ज २१७४ क. $\frac{283}{5}$ क.) द्वितीय-तृतीय किरण.

(ज २१७६ क $\frac{889}{9}$ क.) प्रथमकिरण.

(ज. २१७६ क्र. १<u>४४</u> क.) द्वितीय-तृतीय किरग्ग.

सत्यार्थदर्पण.

(ज. २१७७ क. २३४ क.)

समाप्तेमं मुद्रितग्रंथानां नामावज्ञी।

श्वेताम्बर-जेन-ग्रन्थ।

(लिखित विभाग-ख)

श्रनेकान्त-जयपताका. हरिभद्रसूरिकृत.

(ज. २१८१ ख. १) सं. प. ३३४ श्लो. १२००० ले. १६७४ स्वकृतटीकया युता.

श्रानेकार्थ-संप्रह हेमचन्दार्यकृतः

(ज. २१८२ ख. २) सं, प. २४३ श्लो ११८७६ ले. १६४१ स्वोपज्ञटीकया सहित.

श्रभिधान-चिन्तामणि हेमचन्द्रार्यकृतः.

(ज. २१८३, ख. ३.) स. प. ११२ ले. १७८२.

(ज. २१⊏४ख. ४) सं. ३४−१⊏७ ले १६६४ म्बोपझटीकया युतः ऋन्तगडदसं.

(ज. २१८४ ख. ४) श्रा. प. २–२७.

त्राचारांगं सुधर्मस्वामिविहितं.

(ज. २१८६ ख. ६) प्रा. प. ६२ गुजरातीटव्वासहित.

(ज. २१८७ ख. ७) प्रा. प. २४ रलो. १२००० ले. १६४६ शैलाङ्कसूरिकृतवृत्तियुतं.

(ज २१८८ ख. ८) प्रा. प. १०६१. श्लो. १०४०० ले. १६६४ नि. १४७३, जिनहंस सूरिकृतदीपकाख्यव्याख्यया संवलितः.

त्रावश्यकक्रिया-सूत्र.

(ज. २१८६ ख. ११२) प्रा. प. ३०.

उत्तम-चरित्रं चारुचन्द्रचर्चित.

(ज. २१६० ख. ६) सं. प. १७ श्लो. ४७४ ले. १६४३.

(ज. २१६१ ख. १० सं. प. २१ श्लो. ४७४ ले. १७४२.

उत्तराध्ययनं.

(ज. २१६२ ख. ११) प्रा. प २३० श्लो. २००० ले. १८८० गुजरातीटब्बायुक्त.

(ज. २१६३ म्ब. १२) प्रा प. २६८ कमलसंयमोपाध्यायरचित-टोकायुतं.

(ज. २१६४ ख. १३) प्रा. प. १९४ ले. १४४८ श्लो. ११००० दीपकाख्यटीकया संभूषितं ।

उपवेश-रत्नमाला. नेमिचन्द्रभंडारीविरचिता.

(ज. २१६४ स्त्र. १०४) प्रा. प. ७.

(ज, २१६६ ख, १०६) प्रा. प. २१

उपदेशमाला धर्मदासगिएाप्रथिता

(ज. २१६७ म्ब. १४) प्रा प. १८ गा. ४४२ ले. १४४६.

उपमिति-भव-प्रपंचा कथा

(ज. २१६८ स्त्र, १०८) मं. प. २६ ऋपूर्ण.

उपसर्ग.

(ज. २१९६ ख. १५) गुजराती. प ११ ले. १६७४ उवासगदसागं,

(ज. २२०० म्ब. १६ प्रा. प २० ज्लो ६१२)

(ज २२०१ ख १७) प्रा. प. ४८ १लो. २००० ले. १८२६ गु०टबार्थ

(ज. २२०२ ख १०९) प्रा. प. १२० ले. १८४४ गु० टबार्थ. ऋषभटेव को छट.

(ज २२०३ ख. १८) मु० प. ५ श्रापूर्ण.

ऋषभ पंचाशिका. धनपालकृता.

(ज. २२०४ ख. १६) प्रा. प. २ मात्रचूरिः.

श्रीपपातिकवृत्तिः अभयदेवनिर्मिता.

(ज. २२०४ ख. २०) स० प. ४६ श्लो. ३३३४. कपूरप्रकरणं.

> (ज. २२०६ ख.२१) सं. प. २-१८० जिनसागररचित टीकया युत.

कर्म-प्रन्थः देवेन्द्रसूरिकृतः

(ज. २२०७ ख. २२) प्रा. प. १४ कान्हजीकृत गु० टीका सहित.

(ज. २२०८ स्त. २३) प्रा. प. ३२ संस्कृतटीकायुतः

कल्प-सूत्रं मावचूरि.

(ज. २२०६ ख. २४) प्रा. प. ७६ ले. १६२६.

(ज. २२१० म्य. २५) प्रा. प १२६ ले १७२६

काव्यकल्प-लता-टीका. अमरचन्द्रकृता.

(ज. २२११ ख. ११०) स. प. १०० श्लो. ३३४७ ले. १८६२

(ज. २२१२ ख. २६) स. प. ४८ ले १७४४ अपूर्ण.

(ज. २२१३ ख. २७) सं. प. २२-४४ ऋपूर्ण,

कुलक-वृक्तिः विजयगणिविहिता.

(ज. २२१४ ख. २८) मृ. प्रा. वृ. सं. ऋपूर्ण.

कृष्णवेलि-बालावबोध.

(ज. २२१४ ख. २९) गुजराती,

क्रियारत्न-समुचयः हेमचन्द्रकृतः

(ज, २२१६ ख. ३०) मं. प. ६३ श्लो. ४७७८ ले. १६३२ देवसुन्दरकृतव्याख्या समन्वित.

खड-प्रशस्तिः हनूमद्विहिता.

(ज. २२१७ ख. १२२) सं. प. ४४ गुणविनयगुणिकृतव्या-ख्यावभूषिता. गुणस्थान-रत्नराशिः रत्नशेखरसूरिकृत.

(ज. २२१८ स्त. १११) सं. प. ५४ ले. १७२० सटीक. गुणम्थानविचार-स्तवनं राजसमुद्रविहित.

(ज २ १६ ख. ३१) गु० प्रा. पत्र ३.

गौतमकुलकवृत्ति ज्ञानतिलकगणिनिभिना.

(ज २२२० ख ३२) सं. प. २३ मू० गोतमविरिचता. गौत्तमपुच्छा-वालावबोधः

(ज २२२१ ख ३३) गु प. ६-६

चउसरणसत्र-वृत्ति वीरभद्रकृता

(ज. २२२२ ख ३४) मृ॰ प्रा. प १६ श्लो. १०८०. चतुर्विशति-म्नवन

(ज. २२२३ ख. ३४) गुप ४

चौबीसदडक साध्वनदना

(ज २२२४ ख. ३६) सुप ४०

चन्द्रनमलयागिरि-वथा.

(ज २२२५ ख, ३७) गुप न ले. १८६९

जिनशतकं जम्बृकृत.

(ज २२२६ ख ३८) सं प. ५ ऋपूर्णं

ज्ञाताधर्मकथा

(ज. २२२७ म्य ३६) प्रा प. ११८ श्लो. ४३७४.

एमोकार-मंत्र-फल

(ज. २२२८ ख ४०) गु० प. १० ले. १६४४.

त्रैलोक्य-प्रकाशः.

(ज. २२२६ ख. ११३) स. प २४ गुर्जरार्थान्वितः.

दशवैकालिकसूत्रं.

(ज. २२३० ख ४१) प्रा. प. १४.

(ज २२३१ ख. ४२) प्रा.प. ६२ गुटबार्थसहितं, तो. १८८०. (ज. २२३२ ख. ४३) प्रा. प. ३७ सुमतिस्रिकृतसंस्कृत-व्याख्यायतं.

दीचाग्रह्ग-विधिः,

(ज. २२३३ ख. ४४) सं. प. ४

नर्मदासुन्दरी-कथा. अभयश्रीकथा च.

(ज. २२३४-३४ ख ४४) प्रा. प. ११

परिशिष्टपर्व. हेमचन्द्रसूरिकृतं

(ज २२३६ ग्व. ४६) मं. प. ८७ ले. १६४३ पर्यूषणाकल्प.

(ज. २२३७ ख ४७) प्रा. प. ४४ श्लो १२१६

पार्श्वप्रमुस्तवं, रघुनाथदासकृत,

(ज. २२३८ ख. ११८) प. ४

पिडशुद्धि-प्रकरणं, जिनवक्षभस्रिकृतं,

(ज २२३६ ख. ४८) प्रा प २८ ते १६४८ गु. ऋर्धमहितं। पुष्पमालावचुरिः

(ज. २२४० ख. ४६) संप २-२०

पृथ्वीचन्द्र-चरित्रं, जयसागरविरचितं

(ज. २४१ ख. ५०) सं. ष. ५४ श्लो ३८५४ ले. १५७४ पंचदंड-चरित्र रामचन्द्रकृत.

(ज. २२४२ ख. ४१) सं. प. ४३ श्लो. २४४० पंचमंग्रह-टीका.

(ज. २२४३ ख ४२) मृ. प्रा. टो. सं. प. २६ प्रकरण-संग्रहः

(ज. २२४४ ख ११४) प. ७१ मुद्रिन. श्रम्ण्र्. प्रज्ञापना-सूत्रं.

(ज. २२४४ ख. ४३) प्रा. प. ६

प्रबचनसारोद्धारः, नेमिचन्द्रविरचितः

(ज. २२४६ ख. ४४) प्रा. प. १६२ श्लो. १२००० मंद्रगिण-कृतगुजराती-अर्थसहितः।

प्रश्रव्याकरण-सूत्रं.

(ज. २२४७ ख. ४४) प्रा. प. २४ रलो. १२४० ले. १६१४

(ज. २२४८ ख. ४६) प्रा. प. ८८ रलो. ४७४० ले. १८६०

प्राकृत-पद्यमाला-छाया. जयवल्लभकृता.

(ज, २२४६ स्व. ४७) प्राप ४० ले. १६६८

प्रायश्चित्तैकसाध्यापवर्गोपनिषद्.

(ज २२५० न्व. ४८) सं. प. १८० ले. १६६७

भक्तामर-स्तोत्रं, मानतुगाविरचित,

(ज. २२४१ ख ४६) सं. प. म गु० ऋथैसहितं. भगवतीसूत्रं,

(ज. २२४२ ख ६०) प्रा. प. २-२१६ ऋपूर्णं.

(ज. २२४३ ख. ६१) प्रा. प. २३-१२४ "

भरतश्वरवृत्ति

(ज. २२५४ ख. ६२) मृ. प्रा प. १४६ सम्क्रुतर्टाकासंवितता. भुवनभानुकेवितचरित

(ज. २२४४ ख. ६३) मं. प ४७

महीपाल-चरितं, बीरदेवगिण्रिचितं

(ज. २२४६ ख. ६४) प्रा. प ४४

(ज २२४७ ख. ६४) प्रा. प. ८७ ले १८४२ गुर्जरान्वित.

महावीरपंचकल्याणस्तवन.

(ज. २२४८ स्व. ६६) गु० प ६ ले. १८२४ मोत्तधर्मकल्पहुमः

(ज. २ ४६ ख. १२०) प्रा. प. २४२

युक्तिप्रबोधः मेघविजयविहितः

(ज. २२६० ख. ६७) सं. प. ७२ ले. १७६४ स्वविहितसंस्कृत टीकायुतः।

योगशास्त्रं, सोमसुन्दरगदितं,

(ज. २२६१ ख. ६८) सं. प. ११० ले. १६८४ गुर्जरार्थसमन्वित. रतावतारिका.

(ज. २२६२ ख. ६६) स. प. १४--४६ ऋपूर्णा.

रायसेग्गी-सूत्रं.

(ज. २२६३ ख. ७०) प्रा. प. ६४ श्लो. ६०३२ ले. १८४२ गु० टबार्थयुर्त

रूपसेनकथा.

(ज. २२६४ ख ७१) स. प २० ले. १८४४

लघुत्तेत्र-समासः रवशेखरकृत.

(ज. २२६४ म्ब. ७२) प्रा. प. ११.

लघुसंग्रह्णी,

(ज. २२६६ ख ७३) प्रा. प 🖘 गु० ऋर्थान्विता.

वीतराग-स्तोत्रं, हेमचन्द्रनिर्मितं,

(ज. २२६७ ख. ७४) स. प. २-१०

(ज. २२६८ ख. ७४) सं. प. २-६ संस्कृतटीकायुक्त.

(ज २२६६ ख १२३) सं. प. २८ " श्लो. ४४० लॅ. १६२४.

वसुधारा.

(ज. २२७० ख. ७६) स. प. ६ ले. १८२४

विपाकसूत्राङ्ग-वृत्तिः अभयदेवविरचिता.

(ज. २२७१ स्व ७७) मू. प्रा वृ. मं. प. १८ श्लो. ८७८ ले. १८४६.

वृत्तरत्नाकरः भट्टकेदारविरचितः

(ज. २२७२ ख. १२४) सं. प. ४४ ले. १८६६ समयसुन्दर-गिर्णकृतव्याख्यायुतः।

शान्तिनाथचरित्रं. भावचन्द्रकृतं.

(ज. २२७३ ख. ७८) सं. प. १३३ श्लो. ६३६४ ले. १८४३ शान्तिनाथजन्माभिषेकः

(ज. २२७४ ख. ७६) प्रा. प. ४

शोभनस्तुत्यवचृशि

(ज. २२७४ ख. ८०) स. प. १०

श्रावक-प्रतिक्रमणं.

(ज. २२७६ ख. ५१) प्रा. प. ३६ गु० टवार्थयुत.

(ज. २२७७ ख. ६२) " प. १३ +

श्रीपालनरेन्द्र-कथा.

(ज. २२७८ ख. ८३) ब्रा. प ३४

(ज, २२७६ म्ब. १२५) प्रा प. १२५ ले. १८६०

श्राद्धधर्मोपनिषद् हरिभद्रसृरिकृता.

(ज. २२८० ख. ११६) मं. प ६७

पड्दर्शनसमुचयः हरिभद्रकृतः

(ज. २२६१ ख. ५४) म. प. ४ मचूर्गिः

(ज २२५२ ख. ५४) सं. प. २४ सटीक. श्लो. १२४२

(ज. २२८३ ख. ८६) स. प १५ "

(ज २२८४ ख. ८७) सं. प ४ मूल

पडावश्यकं.

(ज. २२८४ ख. ८८) प्रा. प. १४ ले, १६७६

(ज. २२८६ ख. ८६) प्रा. प. १७ +

सप्रतिका-टीका

(ज. २२८७ ख. ६०) मू-प्रा. टी-स, प. ९२ श्लो. ३७८०

सप्तपदार्थी वृत्तिः

(ज. २२८८ ख. ६१) सं. प. २३ श्लो. १८४८ ले. १४३१ सप्तस्मरणं.

(ज. २२८६ ख. ६२) स.-प्रा. प. १६ ले. १८४६ सम्यक्त्वसप्ततिका-टीका, संघतिलककृता.

(ज. २२६० ख. ६३) मू-प्रा. टी-सं. प. १६० अपूर्णा.

सिद्धहेमशब्दानुशासनं. हेमचन्द्रचर्चितं.

(ज. २२६१ ख. १२६)सं.प. ४४ ले. १६१२ स्वोपज्ञलघुवृत्तियुतं.

(ज. २२६२ ख. ६४) सं. प. ७ + +

सिद्धान्तचिन्द्रका. रामाश्रमविहिता.

(ज, २२६३ ख़ ६४) सं.प. ११६ सदानन्दगणिकृतटीकायुता सूक्तमुक्तावली. सोमप्रभविरचिता.

> (ज. २२६४ ख. ६६) सं. प. १४ धनविजयकृत गु० अर्थ-संवितता

सूत्रकृताङ्गदीपिका.

(ज. २२६५ ख. ६७) मू-प्रा. प. ६४

(ज. २२६६ ख. ६८) " प. १६१ श्लो.७७०० ले. १७६६ नि. स १४८३

संघपट्टकं. जिनवस्नभनिर्मितं.

(ज. २२६७ स्व. १०७) सं. प. १७ सस्कृतटीकायुतं. संघयणसूत्तं.

(ज. २२६५ ख. ६६) प्रा. प. १६

(ज. २२६६ ख. १००) प्रा. प. ४६ ले. १७४८ टव्बत्थजुत्तं. सन्देह-समुख्यः ज्ञानकलशसकलितः

(ज. २३०० ख. १२४) स. प. १६

सिहासनद्वात्रिंशत्का.

(ज, २३०१ ख, ४६) सं, प. ४६

म्याद्वाद-मंजरी. मिल्लभूषण्विरचिता.

(ज. २३०२ स्व. १२१) सं. मुद्रिता. ऋपूर्णा च.

(ज. २३०३ ख, १०१) सं. प. ७१ श्लो, ३१००

(ज. २३०४ ख. १०२) सं. प. ६०

म्यादिशब्दसमुचयः श्रमरचन्द्रनिर्मित

(ज, २३०४ स्त्र. १०३) सं, प, ४४ ले. १४५२

स्वाध्यायः कांतिविजयकृतः

(ज. २३०६ ख. १०४) गु० प. ३

हिगुल-प्रकरणं. विनयसागरकृतं.

(ज. २३०७ ख. ११७) सं. मुद्रितं, हीरालालहंसराजऋत-

गुजगतीसहितं,

मंग्रह-माला. (ख. १२७)

१—चेत्रसमाससूत्र.

२—दंदक स्तवन

३ संप्रहरणीसूत्र.

४-मनुष्यचेत्र-ममाम.

प—वेकर जोड़ी वी नवृंजी

६—ऋाराधना चौपाई.

७—गुगठागाम्तवन.

५—हुँडी-विचार

६-तंत्रीमपदवीस्तवन.

१०-गुणठाणा स्तवन.

११--कर्मग्रन्थ.

१२—सिद्धान्तमार

१३-चौबीसदंडक.

१४—नवतत्व.

(ज. २३०५—२१)

मुद्रित-ग्रन्थ।

TO SERVE

(विभाग-क)

श्रिहिंसा-दिग्दर्शन, विजयधर्मसूरिकृत.

(ज, २३९४ क, ३०) हि०

श्रभिधानराजेन्द्र-कोष. विजयराजेन्द्रसूरिकृत.

(ज. २३६६ क. १) प्राकृतशब्दकोप.

श्रध्यात्म-तत्वालोक. न्यायविजयकृत

(ज. २३६७ क. ३१) गु०

ऋध्यात्म-गीता. देवचन्द्रगणिकृत.

(ज. २३६८ क १४) गु० छंद. अमीकॅंबर कृत गुजराती अर्थ सहित

श्रध्यात्मकल्पद्रम. मुनि सुन्द्रसूरिकृत.

(ज. २३६६ क ३२) गु०

श्राचाराङ्गसूत्र,

(ज. २४०० क. १६) गु०

आत्महितबोध

(ज २४०१ क ४८) हि०

उपदेश-तरंगिणी. रत्नमन्दिरगणिकृत्

(ज. २४०२ क. ३३) गु०

च्रष्टक हरिभद्रकृत,

(ज. २४०३ क. ३३) सं०

उपमितिभवप्रपंचाकथाः नाथूरामजीप्रेमीकृतः

(ज. २४०४ क. ४६) हि० प्रथमभाग

(ज, २४०५ क, ४०) हिं० द्वितीयभाग,

कर्प्र-प्रकर हरिकविकृत

(ज. २४०६ क. ४१) सं गु० ऋर्थसहित.

कल्पसूत्र विनयविजयकृत

(ज २४०७ क ६) गु०

काव्यानुशासन हेमचन्द्रकृत्

(ज २४०८ क ३४) मं म्बोपज्ञटीकायुक्त

चिकागो-प्रश्नोत्तर विजयानन्दसरिकृत

(ज २४०९ क. २४) हि०

जैनीय-वैराग्य शतक

(ज. २४१० क. ३४) था. रामचन्द्र दीनानाथ कृतगु० सहित. जैन सम्प्रदाय-शिक्ता श्रीपालचन्द्रकृत.

(ज २४११ क. १७) हिन्दी,

(ज. २४१२ क. १८) हिन्दी.

जैन-भानु, वज्ञभविजयकृत

(ज. २४१३ क. १६) हिटी

द् दकहित-शिचा.

(ज. २४१४ क ४७) हिदी.

द्रव्य-सप्ततिका, लावस्यविजयकृत.

(ज. २४१४ क. २८) प्रा.

द्रव्यानुयोग-तर्कणा, भोजकविकृत

(ज. २४१६ क. १६) सं. म्बोपज्ञ संस्कृतटीका ऋौर ठाकुर-प्रशादजी-कृत हिन्दी सहित

(ज २४१७ क. २०) "

(ज २४१८ क. २१) "

(ज. २४१६ क. २२) " "

धर्मसर्वस्वाधिकार जयशेखम्रिकृत.

(ज. २४२० क. ४२) सं. गु० अर्थसहित.

कम्नूरी-प्रकरण. हेमविजयगणिकृत.

(ज. २४२१ क. ४२) सं. गु० अर्थ युक्त

धर्मबुद्धिमन्त्री-पापबुद्धिराजा नु रास, उदयरत्नकृत.

(ज. २४२२ क. ४३) गु०

न्यायावतार, सिद्धसेनकृत,

(ज. २४२३ क. ४६) सं संस्कृत टीका श्रीर इंग्लिश श्रनुवाद सहित.

नय-कर्णिका. विनयविजयकृत.

(ज. २४२४ क. ५७) मं संस्कृतटीका ऋौर डंलिश ऋनु-वादयुक्त.

प्रकरणमाला.

(ज. २४२४ क. २४) प्रा. गु० ऋथे सहित

प्रकरण-रत्नाकर.

(ज २४२६ क. ८) सं-प्रा-गृ० चारों भाग.

प्रतिक्रमग्रसूत्र

(ज २४२७ क. १०) प्रा. गु० सहित.

प्रश्नोत्तर-रत्नचितामणि, ऋनुपचंद मल्कचंद कृत

(ज. २४२८ क. १३) गु०

प्रेक्टिकल साईकोलाजी.

(ज. २४२६ क, ३७) गु०

नीमज्ञानत्रिशका.

(ज. २४३० क. ३८) हिंदी.

(ज. २४३१ क. ३६) हिंदी.

महाजनवंशमुक्तावली. रामलालजी गणि कृत

(ज. २४३२ क. ४०) हिन्दी.

मोचमाला. राज्यचन्द्रकृत.

(ज. २४३३ क. ४१) गु०

योगतत्व. हेमचन्द्रकृत.

(ज २४३४ क. ४२) सं. गु० सहित.

योगशास्त्र, हेमचन्द्रकृत,

(ज. २४३४ क. ४३) सं. केशरविजयकृत गु० सहित.

(ज. २४३६ क. ४४) सं

लोकतत्व-निर्णय. हरिभद्रसूरिकृत.

(ज. २४३७ क. २६) सं. गु० सहित.

लोक-प्रकाश. विनयविजयकृत.

(ज. २४३८ क. ४४) सं, हीरालाल इसराज कृत गु० सहित १ भाग.

श्रीपालराजानु रास.

(ज. २४३६ क. ११) गु०

शुद्धोपयोग.

(ज. २४४० क. ४८) स. फतेचन्द्र कपूरचन्द लालन कृत-गु० सहित.

सभाष्य-तत्वार्थाधिगमसूत्र, उमास्वातिऋत,

(ज. २४४१ क. २३) स. ठाकुरप्रशादजी कृत. हिंदी सहित. सम्यक्त्वशल्योद्धार. विजयानन्दसूरिकृत.

(ज. २४४२ क. २६) हिंदी.

(ज २४४३ क २७) हिंदी,

सामुद्रिक-शास्त्र,

(ज. २४४४ क. ४४) गु०.

सूक्तमुक्तावली. सामप्रभक्तत्

(ज. २४४४ क. ४४) सं गु० अथसहित.

स्याद्वादानुभवरत्नाकर. चिदानन्दकृत,

(ज्र २४४६ क. १२) हिन्दी.

स्याद्वाद-मंजरी मिल्लिषेणकृत

(ज. २४४७ क. १४) सं पंडित जवाहरलालजी दि॰ जैन कृत हिंदी सहित

हीरसौभाग्य, विमलगणिकृत,

(ज. २४४८ क. ४६) सं. स्वोपज्ञ सस्कृतटीकायुक्त.

समाप्तेयं श्वेताम्बर-जैन-ग्रन्थानां नामावितः

अन्य सम्प्रदाय-प्रन्थ ।



(लिखित विभाग-ख.)

श्रनेकार्थध्वनि**मं**जरी.

(ज २३२२ ख़ १) संप ध

श्रष्टाध्यायी. पाणिनिमुनिकृता.

(ज. २३२३ ख. २) स. प. ६-४६

कादम्बरी. वाराविरचिता

(जा २३२४ खा ३) साम १०३

कारकचक भवानन्दसिद्धान्तवागीशकृतं

(ज.२३२४ ख.४) स.प. ६

काव्य-प्रकाशः मम्मटभट्टविरचित

(ज २३२६ ख. ४) स प. १३७ श्लां ४४८७ ले. १६६१, सरस्वतीतीर्थकृतन्याख्यायतः

किरातार्जुनीय, भारविनिर्मित,

(ज. २३२७ ख.६) संप म६ ले १६११

कुवलयानन्दः ऋष्पदिचितविरचितः

(ज २३२८ ख ७) स प ६४

गीतगोविन्द् हिंही-पद्य

(ज. २३२६ ख. ८) प. २२

ज्यवधूतानुभूति'

(ज. २३३० ख. ६) सं. प. १८

तर्कामृतं, जगदीशभट्टाचार्यविरचितं,

(ज. २३३१ ख. १०) संप २०

दमयन्ती-कथा. त्रिविकमभट्टरचिता.

(ज. २३३२ स्व. ११) सं. प. ३-३७ श्रापूर्ण.

नैषधकाव्यं हर्षकविकृतं.

(ज. २३३३ ख. १२) सं. प. ६७ श्लो. १४८४

(ज. २३३४ ख. १३) सं. प. ६ प्रथमसर्गमात्रं,

न्यायसारः भासर्वज्ञकृतः

(ज, २३३४ ख, १४) सं. प. ११ रतो, ३६४

परिभाषावृत्तिः पुरुषोत्तविहिता

(ज. २३३६ ख. १४) सं. प. २० ले. १६१२.

परिभाषेन्दुशेखरः भागोजीभट्टकृतः

(ज, २३३७ ख, १६) स, प, २४ ले, १६११

प्रक्रिया-कौमुदी रामचन्द्रकृता

(ज, २३३८ ख. १७) सं पं ६२

वलावलसूत्रवृत्तिः

(ज.२३३६ स्व.१८) सं. प. ७.

भूमनिन्दागणभाष्यं

(ज. २३४० ख. १६) सं. प. ४

भोज-प्रबन्धः बङ्खालकृतः

(ज. २३४१ ख. २०) सं प. ६४. ले. १८६२.

मित-भाषिणी, माधवकृता,

(ज. २३४२ ख. २१) सं. प २२ अपूर्ण,

माधकाव्यं माधकविविरचितं

(ज. २३४३ ख. २२) सं. प. ११० ऋपूर्णं मिल्लिनाथकृत-टीकालंकुतं

(ज. २३४४ ख. २३) सं. प. १०-१०४, १६७-१७२.

माधवानलकथा.

(ज. २३४४ ख. २४ संप. १४.

मेघदूत, कालिदासकृत,

(ज. २३४६ ख. २४) सं. प. २२ ले. १६१६.

रत्नमाला. परमानन्द्देवकृता

(ज. २३४७ ख. २६) सं. प ४.

रघुवंशकाव्यं, कालिदासविरचितं.

(ज. २३४८ स. २७) सं. प. २-६१ अपूर्णं.

विदग्धमुखमंडनं, धर्मदासरचित.

(ज. २३४६ ख. २८) सं. प. १४

ष्ट्रतरत्नाकरः केदारनाथकृत[.]

(ज. २३४० स्त. २६) सं. प. १३

शब्द-मंजरी-टीका. कृष्णन्यायवागीशकृता.

(ज. २३४१ ख. ३०) सं. प. ४४

शब्दभेदप्रकाशः

(ज. २३४२ ख. ३१) सं. प. ६

शाकुन्तलनाटकं. कालिदामविरचितं.

(ज. २३४३ ख. ३२) सं. प. ४१

श्रुतबोध' कालिदासकृतः

(ज. २३४४ ख. ३३) सं. प. ६ ले. १७०४ सारस्वत∽श्राख्यातप्रक्रिया.

(ज. २३४४ ख. ३४) सं. प. ७४ ले. १८६०

सिद्धान्तमंजरी. चूड़ामणिभट्टाचार्यकृता.

(ज. २३४६ ख. ३४) स. प. २४

सिद्धान्तमुक्तावलिः विश्वनाथपंचाननरचिता.

(ज. २३४७ ख. ३६) सं. प. १७ ऋपूर्णा.

सिंहासनद्वात्रिंशत्का.

(ज. २३४८ ख. ३७) सं. प. २४

सुभाषित-पौराणिकश्लोकाः

(ज. २३४६ स्व. ३८) सं. प. ७

इठ-प्रदीपिका. म्वात्मारामयोगेन्द्रविरचिता.

(ज. २३६० ख. ३६) मं. प. १४ ले. १६११ हारावली. पुरुषोत्तमदेवकृता.

(ज. २३६१ ख. ४०) सं. प. १४ ले. १८६३

+ + +

त्रागमचेष्टा-प्रकरण.

(ज. २३६२ स्त्र. ४१) सं. प. ६ ले. १६७४

चमत्कार-चिन्तामणिः

(ज. २३६३ ख. ४२) सं. प. १२ गु८ सहिता

चन्द्रार्की.

(ज. २३६४ ग्व. ४३) सं. प. ३

जन्म-पत्री,

(ज. २३६४ ख. ४४) सं. प. ६४ ऋपूर्णा.

जन्मपत्री-पद्धतिः

(ज. २३६६ ख ४४) सं. प. ६६-१२६ ऋपूर्णा

ब्योतिष-रत्नमाला. श्रीपतिकृता.

(ज. २३६७ ख. ४६) सं. प. ४६ परमकारुणिककृतहिन्दी-सहिता.

(ज. २३६८ ख. ४७) सं. प. ११६ लघुढुं ढिकासहिता.

त्रिविक्रमशतं. त्रिविक्रमकृतं.

(ज. २३६६ ख. ४८) सं. प. ४

त्रैलोक्यचक्रं

(ज. २३७० ख. ४६) सं. प. ६ नरपति-जय-चर्या,

(ज. २३७१ ख. ४०) सं. प. ३४ ले. १८८० बृहज्जातकं. बराहमिहरकुत,

(ज. २३७२ म्ब ४१) मं. प ४० श्लो. ७३७ बृहज्ज्योतिषार्ग्यवं.

(ज. २३७३ ख. ५२) मं + मुद्रितं मकरन्दविवरसं, दिवाकरकृतं.

(ज. २३७४ म्ब. ४३) स. प. १२ ले. १८७६ पट्पंचारिका.

(ज. २३७४ स्व ४४) मं. प. हिन्दीसहिता.

+ + 4

रसरत्नाकर.

(ज, २३७६ ख, ४४) मं, प, २२

स्त्रीप्रयोग,

(ज. २३७७ म्त्र. ४६) हिन्दी प. ८ कालज्ञान.

(ज. २३७८ स्व ४७) " प. ३

कोकशाख.

(ज. २३७% ख. ४८) " प. २८ ले. १८७४

(ज. २३८० ख ४६) ""३१

(ज २३८१ ख. ६०) " " ५१-८६

पाशाकेवली.

(ज. २३६२ ख. ६१) " "४

(ज. २३८३ ख. ६२) " "३

```
( PKo )
```

(ज. २३८४ म्ब. ६३) " "६

(ज. २३८४ ख, ६४) " " १७

(ज. २३⊏६ स्व. ६४) ""२३

मुष्टिमन्त्र.

(ज. २३८७ ख. ६६) " "४ शकुनावली.

(ज. २३८८ म्ब. ६७) " " १०

(ज. २३८६ ख. ६८) " "२

स्वप्नचिन्तामणि, जगदेवकृत,

(ज. २३६० ख. ६६) सं. प. ४४

स्वप्राध्याय.

(ज. २३६१ ख. ७०) सं. प. ४

(ज. २३६२ ख. ७१) हि०

संगीत-विनोदसार.

(ज. २३६३ ख. ७२) प. १⊏ संस्कृत–पत्री.

(ज. २३६४ ख ७३) प. २८

(विभाग-क)

- KINDE.

श्रभिज्ञान-शांकुंतल. कालिदासकृत.

(ज. २४४६ क. ३६) सं. राघवभट्टकृतसंस्कृत टीका सहित. श्रमरकोष. श्रमरसिहकृत.

(ज, २४४० क, १२०) सं.

श्रमृतसागर.

(ज. २४०४ क. १४)

```
( $%$ )
```

(ज. २४२३ क. १४) (ज. २४५२ क. १६)

अनुराग-रहस्य.

(ज. २४८४ क ११७)

श्राल्हा-खंड.

(ज, २४४१ क, ४) हिंदी.

ब्रारोग्यदिग्दर्शन.

(ज. २४९७ क. ६४)

ईसाब-नीति.

(ज. २४६६ क. ३४)

उत्तररामचरित, भवभूतिकृत.

(ज. २४४४ क. ३७) सं. वीरराघव कृत संस्कृतटीका सहित.

उपनिषदार्यभाष्य. आयेमुनिकृत हिदी सहित.

(ज. २४४१ क. ४) सं. प्रथम खड.

(ज. २४४६ क. ६) सं. द्वितीय खंड.

(ज. २४४७ क. ६) सं. तृतीय खंड.

उपदेश-कुसुम,

(ज. २४३४ क. ७८)

उद्यांग-प्रारब्ध-विचार.

(ज. २४४४ क. ९१)

ऋतुसंहार. कालिदासकृत.

(ज. २४×२ क. ७२) स. मिएरामकृत संस्कृतटीकासहित.

ऐतिहासिक-स्त्रियां.

(ज. २४३८ क. ७६)

श्रौषधिसार-युनानी.

(ज. २४१८ क. २५)

किरातार्जुनीय. भारविकृत.

(ज. २४४८ क. ३८) स. मिलनाथकृतटीकायुक्त. कठिनाई में विद्याभ्यास.

(ज. २४७३ क. ७०)

् (ज. २४७४ क. ८६)

(ज. २४७६ क. ६०)

(ज. २४७७ क. ६१)

(ज. २४७८ क. ६२)

(ज. २४७६ क. ६३)

(ज, २४८० क, ६४)

कन्यापाक-शास्त्र.

(ज. २४७८ क. ८६)

(ज. २४७६ क. ८७)

(ज. २४७४ क. ८४)

कन्याभजन-भंडार,

(ज. २४५२ क. ११०)

केरलीय-जातक.

(ज. २४२६ क. १०६)

केरलमत-प्रश्न-संप्रह.

(ज. २४४० क. ४६)

कौतुकमाला-बोधवचन.

(ज. २४४१ क, ६७)

कन्यादिन-चर्या.

(ज. २४७३ क. ८४)

गुलशनपाकदामनादि.

(ज. २४०४ क. १३)

```
गर्भाधान-विधि.
```

(ज. २४३१ क. ६०)

चम्पूभारत, अनंतभट्टकृत.

(ज. २४४६ क. ३६) स. रामचन्द्रकृतटीकायुक्त.

चौरासी-श्रासनयोग.

(ज. २४४४ क. ६८)

चाणिकानीति-दर्पण,

(ज. २४४८ क. ४४)

जादुगर

(ज. २४६१ क १०४)

टेली-शफ-बुक.

(ज. ५४३- क ११६)

तित्र्व-इहसानी

(ज २४६० क, ४७)

त्रिवेणी.

(ज. २४८४ क १२२)

दियातले अधेरा

(ज २४८३ क. ७४)

दृष्टान्तप्रदीपिनी

(ज २४१२ क २३)

धात्रीकमं-प्रकाश,

(ज. २४६२ क म०)

निघटु-भाषा.

(ज. २४११ क. २२)

नारायणी-शिचा,

(ज. २४१६ क. २७)

नीति-सूत्रें.

(ज. २४२८ क. ११८)

पंच-तंत्र, विष्णुशर्मा कृत,

(ज. २४६१ क. ४०) सं. ज्वालाप्रशाद्कृत हिदीसहित. पंचीकरण,

(ज. २४६२ क. ६६) हिदी.

प्रेमशतक.

(ज, २४८४ क, १२३)

पदार्पण.

(ज. २४६४ क. १३३)

प्रतिभा.

(ज. २४६६ क. ६६)

पचासवर्षके नीलामो के दहाड़े.

(ज, २४४४ क, ४७)

पंचांग-दीपिका.

(ज. २४६८ क. ११२)

प्रेम-पथिक.

(ज. २४७१ क. ८१)

फिर निराशा क्यो.

(ज, २४२७ क, ७७)

वंगीय-सार्वधर्म-परिषद्.

(ज. २४७६ क. ७४)

बालिका-विनय.

(ज. २४८८ क. १२६)

(ज, २४८६ क, १२७)

बनस्पति त्राहार थी थता फायदा.

(ज, २४३६ क. ११४)

बालतंत्रवैयक.

(ज. २४४६ क. ४४)

भर्तृहरि-शतक. भर्तृहरिकृत.

(ज. २४६३ क. ७) सं. संस्कृत हिंदीटीकायुत.

भावना-लहरी.

(ज. २४९३ क. १३१)

(ज. २४६४ क. १३२)

मूर्ति-पूजा, हरिप्रशाद्कृत.

(ज. २४६४ क. ४१) सं.

मेघद्त. कालिदासकृत.

(ज. २४६४ क. ४२) सं. मिल्लनाथकृत संस्कृतटीका सहित.

महात्मा-गाँधी.

(ज. २४८६क. १२४)

(ज, २४८७ क, १२४)

मेघ-माला.

(ज, २४६८ क. १११)

मनुस्मृति.

(ज. २४०१ क. ३) ज्वालाप्रशाद मिश्र कृत हिदी सहित.

मोहिनी.

(ज. २४२४ क. म३)

मुऋक्षिम-सितार.

(ज. २४६४ क. १०३)

मोती-काञ्य.

(ज. २४७० क. ४८)

मनोरंजक-कहानियाँ.

(ज. २४७५ क. ७६)

योग-चिन्तामिए, हर्षकीर्तिकृत,

(ज. २४०३ क. १२) गर्णेशशर्मा कृत हिंदी सहित.

योग-महिमा.

(ज. २४२६ क. ११६)

योग दर्शन.

(ज. २४४४ क. ४२)

योग-रसायन.

(ज. २४६४ क. ६८)

रघु-वंश, कालिदामकृत,

(ज. २४६६ क. ४३) सं मिक्कनाथ कृत सम्कृत-टीकायुक्त. रमल-चिन्तामिक.

(ज. २४०८ क. १६)

रमल-गुलजार,

(ज. २५१३ क. २४)

रमल-ज्योतिष-मार.

(ज २४२१ क, ३२)

राजनीति पंचोपाख्यान.

(ज. २४४१ क. ६७)

(ज २४४७ क ६६)

रामायए

(ज. २४८१ क. १)

लुकमानी-इलाज.

(ज, २४२२ क, ३३)

लच्मगाबोध-नाटक,

(ज, २४३३ क. ६६)

विदग्ध-मुख-मंडन. धर्मदासकृत.

(ज. २४६७ क. ४४) सं. स्वकृतसंस्कृतटीकायुक्त

```
वैद्यसार-संप्रह्.
```

(ज. २४६८ क. ८) म

वियोगिनी.

(ज २४०० क. ६३)

वैद्य-जीवन.

(ज. २४१४ क. २४)

विद्र-नीति.

(ज. २४३४ क. १०४)

वागी-विलास.

(ज. २४४८ क. ६४)

व्याकरण् की उपक्रमणिका.

(ज. २४४६ क ४३)

व्यापार-समाचार,

(ज. २४९३ क. ११४)

विचित्र-म्त्री-चरित्र.

(ज. २४६६ क १२१)

श्रृङ्गार-तिलक, कालिटासकृत,

(ज. २४४३ क. ७२) सं.

शिव-महापुराग. ज्वालाप्रशाद मिश्र कृत.

(ज २४६६ क. ६) हि०

शिशु-पालन.

(ज. २४७७ क. ७३)

शिचा-मणि.

(ज. २५१६ क. ३०)

शिव-म्वरोद्य

(ज. २४२० क. ३१)

```
( EXE )
शब्द-रूपावली.
         (ज, २४२४ क, ३४)
शरीर-पृष्टि-विधान.
         (ज. २४३७ क. १०८)
शिवस्वरोदय.
         (ज. २४४६ क. ४६)
शिवबोध.
         (ज. २४४३ क. ४०)
शिचा.
         (ज. २४१४ क. २६)
सुभाषितरत्रभंडागार.
         (ज. २४७० क. १०) सं.
स्वप्न-प्रकाशिका.
        (ज. २४७१ क. ६१) सं. हिदीसहित.
बी-दर्पण.
         ( ज. २४७२ क. ४८ )
सची-देवियाँ.
        (ज. २४८० क. १०२)
सुशीला-कन्या.
        ( ज. २४८१ क. १०९ )
सेवा-धर्म.
        ( ज. २४६० क. १२८ )
        ( ज. २४६१ क. १२६ )
समर्पण.
```

(ज. २४६२ क. १३०)

(ज. २४६६ क. ६२)

संयुक्त-प्रान्त-प्रदर्शिनी.

```
सामुद्रिक-शास.
```

(ज. २५०२ क. ११) सं. राधाकुष्ण मिश्र कृत हिंदी सहित.

दुरताल-समूह.

(ज. २४०६ क. १७)

ब्री-प्रबोधिनी,

(ज. २४०६ क. २०)

गालिगा-सलेवृत्त.

(ज. २४१० क. २१)

भी-शिचा-शिरोमणि.

(ज. २४१७ क. २८)

सभाविलास.

(ज. २४३० क. १०७)

सूर्यपुराणादि २१ रत्न.

(ज. २४३६ क. १००)

सन्तान-कल्प-द्रुम,

(ज. २४४२ क. ७१)

सती-सावित्री.

(ज. २४४३ क. ४६)

सत्कुलाचरण.

(ज. २४४६ क. १०१)

वास्थ्य-सहाय.

(ज. २४४० क. ८८)

वाधीनता.

(ज. २४४२ क. ६४)

ांस्कृत-प्रवेशिका

(ज. २४६७ क, ११३)

सदाचारी बालक.

(ज. २४७२ क. पर)

सहस्र रजनी-चरित्र.

(ज. २४८३ क. २)

हठयोग-प्रदीपिका.

(ज. २४०७ क. १८)

हितोपदेश. नारायण पंडित.

(ज. २४४७ क ४४) रामेश्वर भट्ट कृत हिन्दी सहित.

(ज. २४६० क. ४६) कन्हेंयालाल पंडित कृत. हिन्दी सहित.

ममाप्तेयं-ग्रजैन ग्रन्थानां नामावलिः ।

(सं० १६पम कार्तिक बर्दा SS बी० नि० २४४७ पृरा)